डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

वैशाख शुक्ल पक्ष 11, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), रविवार, 19 मई 2024, वर्ष-30, अंक-210, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

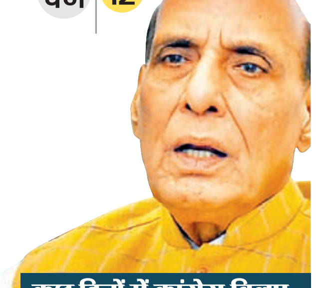

कुछ दिनों में कांग्रेस विलुप्त व सपा हो जायेगी समाप्त

सेंसेक्स 74,005.94 ↑ +342.22

डॉलर 83.302 ↑ -0.175

पलामू सर्राफा

10 ग्राम 73,950

01 किलो 91,170

आज के मैच

सनराइजर्स — पंजाब किंग्स

समय : 7:30 बजे से

स्थान : गुवाहाटी

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 72094 03444 संपर्क करें।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा- आलमगीर आलम के मनी लाउंड्रिंग के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की हो जांच

बांग्लादेश में दवा, जूट और राइस कंपनी के मालिक हैं आलमगीर के भाई

ब्यूरो रिपोर्ट

रांची। झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग में जारी टेंडर कमीशन घोटाले में गिरफ्तार पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम के मनी लाउंड्रिंग से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की जांच की मांग भाजपा ने की है। मालूम हो कि फिलहाल आलमगीर आलम ईडी के रिमांड पर हैं।

भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने शनिवार को कहा कि पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के एक भाई जहांगीर आलम बांग्लादेश के नागरिक हैं और वहां के अरबपति व्यवसायी हैं। वहां लंबे समय से बांग्लादेश में रह रहे हैं। इस दौरान उन्होंने वहां करोड़ों-अरबों की चल-अचल संपत्ति बनाई है, उनके व्यवसाय में आलमगीर आलम की अवैध कमाई लगे होने की आशंका है। प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने बताया कि 90 के दशक में आलमगीर आलम का राजनीतिक उदय हुआ और इसी दौरान उनके भाई जहांगीर आलम बांग्लादेश शिफ्ट हो गए। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि खाक से शीर्ष तक पहुंचाने की कहानी की गहन जांच करने की आवश्यकता है। प्रतुल ने दावा किया कि जैसे-जैसे आलमगीर आलम का कद बढ़ता गया, वैसे-वैसे उनके भाई का बांग्लादेश में वित्तीय साम्राज्य भी बढ़ता चला गया। आज वह अरबों रुपयों के मालिक हैं, और राइस, जुट और दवा से जुड़े व्यापार में सम्मिलित हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि पूर्व मंत्री के पीएम के सहायक जहांगीर आलम के प्लैट से करोड़ों रुपए की बरामदगी से आलमगीर आलम के तार सीधे तौर पर जुड़े होने के सबूत ईडी को मिले हैं। ईडी ने अपने रिमांड रिपोर्ट में भी इसका उल्लेख किया है। भाजपा नेता ने ईडी से पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की जांच की मांग करने की मांग की है।

पीएस संजीव और सहायक जहांगीर तीन दिन के ईडी रिमांड पर

रांची। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उसके नौकर जहांगीर आलम की रिमांड अवधि समाप्त होने पर शनिवार को रांची स्थित ईडी कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने पूछताछ की आवश्यकता बताते हुए फिर से तीन दिनों की रिमांड मांगी। इस पर ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत ने तीन दिनों की रिमांड की मंजूरी दे दी। ईडी ने संजीव और जहांगीर को छह मई को गिरफ्तार किया था। ईडी की छापेमारी में संजीव लाल के नौकर जहांगीर सहित अन्य के घरों से 35.23 करोड़ रुपये बरामद हुए थे।

थमा प्रचार का शोर, तीन सीटों पर मतदान कल

- **भाजपा ने हजारीबाग और चतरा से उतारे हैं नये चेहरे, कोडरमा में प्रत्याशी दोहराया**
- **इंडी गठबंधन से तीनों सीटों पर नए चेहरे, कोडरमा में सीपीआई एमएल के विनोद सिंह**
- **तीन सीटों पर 2019 में चला था 'भाजपा का तूफान', इस बार बड़ी चुनौती**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण और देश के पांचवें चरण का प्रचार शनिवार की शाम समाप्त हो गया। रविवार को प्रत्याशी और उनके समर्थक डोर टू डोर जनसंपर्क कर सकते हैं। झारखंड की तीन लोकसभा सीटों पर 20 मई सोमवार को मतदान होगा। इनमें कोडरमा, चतरा और हजारीबाग शामिल हैं। मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा। इन तीन सीटों पर कुल 54 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें दो महिलाओं के साथ 23 निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। इन तीनों सीटों पर पिछले लोकसभा चुनाव में 64-66 प्रतिशत मतदान हुआ था। तीनों सीटों पर पुरुषों से अधिक महिलाओं ने मताधिकार का प्रयोग किया था। इन सीटों पर 2019 के चुनाव में भाजपा की आंधी चली थी। हजारीबाग में इसके उम्मीदवार जयंत सिन्हा ने 4 लाख 79 हजार 548, कोडरमा में अन्नपूर्णा देवी ने 4 लाख 55 हजार 600 और चतरा में सुनील सिंह ने 3 लाख 77 हजार 871 मतों के भारी अंतर से जीत दर्ज की थी। इस बार इन सीटों पर एनडीए के लिए जहां 2019 की बेमिसाल जीत का रिकॉर्ड दोहराने का चैलेंज है, वहीं विपक्ष के सामने सवाल ये है कि वह यहां अपने पांव जमा पाता है या नहीं? भाजपा ने तीन में से दो सीटों हजारीबाग और चतरा में पिछली बार रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज करने वाले सांसदों जयंत सिन्हा एवं सुनील सिंह का टिकट इस बार काट दिया है।

हजारीबाग सीट से 17 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। यहां पर भाजपा के मनीष जायसवाल और कांग्रेस के जेपी पटेल आमने-सामने हैं। दोनों मूलवासी हैं। जहां मनीष जायसवाल का परिवार लंबे समय से हजारीबाग की राजनीति में सक्रिय है वहीं जेपी पटेल के पिता झामुमो के दिग्गज नेता व कई बार सांसद व विधायक रहे थे।

चतरा लोकसभा सीट पर सबसे अधिक 22 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। यहां पर कांग्रेस के केएन त्रिपाठी और भाजपा से कालीचरण सिंह आमने-सामने हैं। केएन त्रिपाठी डालटनगंज के पूर्व विधायक हैं। वह भी खुद को चतरा संसदीय क्षेत्र का असली मूलवासी बताते हैं जबकि कालीचरण चतरा के मूल निवासी हैं।

कोडरमा से 15 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं। इस सीट से भाजपा की अन्नपूर्णा देवी और सीपीआई एमएल के विनोद सिंह आमने-सामने हैं। पिछली बार अन्नपूर्णा देवी ने यहां झारखंड विकास मोर्चा के सुप्रीमो बाबूलाल मरांडी को हराया था। अब बाबूलाल मरांडी भाजपा में हैं और वह अन्नपूर्णा देवी के लिए वोट मांग रहे हैं।

गांडेय उपचुनाव : झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन ने किया रोड शो

गिरिडीह। गांडेय विधानसभा सीट पर उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने शनिवार को बेंगाबाद के विभिन्न गांवों में रोड शो किया। इस दौरान उन्हें देखने को लिए लोगों का जनसमूह उमड़ पड़ा। कल्पना ने भी सभी का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे। इससे पहले जब कल्पना सोरेन गिरिडीह पहुंचीं तो झामुमो कार्यकताओं ने सोनबाद शिव मंदिर के पास उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद मुखिया चमेली देवी के नेतृत्व में कई महिलाएं उनसे मिलीं और अपनी समस्याएं साझा की। इस दौरान सभी महिलाएं उनसे मिलकर बेहद खुश दिखाई दी और उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया। इसके बाद कल्पना सोरेन का काफिला कर्णपुरा, महुआर, बेंगाबाद, छोटकी खरगडीहा, खुरचुट्टा, पारडीह, घुठिया, फिटकोरिया, विशनपुर, चपुआडीह, करमजोरा, नैयाडीह, झलकडीहा, धावाटांड, डाकबंगला, हरिलाडीह गांव पहुंचा। उनके पीछे पीछे बाइक व चार पहिया वाहन से झामुमो कार्यकर्ता चल रहे थे। इस दौरान उन्हें ग्रामीणों का अपार जनसमर्थन मिला। कल्पना भी हर चौक चौराहों पर हाथ जोड़कर उनका अभिवादन स्वीकार किया।

एक नजर

चाल धंसने से दो महिलाओं की मौत

गिरिडीह। जिले के गावां थाना क्षेत्र के परसौनी में अवैध माइका खनन के दौरान चाल धंसने से दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि एक महिला घायल हो गई। मृतकों की पहचान बिहार के गोविंदपुर थाना क्षेत्र निवासी फुलवा देवी और गावां थाना क्षेत्र के बिरने निवासी टुनी देवी के रूप में हुई है। घायल महिला परसौनी निवासी गीता देवी है। माइका तस्करों ने मामले को दबाने का भरपूर प्रयास किया लेकिन पुलिस के संदेह के कारण मामला सामने आ गया।

आज | कल

सी-विजिल से 4.24 लाख शिकायतें मिली, 99.9 प्रतिशत का निष्पादन

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि आम चुनाव 2024 की घोषणा के बाद से सी-विजिल एप के माध्यम से अब तक 4.24 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं और इनमें से 99.9 प्रतिशत मामलों का तेजी से समाधान किया गया। चुनाव आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि आम चुनाव की घोषणा के बाद से 15 मई तक इस एप के माध्यम से 4.24 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 4,23,908 शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है और शेष 409 मामले प्रक्रियाधीन हैं। लगभग 89 प्रतिशत शिकायतों का समाधान 100 मिनट की समयसीमा के भीतर किया गया। आयोग ने कहा कि लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग का सी-विजिल एप लोगों के हाथों में चुनाव संहिता के उल्लंघन को चिह्नित करने के लिए एक अत्यधिक प्रभावी उपकरण के रूप में उभरा है। इसमें लाउडस्पीकरों का अनधिकृत उपयोग, निषिद्ध अवधि के दौरान प्रचार करना, बैनर और पोस्टरों का अवैध प्लेसमेंट, वाहनों का दुरुपयोग, संपत्ति विरूपण, आग्नेयास्त्रों का प्रदर्शन, शराब और नकदी, मुफ्त चीजों को प्रलोभनों का वितरण शामिल है। आयोग ने श्रेणीवार शिकायतों के आंकड़े जारी करते हुए बताया कि अन्य श्रेणी में 66,293 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। स्पीकर के इस्तेमाल/धार्मिक या सांप्रदायिक भाषणों की 2883 शिकायतें, निषिद्ध अवधि के दौरान प्रचार की 4,742, बिना अनुमति के वाहन या काफिला की 2,697, नकद, शराब और मुफ्त वस्तुओं का वितरण करने की 7,022 शिकायतें, बिना अनुमति के पोस्टर/बैनर लगाने की 324,228, संपत्ति विरूपण की 14,022 और आग्नेयास्त्रों का प्रदर्शन/धमकी की 2,430 शिकायतें प्राप्त हुईं।

cVIGIL

जो भ्रष्टाचार मिटाने के नाम पर आए थे, अब हजारों करोड़ के घोटाले में जेल के चक्कर लगा रहे हैं

दिल्ली को तबाह करने में जुटा है इंडी गठबंधन : पीएम

नई दिल्ली। नई दिल्ली में शनिवार को जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस व आप पर जमकर निशाना साधा। कहा, केंद्र सरकार जहां दिल्ली के हर गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति के जीवन को आसान बनाने का प्रयास कर रही है वहीं दूसरी तरफ इंडी गठबंधन दिल्ली को तबाह करने में जुटा है। ये लोग लगातार राजनीति का पतन करने के लिए और करोड़ों देशवासियों का भरोसा तोड़ने के लिए जिम्मेदार हैं। कहा, ये लोग दिल्ली को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ते। ये भ्रष्टाचार मिटाने के नाम पर आए थे और अब हजारों करोड़ के घोटाले में जेल के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तो अब पूरी तरह से एक्सपोज हो गई है। पहले कांग्रेस वाले शराब घोटाले को लेकर तूफान मचाए रहते थे, फिर शाही परिवार के कहने पर कांग्रेस ने भ्रष्टाचारियों को गले लगा लिया, जिसकी वजह से कांग्रेस के स्थानीय नेताओं को भी समझ नहीं आ रहा कि करें तो क्या करें?

पीएम मोदी ने कांग्रेस और आप के गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि दिल्ली और हरियाणा में दोस्ती और पंजाब में कुश्ती, यह ढोंग कब तक चलेगा? दुनिया देख रही है कि कैसे एक भ्रष्टाचारी दूसरे भ्रष्टाचारी को कवर दे रहा है। उन्होंने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक जमाना था, जब कांग्रेस पूरे देश पर राज करती थी। कांग्रेस की 4 पीढ़ियों ने दिल्ली पर राज किया, लेकिन आज इनमें दिल्ली की 4 सीट पर लड़ने की ताकत नहीं रही। कांग्रेस की हालत अब इतनी खराब हो गई है कि यह वहां भी नहीं लड़ पा रही है, जहां इनका दरबार है। लेकिन फिर भी कांग्रेस का घमंड नहीं टूटा है। उन्होंने विकसित भारत के लिए अपने संकल्पों को लोगों के सामने रखते हुए कहा कि देश में एक मजबूत सरकार की जरूरत है और इसके लिए उन्हें मजबूत साथियों की जरूरत है, इसलिए दिल्ली के लोगों को हर बूथ में कमल खिलाकर भाजपा के सभी सातों उम्मीदवारों को विजयी बनाना होगा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव उन लोगों को हराने का चुनाव है, जिनके-भाई भतीजावाद और परिवारवाद ने भारत के युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर दिया है। 2024 का चुनाव गरीब और मध्यम वर्ग के जीवन को आसान बनाने, उनके जीवन में खुशियां लाने, भारत के युवाओं के लिए नए अवसर बनाने और मजबूत भारत बनाने का चुनाव है।

इंडिया

सुनील बादल

नेहरू ने खुद बटन नहीं दबाया और नई परंपरा की शुरूआत करते हुए बांध बनाने वाली मजदूर बुधनी से उद्घाटन कराया

अनजाने में नेहरू ने आदिवासी लड़की का जीवन नर्क बना दिया था

पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को कुछ लोग बड़े विद्वान और विश्व स्तर का लेखक बताते थे क्योंकि समृद्ध परिवार से आनेवाले नेहरू ने विदेशों में पढ़ाई की थी और विदेशी संस्कृति का बहुत ज्ञान था। पर सनातन भारत की प्राचीन मान्य गंधर्व विवाह परंपरा जिसे आदिवासी समुदाय भी मानता था की जानकारी न होने से उन्होंने एक युवा आदिवासी महिला बुधनी मंझियाईंन का जीवन नर्क बना दिया था। आजादी के बाद झारखंड के पंचेत (धनबाद) में बने पंचेत बांध के उद्घाटन के लिए 6 दिसंबर, 1959 को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के स्वागत के लिए दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) ने 15 साल की एक आदिवासी लड़की बुधनी मंझिआईन का चयन किया था। बुधनी के साथ इस काम के लिए मंच पर थे रावोण मांझी। इन दोनों ने पंचेत बांध के निर्माण में मजदूरी की थी। नेहरू आए, स्वागत हुआ और अब बांध के उद्घाटन की बारी थी। एक बटन दबाकर ये काम पूरा होना था। लेकिन नेहरू ने खुद बटन नहीं दबाया और एक नई परंपरा की शुरूआत करते हुए बांध बनाने वाली मजदूर बुधनी से उद्घाटन कराया। उद्घाटन के बाद उसी रात से बुधनी की जिंदगी दूभर हो गई। खोरबोना गांव में संथाली समाज की बैठक हुई। समाज के लोगों ने पाया कि बुधनी मंझिआईन ने गैर-आदिवासी बिरादरी से आने वाले नेहरू को माला पहनाई थी और नेहरू ने उन्हें माला पहनाई। बैठक में तय हुआ कि माला पहनाने का मतलब है कि बुधनी का विवाह हो गया। गैर-आदिवासी से विवाह के कारण समाज ने बुधनी के बहिष्कार का फैसला ले लिया, उसे जाति से निकाल दिया लोगों ने बुधनी से मेलजोल खत्म कर दिया। 80 साल की उम्र में 21 नवंबर को बुधनी मंझिआईन ने आखिरी सांस ली। 2016 में बीबीसी से जुड़े पत्रकार रवि प्रकाश ने बुधनी से बात की थी पत्रकारों को बताया था, बुधनी बड़ी तेज-तर्रार महिला थीं और यह 1959 वाली घटना के बाद नहीं हुआ। वे बचपन से ही ऐसी थीं. यही वजह रही कि उन्हें प्रधानमंत्री के स्वागत की जिम्मेदारी दी गई थी।

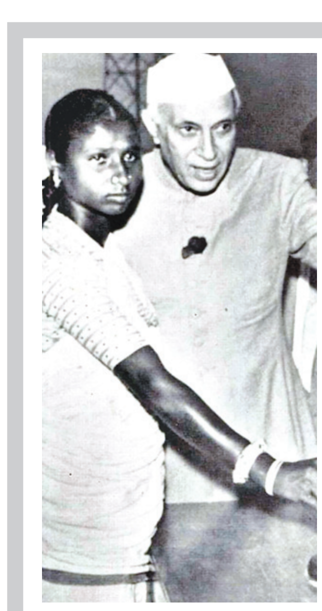

हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि सारी बातें अंग्रेजी मीडिया की देन है जिसने बुधनी को नेहरू की पहली आदिवासी पत्नी तक बताया था। जो भी हो आज बुधनी के नाम से गांव को जाना जाता है।

1959 में जो हुआ था वो धारणा बुधनी की जिंदगी के आखिरी सालों में पूरी तरह बदल चुकी था। समाज से बहिष्कार के बाद बुधनी के लिए सबसे बड़ी मुसीबत तब आन पड़ी जब 1962 में डीवीसी ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया। इसी दौरान उनकी मुलाकात सुधीर दत्त नाम के एक मजदूर से हुई जिन्होंने आश्रय दिया समाज के डर से सुधीर और बुधनी ने विवाह तो नहीं किया लेकिन दोनों साथ ही रहने लगे। दोनों को एक बेटी हुई। अपनी जिंदगी के आखिरी दिनों में बेटी रत्ना के साथ ही बुधनी पंचेत में रहती थीं।

जवाहरलाल नेहरू के पोते राजीव गांधी 1984 में देश के प्रधानमंत्री बने और राजीव अपने दादा नेहरू के बारे में रिसर्च कराया इसी दौरान उन्हें पंचेत की घटना का पता चला। 1985 में उन्होंने भिलाई में बुधनी से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद डीवीसी ने फिर बुधनी को नौकरी दे दी। बाद के सालों में वो नौकरी से रिटायर हो गईं। पंचेत में ही बेटी के साथ उन्होंने पूरी जिंदगी गुजार दी। लेकिन अपने साथ दो कसक लेकर चली गई - एक घर न मिलने की और बेटी की नौकरी लगने की। बुधनी को दोबारा नौकरी दिलाई थी राजीव गांधी ने। बुधनी को घर और बेटी की नौकरी की उम्मीद थी राजीव के बेटे राहुल गांधी से। जो उनके जिंदा रहते तो पूरी नहीं हो पाई। अक्सर बड़े लोग जनजातीय या भारतीय समाज के रीति रिवाज से जुड़े कपड़े पहनकर या साथ खड़े होकर फोटो खिंचवा लेते हैं पर उनकी जानकारी नहीं लेते उक्त घटना उनके लिए एक सीख है।

स्वाति मालीवाल मामले में बिभव कुमार गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट के मामले में दिल्ली पुलिस ने बिभव कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइन थाने में बिभव कुमार से पूछताछ की जा रही है। सिविल लाइन पुलिस ने बिभव कुमार को पहले हिरासत में लिया था, उसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। थाने के बाहर पहुंचे बिभव कुमार के वकीलों को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली। गिरफ्तारी से पहले बिभव कुमार ने दिल्ली पुलिस को दो मेल किए थे। पहले मेल में उन्होंने स्वाति मालीवाल की शिकायत की थी और दूसरे मेल में उन्होंने दिल्ली पुलिस की जांच में सहयोग करने की बात की थी। इस मामले में बिभव कुमार के वकील का आरोप है कि अभी तक उन्हें एफआईआर कॉपी नहीं मिली है।

जमानत याचिका खारिज : स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में गिरफ्तार किए गए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीएस बिभव कुमार की अग्रिम जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। बिभव कुमार ने अग्रिम जमानत याचिका की अर्जी तीस हजारी कोर्ट में लगाई थी। जमानत याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा की एडिशनल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने कोर्ट को बताया कि बिभव को 4 बजकर 15 मिनट पर गिरफ्तार कर लिया गया है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुका है, इसलिए अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई का कोई औचित्य नहीं है।

एक नजर

छत की सीढ़ी से गिरकर युवक गंभीर, रेफर

हुसैनाबाद। रविदास नगर में रंजीत कुमार का 26 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार छत की सीढ़ी से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने बेहोशी की हालत में इलाज के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्रारंभिक इलाज के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर रेफर कर दिया।

19 व 20 मई को बैरांव फीडर क्षेत्र में बंद रहेगी बिजली की आपूर्ति

सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे के बीच बंद रहेगी बिजली

हुसैनाबाद। रविवार 19 मई और सोमवार 20 मई को 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन का मेंटेनेंस कार्य होने के कारण 33 केवी बैरांव विद्युत शक्ति उपकेन्द्र से सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक संबंधित क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। साथ ही 11 हजार केवीए ग्रामीण फीडर के कुछ भाग में भी सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस आशय की जानकारी पचंबा ट्रांसमिशन लाइन के सहायक विद्युत अभियंता ने दी है।

नव चयनित बूथों पर मतदान के लिए प्रोत्साहित किया गया

पांकी। एसपी रीष्मा रमेशन के निर्देशानुसार लोकसभा चुनाव को लेकर पांकी थाना के अंतर्गत आईपीएस गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में एसडीपीओ लेस्लीगंज मनोज कुमार झा, पांकी पुलिस और झारखंड जगुआर की संयुक्त अभियान में सुदूरवर्ती क्षेत्र केकरगढ़, हेड़ुम, गरिहरा, द्वारिका, उलगाड़ा, पूरनाही आदि क्षेत्रों में एरिया डॉमिनेशन, रूट डिमाइनिंग और फ्लैग मार्च के साथ-साथ रिलोकेटेड बूथों के लोगों से मिलकर उनके नव चयनित बूथों पर मतदान के लिए प्रोत्साहित किया गया।

किशुनपुर पंचायत में करोड़ों की लागत से बना ग्रामीण जलापूर्ति योजना फेल

विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं ग्रामीण

नवीन मेल संवाददाता

पाटन। मई के महीना में गर्मी के साथ लू का प्रकोप जारी है। पानी को लेकर ग्रामीण क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है। जल ही जीवन है। जल के बिना सब अधूरा है। सरकार के द्वारा लगाई गई जल उपयोगी योजना पाटन प्रखंड के किशुनपुर स्थित मौर्य टाड़ पर निर्माणाधीन ग्रामीण जलापूर्ति योजना फेल है। जानकारी के अनुसार पानी टंकी का निर्माण जल स्वच्छता प्रमंडल मेदिनीनगर के तहत कराया गया था। इस पानी टंकी का निर्माण 2018-20 में कराया गया था। जो बिलकुल फेल साबित हो रहा है। पानी के लिए लोग इधर-उधर भटक रहे हैं। इस पानी टंकी से किशुनपुर पंचायत समेत 17 गांव में जलनल योजना के तहत पाइपलाइन द्वारा पानी की आपूर्ति करना था। जो कि दो साल से ठप पड़ा है। ग्रामीण क्षेत्र के अधिकांश चपाकल, कुआं सूख गए हैं। नदी तालाब भी सूखा पड़ा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जब से पानी टंकी का निर्माण हुआ है, तब नियमित रूप से पानी लोगों तक नहीं मिल पाया है। पानी टंकी का निर्माण हुए आज 4 वर्ष बीत गए। किशुनपुर पंचायत एक आदर्श पंचायत के रूप में जाना जाता था। इसी को देखते हुए पीएचईडी विभाग के द्वारा यहां पानी टंकी का निर्माण कराया था।

तकनीकी खराबी के कारण जलापूर्ति योजना बंद है : मुखिया

इस संबंध में किशुनपुर मुखिया सुमन गुप्ता का कहना है कि तकनीकी खराबी के कारण जलापूर्ति योजना बंद है। शीघ्र ही चालू करवाने के लिए एई से बात हुई है। एई ने बताया कि मरम्मत कराने के लिए प्राक्कलन रांची विभाग को भेज दिया गया है। इलेक्शन बाद जलापूर्ति योजना चालू कर दी जाएगी।

विभाग के स्कूटी ऑफिसर को आवेदन दिया गया है : संतोष कुमार

वहीं इस संबंध में किशुनपुर उत्तरी पंचायत समिति सदस्य संतोष कुमार उपाध्याय ने बताया कि यह जलापूर्ति योजना दो साल से बाधित है। इस संबंध में विभाग के स्कूटी ऑफिसर को बार-बार लिखित शिकायत आवेदन दिया गया है। इसके बावजूद अभी तक पहल नहीं किया गया। स्कूटी के द्वारा बताया जाता है कि इलेक्शन बाद देखेंगे। विभाग से अभी तक ठोस जवाब नहीं मिला है।

आज सजेगी कव्वाली की महफिल, तैयारी पूरी

कव्वाली कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे जिप उपाध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद में हिंदू - मुस्लिम आस्था का केन्द्र दाता पीर बक्श शाह का सालाना उर्स के मौके पर कव्वाली की शानदार महफिल रविवार को सजेगी। इस मौके पर देश के मशहूर कव्वाल शाहरुख साबरी और कव्वाला सबा रंगीली के बीच शानदार मुकाबला होगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। इसकी जानकारी देते हुए उर्स कव्वाली कार्यक्रम के संयोजक सैयद जक्की हुसैन उर्फ शम्मू रिजवी, कार्यक्रम के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एजाज आलम ने बताया कि कव्वाली कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह और संयोजक इब्राहिम सेठ के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि करीब सौ वर्षो से दाता साहब के मजार पर उर्स मनाने की परम्परा कायम है। इस मौके पर हजारों की संख्या में हिन्दू - मुस्लिम समाज के लोग पहुंचकर चादरपोशी और फतेहा कर अपनी-अपनी मन्नत मांगते है। वहीं पिछले 24 वर्षों से हैदरनगर थाना क्षेत्र के बलडीहरी गांव निवासी वर्तमान में मुंबई के बिल्डर इब्राहीम सेठ के सौजन्य से कव्वाली कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये समिति के लोग काफी सक्रिय हैं।

माओवादी का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार, कई राज उगले

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के 15 लाख के इनामी नीतेश यादव के दस्ते में शामिल नक्सली कामेश्वर यादव उर्फ धनराश यादव उर्फ धनराज यादव को छतरपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके घर आने की सूचना पर जिले के पांडू थाना क्षेत्र के खैरा मंगरदाह में छापामारी कर उसे गिरफ्त में किया है। माओवादी कामेश्वर 23 अगस्त 2023 को महुदंड से काला पहाड़ के बीच बन रही पक्की सड़क में लगे मुंशी एवं मजदूरों के साथ मारपीट की थी व निर्माण में लगे सात से आठ वाहनों को जला दिया था। यह घटना छतरपुर थाना क्षेत्र की है।।

छतरपुर एसडीपीओ नौशाद आलम ने पत्रकारों को बताया कि महुदंड से काला पहाड़ के बीच सड़क निर्माण में आगजनी, मारपीट में शामिल चार माओवादियों को अबतक गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले हरिहर यादव और राकेश्वर यादव उर्फ विनोद यादव को गिरफ्तार किया गया था, जबकि चतरा के प्रतापपुर थाना पुलिस ने दो दिन पहले बबन भोक्ता उर्फ बबन गंझू को गिरफ्तार किया है। बबन की निशानदेही पर कामेश्वर यादव को गिरफ्तार किया गया।

एसडीपीओ ने बताया कि आगजनी की घटना को 15 लाख के इनामी माओवादी नीतेश यादव के दस्ते ने अंजाम दिया था और उसमें कामेश्वर यादव भी शामिल था। माओवादी कामेश्वर ने कई महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जिसके आधार पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। साथ ही घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि कामेश्वर यादव शीर्ष माओवादी कमांडर नीतेश यादव का करीबी है। चतरा में बबन भोक्ता की गिरफ्तारी के बाद कामेश्वर की गिरफ्तारी में पलामू पुलिस जुटी हुई थी।

छतरपुर में सीसीटीवी लगाने को लेकर कार्यपालक अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन में नपं फॉगिंग करवाने और पानी टंकी से पेयजलापूर्ति की मांगें शामिल

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। छतरपुर नगर पंचायत में आपराधिक घटनाएं बढ़ी है। नगर में बढ़ते अपराध और आम नागरिकों की सुरक्षा हेतु नगर के विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने हेतु छतरपुर विकास मंच के संस्थापक अध्यक्ष अरविंद गुप्ता उर्फ चुनमून ने नगर के कार्यपालक अधिकारी को तीन सूत्री मांग पत्र सौंपा। जिनमें नगर के सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने, शहर में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप से निजात दिलाने के लिए छतरपुर नगर मुख्यालय सहित विभिन्न वार्डों में फॉगिंग मशीन से फॉगिंग का छिड़काव करवाने। जल संकट से जूझ रहे छतरपुर नगर पंचायत मुख्यालय सहित विभिन्न वार्डों में पानी टैंकर से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांगें मुख्य रूप से शामिल है। ज्ञापन देने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए अरविंद ने कहा की आए दिन छतरपुर में होने वाले आपराधिक गतिविधियों से नगर के लोग सहमे हुए हैं। ऐसे में सीसीटीवी कैमरा नहीं रहने से अपराधी बेखौफ होकर वारदात को अंजाम देकर भाग जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे की सुरक्षा घेरे में नगर के रहने से नगर के लोग खुद को सुरक्षित महसूस करेंगे और अपराधियों द्वारा भी किसी भी वारदात को अंजाम देने की हिम्मत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि नगर में पेयजल संकट व्याप्त है। नगर पंचायत के द्वारा नगर के विभिन्न इलाकों में पेयजल आपूर्ति टैंकर से सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही साथ नगर के विभिन्न इलाकों में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से बचने के लिए नगर में खरीदे गए फॉगिंग मशीन से फॉगिंग होना भी बेहद आवश्यक है। इस मामले में प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कार्यपालक अधिकारी ने कहा की उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द ही पहल की जाएगी। छतरपुर विकास मंच के संस्थापक अध्यक्ष अरविंद गुप्ता चुनमुन और युवा समाजसेवी आकाश चंद्रा के द्वारा संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपा गया।

लापता युवक की अब तक कोई सुराग नहीं, परिजन जाता रहे किसी अनहोनी की आशंका

नौ दिन से लापता है छिपादोहर का युवक, पुलिसिया कार्रवाई से असंतुष्ठ ग्रामीण आंदोलन का रुख करेंगे अख्तियार

विश्रामपुर। थाना क्षेत्र के छिपादोहर गांव निवासी चंद्रशेखर मिश्रा उर्फ डब्लू मिश्रा का बेटा राकेश मिश्रा उर्फ मोनू मिश्रा (25) पिछले नौ दिनों से लापता है। इस संबंध में डब्लू मिश्रा ने विश्रामपुर थाना में गुमशुदगी का मामला भी दर्ज कराया था। लेकिन अभी तक मोनू का कोई सुराग पुलिस को भी नही मिला है। इधर मोनू के परिजन किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए गम में डूबे हुए हैं। परिजन पुलिसिया कार्रवाई से भी संतुष्ट नहीं हैं। यहां बताते चलें कि पिछले दस मई को मोनू घर से निकाला था। लेकिन वह आज तक घर वापस नहीं लौटा। लापता युवक मोनू के पिता डब्लू मिश्रा ने बताया कि पुलिस को कुछ संदिग्धों का नाम भी बताया गया था। लेकिन पुलिस उन से भी कड़ाई से पूछताछ नही कर पा रही है। मोनू के चाचा सह बीजेएमसी जिलाध्यक्ष ऋतुराज मिश्रा ने कहा कि अगर पुलिस अपेक्षित कार्रवाई नहीं करती है तो आंदोलन का रुख अख्तियार किया जायेगा।

एकादशी उद्यापन को लेकर निकाली गयी भव्य कलश जल यात्रा

वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भरा गया

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शहर के वार्ड-2 स्थित सैदाबाद गांव में एकादशी उद्यापन को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। रामराज प्रसाद एवं कलावती देवी और राजगीर प्रसाद व इंदु देवी पिछले कई वर्षों से एकादशी व्रत कर रहे थे। शनिवार को दर्जनों महिला एवं बच्चियों ने कलश के साथ कलश यात्रा निकाली गई। गांव से लगभग चार किलोमीटर दूर देवरी सोननदी से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भरा गया। आचार्य शम्भू पाठक, बीरेंद्र पाठक, नीलेश तिवारी ने वैदिक रीति से पूजा-अर्चना करवाया। कलश में जल भरकर सभी भक्तगण जय विष्णु, जय लक्ष्मी, जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए गांव की विभिन्न गलियों से गुजरते हुए पुनः घर आये। जहां यज्ञ मंडप में कलश को अधिष्ठापित किया गया। कलश लेकर चलने वालों समेत अन्य भक्तों को प्रसाद दिया गया। इस निमित्त 18 मई को वेदीपुजन, 19 मई को कथावाचन पूजन, 20 मई को स्तंभ पूजन, उद्यापन, हवन एवं भंडारे का कार्यक्रम है। इस मौके पर उमेश प्रसाद, सुमेद प्रसाद, मुन्ना प्रसाद, सतीश कुमार, धीरज प्रसाद, नवल साव, अनिता देवी, सुशीला देवी, शारदा भारती, रानी कुमारी, प्रियंका देवी, दुर्गा, कुमारी, रेशम कुमारी, सरिता देवी, प्रार्थी प्रतीक, आकांक्षा कुमारी, सिद्धि कुमारी समेत कई लोग शामिल थे।

गरिहारा के ग्रामीण करेंगे मतदान, पांकी विधायक के समझाने पर बदला वोट बहिष्कार का निर्णय

लोकतंत्र में हर नागरिक को मतदान का अधिकार है : विधायक

खबर का हुआ असर

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। प्रखंड के केकरगढ़ पंचायत के बूथ संख्या 323 के ग्रामीणों के द्वारा कुछ दिन पहले वोट बहिष्कार करने का निर्णय लेने की खबर 'राष्ट्रीय नवीन मेल' अखबार में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद शनिवार को सुबह पांकी विधायक कुशवाहा डॉक्टर शशिभूषण मेहता गरिहारा गांव पहुंचे। वहीं अति सुदूरवर्ती इलाके गरिहारा, जसपुर एवं हेडुम के ग्रामीण 20 मई को मतदान करेंगे। पांकी विधायक डा. शशि भूषण मेहता के समझाने पर सारे ग्रामीणों ने शनिवार को वोट बहिष्कार का निर्णय वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को मतदान का अधिकार है। मतदान अवश्य करें। गरिहारा समेत अन्य गांव के ग्रामीणों ने रोड नहीं तो वोट नहीं के तहत वोट बहिष्कार का निर्णय लिया था। दो दिन पहले पांकी के बीडीओ ने गांव में जाकर ग्रामीणों से बात की थी और उन्हें मतदान के महत्व को बताया था, लेकिन ग्रामीण 12 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए वोट बहिष्कार के अपने निर्णय पर अड़े रहे। इस बीच मतदान से दो दिन पूर्व शनिवार को पांकी विधायक डा. मेहता गरिहारा पहुंचे और ग्रामीणों को समझाया। बताया कि सड़क निर्माण से संबंधित मामला 2023 से विभागीय सचिव के पास लंबित है। कछुआ चाल से कार्य होने के कारण टेंडर नहीं हो पाया है, लेकिन जैसे ही आचार संहिता खत्म होती है, तेजी से टेंडर प्रक्रिया पूरी कराकर दो महीने के भीतर सड़क निर्माण शुरू करा दी जायेगी। विधायक ने कहा कि गरिहारा का इलाका 75 वर्ष से उपेक्षित है। इस इलाके में दलित, आदिवासी व पिछड़े रहते हैं, इस कारण पूर्व के जनप्रतिनिधि ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने ग्रामीणों के निर्णय एवं जागरूकता को सराहते हुए कहा कि अपनी समस्या का निदान करने के लिए उन्होंने बेहतर तरीका ढूंढा एवं अंत तक अड़े रहे।

कई घंटे तक बातचीत चलने के बाद ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार के निर्णय को वापस लिया। मौके पर प्रो. बच्चन ठाकुर, कामेश यादव, बिनोद यादव, पप्पू यादव, राजकुमार यादव, अमारिक यादव, शंकर यादव, अमरेश यादव, देवंश यादव, बालकिशुन उरांव सहित कई लोग उपस्थित थे।

सुप्रभात पलामू

पलामू वासियों को नमस्कार।

बढ़ते गर्मी में घर से निकलते समय छाते का प्रयोग करें। बाइक चलाते समय लू से बचने के लिए हेलमेट एवं चश्मा पहनकर पहनकर चलें।

चंद्रकांत सिंह, डॉयरेक्टर, मातृ छाया हॉस्पिटल, शाहपुर पलामू।

16 मई को रिमांड पर लेकर पुलिस ने शुरू किया पूछताछ

पुलिस के समक्ष हत्यारे पुत्र ने उगले कई राज

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हत्या के आरोपी सुबोध सिंह को नौडिहा पुलिस ने रिमांड पर लेकर पूछ-ताछ शुरू कर दिया है। इस संबंध में नौडिहा बाजार के रतनाग गांव के निवासी सुशीला देवी ने लिखित शिकायत दर्ज करायी थी। जिसमें सुबोध सिंह के विरुद्ध अपने पिता को गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया था। इसके बाद आरोपी छापेमारी के डर से न्यायालय में चार मई को आत्मासर्मण कर दिया था। पुलिस ने 16 मई को रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू किया है। पुलिस के समक्ष स्वीकारोक्ति बयान में अपने पिता की गोली मारकर हत्या करने वाले बेटे ने पुलिस के समक्ष कई राज उगले हैं। हत्या के आरोपी बेटे ने पूरी कहानी बताई है कि आखिर क्या

वजह रही कि उसने पिता की हत्या कर डाली। आरोपी के निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल होने वाले देसी भरठुआ बंदूक को भी बरामद कर लिया है। दरसल तीन मई को पलामू के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के रतनाग में कृष्णा सिंह नामक व्यक्ति को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप कृष्णा सिंह के बेटे सुबोध सिंह पर लगा था। घटना के बाद से सुबोध सिंह फरार हो गया था। बाद में सुबोध सिंह ने पलामू कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। 16 मई को पलामू पुलिस ने सूरज सिंह को रिमांड पर लिया था और पूछताछ की है। इसी पूछ-ताछ में सूरज सिंह ने अपने पिता के हत्या के कारणों के बारे में बताया है और हथियार को रिकवर करवाया है। नौडीहा बाजार थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि सूरज सिंह ने हत्या को अंजाम देने के बाद हथियार को दो चट्टानों के बीच में छिपा दिया था। सुबोध सिंह के निशानदेही पर पुलिस ने हथियार को बरामद कर लिया है।

बड़े भाई का पक्ष ले रहे थे पिता

थाना प्रभारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान सुबोध ने बताया कि पिछले डेढ़ वर्षो से आवास योजना को लेकर पिता से विवाद चल रहा था। इसी विवाद में उसने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। ग्रामीणों ने बताया कि सुबोध और बड़े भाई के बीच आवास योजना को लेकर विवाद था। इसी विवाद में पिता कृष्णा सिंह बड़े भाई का पक्ष ले रहे थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अपटी में जुटे ग्रामीण, चलाया गया जागरूकता अभियान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शनिवार को उप विकास आयुक्त रवि आनंद, पांकी की एआरओ प्रीति किस्कू व छत्तरपुर के एसडीएम हीरा कुमार ने पुराने बूथ राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, अपटी उत्क्रमित मध्य विद्यालय बघमरी जीरो,राजकीय मध्य विद्यालय होटाई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोगाड़ व राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय भवरदह पहुंचकर वहां के स्थानीय ग्रामीणों से सीधे संपर्क स्थापित कर उन्हें उनके बूथों के बदले जाने की जानकारी देते हुए अपने नये बूथ पर जाकर मतदान करने की अपील की। उप विकास आयुक्त ने अलग-अलग बूथों पर पहुंच कर संबंधित बूथ से अटैच्ड मतदाताओं को यह भरोसा दिलाया कि रिलोकेट किये गये बूथों पर पेयजल, टेंट व शौचालय के संपूर्ण व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने हेतु वाहनों की भी व्यवस्था की गयी है। उन्होंने जिला प्रशासन के तरफ से सभी मतदाताओं को अपने बूथ पर जाकर मतदान करने हेतु आमंत्रित किया। इसी तरह उन्होंने रिलोकेटेड बूथों यथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय सालमदीरी व राजकीय रा.उ.उर्दू. मध्य विद्यालय हूरलौंग, पूर्वी भाग से संबंधित मतदाताओं के बीच भी मतदान हेतु जागरूकता अभियान चलाया।

अस्पतालों में बच्चों को जन्म प्रमाण पत्र नहीं मिलने से परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के सरकारी अस्पतालों में बच्चों के जन्म के समय जन्म प्रमाणपत्र नहीं मिलने के कारण परिजनों को बाद में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिले में मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अलावा करीब 132 उप-स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रसव कराने की व्यवस्था है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के डीपीएम दीपक कुमार गुप्ता ने बताया कि सरकारी अस्पतालों में साल में करीब 50 से 55 हजार बच्चों का जन्म होता है। 70 प्रतिशत बच्चों का प्रमाणपत्र एक सप्ताह के अंदर अस्पतालों से कर दिया जाता है। 30 प्रतिशत वैसे लोग है, जिनका कागजात के अभाव में जन्म प्रमाणपत्र बनाने में परेशानी होती है। जिन बच्चों के परिजन जागरूक होते हैं, वैसे लोग तो आधार कार्ड, एड्रेस प्रूफ समेत अन्य दस्तावेज उपलब्ध करा देते हैं, परंतु कुछ लोग कागजात उपलब्ध कराने में भी देर कर देते हैं, जिस कारण समय से प्रमाणपत्र नहीं बन पाता है। मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में वर्ष 2023 में जनवरी से लेकर दिसंबर तक कुल 5625 बच्चों का जन्म हुआ है।

एक नजर

प्ले स्कूल में समर कैंप का हुआ उद्घाटन

मेदिनीनगर। नावाटोली स्थित लिलिपुट प्ले स्कूल में समर कैम्प का उदघाट्न स्कूल की प्राचार्या रेणु गोयल ने किया। इस समर कैम्प में भीषण गर्मी को भुलाकर बच्चों को एंजॉय करने के साथ बहुत सारी एक्टिविटीज सीखने का सुनहरा मौका मिलेगा। स्कूल के निदेशक राजीव गोयल ने बताया कि 19 मई रविवार को स्पेशल एक्टिविटी कराई जाएगी। साथ ही सभी एक्टिविटीज प्रारंभ हो जायेगी। समर कैम्प के लिए बच्चों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। उन्होंने बताया जो बच्चे पहले दिन कैम्प में किसी कारण से शामिल होने पर निराश होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आने वाले समर कैम्प के दिनों में फन की कोई कमी नहीं रहेगी। समर कैम्प में जाने माने एक्टर सैकत चटर्जी द्वारा स्टैंड अप कॉमेडी होगी।

उत्तर कोयल परियोजना अधूरा रहने से दो राज्यों के करीब 25 लाख किसान प्रभावित

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। औरंगाबाद (बिहार) के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने वर्तमान लोकसभा चुनाव पूर्व ही संसद में नियम 377 के तहत लोकसभा अध्यक्ष भारत सरकार को बिहार - झारखंड के महत्वपूर्ण उत्तर कोयल परियोजना लंबित कार्य के प्रति ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने कहा कि दो राज्यों के करीब 25 लाख किसानों की 1. 25 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई करने वाली अंतरर्राज्यीय उत्तर कोयल परियोजना का कायारंभ सन 1975 में हुआ। अब तक हजारों करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने के बावजूद भी दोनों राज्यों के तीन जिलों पलामू, औरंगाबाद और गया के किसान निश्चित सिंचाई सुविधा से वंचित है। जबकि शेष कार्यों को पूर्ण करने के लिए सन 2017 में केंद्रीय मंत्री परिषद ने 1622 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी थी। इसके बाद 5 जनवरी 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शेष कार्यों का भी शिलान्यास किया था। इसे पूरा करने को कार्यावधि 30 महीने निर्धारित की गई। पर समय पर कार्य पूर्ण नहीं होने से निर्माण लागत में वृद्धि होकर पुनः अक्टूबर 2023 में केंद्रीय मंत्री परिषद ने इसकी लागत 2436 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके तहत डूब क्षेत्र के किसानों को पुनः मुआवजा, मंडल डैम में लोहे का फाटक, मोहम्मदगंज बराज और दाएं व बाएं नहरों के जीर्णोद्धार का कार्य शामिल है। इन सभी कार्यों में विशेषकर मुआवजा भुगतान करने में झारखंड सरकार का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने भारत सरकार से मांग की है कि लाखों किसानों के हित में 48 वर्षों से लंबित परियोजना के मंडल डैम में अविलम्ब लोहे का गेट लगाया जाएं। इस क्षेत्र के किसानों का रोना इस बात को लेकर है कि इस परियोजना से यहां के एक तिहाई भूमि को मिलने वाला सिंचाई का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

पांकी के विधानसभा में रिलोकेटेड बूथ व पुराने बूथों पर चलाया गया जागरूकता अभियान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लोकसभा चुनाव के तहत चतरा लोकसभा अंतर्गत पांकी विधानसभा में 20 मई को मतदान होना है। सभी बूथों पर अधिकाधिक मतदान हो, इसे लेकर कई कार्य किये जा रहे हैं। इसी क्रम में भारत निर्वाचन आयोग ने सुरक्षा के मद्देनजर पांकी विधानसभा अंतर्गत कुल नौ बूथों को रिलोकेट किया गया। शनिवार को उप विकास आयुक्त रवि आनंद व पांकी के एआरओ प्रीति किस्कू ने इन्हीं पुराने व नये बूथों पर मतदान करने वाले मतदाताओं के बीच जागरूकता अभियान चलाकर आगामी 20 मई को नये बूथ पर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। बूथ नंबर 35, 202, 204, 207, 208, 223 225 पर जागरूकता अभियान चलाया गया। उप विकास आयुक्त रवि आनंद, पांकी की एआरओ प्रीति किस्कू व छत्तरपुर के एसडीएम हीरा कुमार ने पुराने बूथ राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, अपटी उत्क्रमित मध्य विद्यालय बघमरी जीरो, राजकीय मध्य विद्यालय होटाई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोगाड़ व राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय भवरदह पहुंचकर वहां के स्थानीय ग्रामीणों से सीधे संपर्क स्थापित कर उन्हें उनके बूथों के बदले जाने की जानकारी देते हुए अपने नये बूथ पर जाकर मतदान करने की अपील की। उप विकास आयुक्त ने अलग-अलग बूथों पर पहुंच कर संबंधित बूथ से अटैच्ड मतदाताओं को यह भरोसा दिलाया कि रिलोकेट किये गये बूथों पर पेयजल, टेंट व शौचालय के संपूर्ण व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने हेतु वाहनों की भी व्यवस्था की गयी है। उन्होंने जिला प्रशासन के तरफ से सभी मतदाताओं को अपने बूथ पर जाकर मतदान करने हेतु आमंत्रित किया। इसी तरह उन्होंने रिलोकेटेड बूथों यथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय सालमदीरी व राजकीय रा.उ.उर्दू. मध्य विद्यालय हूरलौंग, पूर्वी भाग से संबंधित मतदाताओं के बीच भी मतदान हेतु जागरूकता अभियान चलाया।

चोरी के बाइक सहित दो युवक गिरफ्तार, जेल

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। थाना क्षेत्र के अररुआ कला तथा अंबा डेमा गांव में पुलिस ने छापामारी कर चोरी की दो बाइक बरामद किया। साथ ही इस मामले में अररुआ कला निवासी संजय पासवान का पुत्र ओमप्रकाश पासवान तथा अंबा डेमा गांव निवासी सत्येंद्र विश्वकर्मा का पुत्र मुकुल विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दी है। इस संबंध में पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि अररुआ कला गांव निवासी ओमप्रकाश पासवान के घर चोरी का बाइक है। सूचना के आधार पर पुलिस छापामारी कर पैशन प्रो बाइक बीआर02एके 6888 को जब्त कर लिया। इस दौरान ओमप्रकाश पासवान ने पुलिस को अपना बाइक बताते हुए झांसा देने की कोशिश की। पुलिस द्वारा कागजात मांगे जाने पर वह कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने ओमप्रकाश को हिरासत में लेकर जब पूछताछ की तो उसने बताया कि अम्बा डेम गांव निवासी मुकुल विश्वकर्मा के पास भी चोरी की बाइक है। पुलिस तत्काल छापामारी कर अंबा डेमा गांव से स्प्लेंडर प्लस बाइक को बरामद करते हुए मुकुल विश्वकर्मा को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि गुड्डू मेहता नामक युवक चोरी का बाइक देता है। वह पुलिस तीनों पर प्राथमिक दर्ज करते हुए गिरफ्तार उक्त दोनों युवकों को जेल भेज दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि बाइक चुराकर बेचने के काम में इनलोग संलिप्त हैं। इनलोगों के साथ और भी युवक संलिप्त हो सकते हैं। पुलिस गहनता से इसकी जांच कर रही है, छापामारी दल में एसआइ नंदलाल साहनी, सतीश कुमार गुप्ता तथा सशस्त्र बल शामिल थी।

गठबंधन के नेताओं कार्यक्रताओं की हुई बैठक

विश्रामपुर। नप मुख्यालय में इंडिया गठबंधन के नेताओं कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में प्रस्ताव पारित कर पलामू लोक सभा क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया गया। मौके पर राजद अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश महासचिव नईमुद्दीन अंसारी ने कहा कि पलामू की जनता ने इस बार राजनीतिक बदलाव के लिए मतदान करते हुए ममता भुइंया को अपना आशीर्वाद दिया है। जिसके लिए महागठबंधन उनका आभारी है। बैठक में राजद महासंघ अध्यक्ष नंददेव यादव, नागेंद्र यादव, नरेश यादव, संजय महतो, सीताराम चंद्रवंशी, उसमान अंसारी, रउफ अंसारी, सुरेश राम सहित कई लोग मौजूद थे।

मकान के ऊपरी हिस्से में लगी आग डेढ़ लाख की संपत्ति जलकर नष्ट

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। तरहसी थाना क्षेत्र के उदयपुरा वन गांव में शटरिंग मिस्त्री राम नारायण सिंह के मकान में शनिवार अहले सुबह आग लग गई। आग से डेढ़ लाख से अधिक की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। इस घटना से पीड़ित परिवार को खाने पीने की खाद सामग्री का संकट उत्पन्न हो गया है। आय का स्रोत शटरिंग में लगने वाला पटरा करीब 700 पीस जलकर नष्ट हो गया है। सूचना मिलने पर उदयपुर वन पंचायत के मुखिया महेंद्र पासवान ने घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि उनसे जितना बनेगा, आर्थिक लाभ दिलाने के लिए वह प्रयास करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए भी प्रयास किया जाएगा। उन्होंने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि शटरिंग मिस्त्री का काम करने वाले रामनारायण के समक्ष भारी आर्थिक संकट उत्पन्न हो गयी है। पीड़ित राम नारायण सिंह ने बताया कि घटना के वक्त वह घर पर नहीं था। उसकी पत्नी और बच्चे घर पर थे। घटना शनिवार की सुबह करीब 3 बजे हुई। आसपास के लोगों ने मकान के ऊपरी हिस्से में आग लगता देखकर शोर मचाया। उस वक्त उसकी पत्नी और बच्चे कमरे में सो रहे थे। शोर सुनकर बाहर निकले और ग्रामीणों के साथ मिलकर आग बुझाई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राम नारायण की पत्नी सोनी देवी ने बताया कि डेढ़ लाख से अधिक की संपत्ति जलकर नष्ट हुई है। खाद्य सामग्री खासकर गेहूं, चावल, लहसुन, प्याज, आलू और करीब 700 पीस पटरा जलकर नष्ट हो गया है। उन्होंने कहा कि सारे पटरे जल जाने के कारण अब आय का स्रोत भी खत्म हो गया है। सोनी ने आवास योजना देने की गुहार लगायी।

चतरा लोकसभा के इंडी गठबंधन प्रत्याशी केएन त्रिपाठी के पक्ष में चलाया जनसंपर्क

मेदिनीनगर। चतरा लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने पलामू जिले के सुदरवर्ती प्रखंड मनातू में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने बाइक रैली भी निकाली । शनिवार को पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पाठक ने कांगेस के कार्यकर्ताओं के साथ मनातू के दर्जनों गावों का दौरा बाइक से किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि आगामी 20 मई को चतरा लोकसभा के प्रत्याशी कृष्णानंद त्रिपाठी को जिताएं और चतरा लोकसभा में आम अवाम के समस्या की समाधान करने के लिए अपना प्रत्याशी लोकसभा में भेजने का काम करें। वहीं पांकी विधानसभा के मनातू प्रखंड में विभिन्न पंचायतों में भी जनसंपर्क अभियान चलाया एवं इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी कृष्णानंद त्रिपाठी के पक्ष में समर्थन मांगा। मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी गिरजा राम, जितेंद्र कमलापुरी, सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

वोटर्स ऑन इलेक्शन ड्यूटी और आवश्यक सेवा से जुड़े लोगों ने किया मतदान

पोस्टल बैलेट से कराया जा रहा मतदान, प्रशासनिक अधिकारी मुस्तैद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लोकसभा आम चुनाव 2024 अंतर्गत पांचवा चरण, छठा चरण एवं सातवां चरण का मतदान क्रमशः 20 मई, 25 मई व 1 जून को निर्धारित है। उक्त निर्धारित मतदान तिथियों के लिए अन्य जिलों में चुनाव कार्य में संलग्न पदाधिकारी/कर्मी तथा आवश्यक सेवा में संलग्न कर्मियों को डाक मतपत्र से मतदान कराया जाना है। जिले में ऐसे कई मतदाता है जो चुनाव कार्य में जिले में कार्यरत है लेकिन वो दूसरे लोकसभा क्षेत्र के मतदाता है उन्हीं मतदाताओं के मद्देनजर दिनांक 17 मई को समाहरणालय के द्वितीय तल, पुलिस लाइन मेदिनीनगर व समादेष्टा झा.स.पु:8 में चतरा, कोडरमा व हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के लिये मतदान करवाया गया इसी क्रम में इन स्थानों पर शनिवार को भी मतदान कराया गया। इसी तरह 22 व 23 मई को इन्हीं स्थानों पर गिरिडीह, धनबाद, रांची व जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के लिये मतदान कराया जायेगा। वहीं 29 व 30 मई को राजमहल, दुमका व गोड्डा लोकसभा क्षेत्र के लिये मतदान की व्यवस्था रहेगी।

20 मई को आप सब की बारी : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि रंजन ने कहा कि जो लोग चुनाव कार्य में जुड़े हैं या आवश्यक सेवाओं में है या दिव्यंजन जो मतदान केंद्र पर चलकर नहीं आ सकते या 85 से अधिक आयु के हैं उन सभी से पोस्टल बैलट के माध्यम से मतदान करवाया जा रहा है। कोइ भी योग्य मतदाता मतदान करने से वंचित न रहे, इस दिशा में निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में यह मतदान करवाए जा रहे हैं। ऐसे में आप सबकी बारी 20 मई है अतः आगामी सोमवार को पांकी विधानसभा अंतर्गत अपने बूथ पर जाकर मतदान जरूर करें।

कोइ भी योग्य मतदाता मतदान करने से वंचित न रहे, इस दिशा में निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में यह मतदान करवाए जा रहे हैं

आजसू छात्र संघ ने किया दौरा

मेदिनीनगर। चतरा लोकसभा में एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में आजसू छात्र संघ ने युवाओं को गोलबंद करने के लिए कई क्षेत्रों का दौरा किया। अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर युवाओं को एनडीए के पक्ष में मतदान करने हेतु आग्रह किया गया। इस दौरान आजसू छात्र संघ के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान चतरा लोकसभा में पुनः एनडीए का परचम लहराने पर जोर दिया गया ताकि मोदी जी के हाथो को मजबूत किया जा सके और विकसित भारत का संकल्प पूरा हो। सभी प्रखंड के आजसू छात्र संघ के पदाधिकारियों को एनडीए प्रत्याशी कालीचरण सिंह के पक्ष में युवाओ का मतदान कराने हेतु दिशा निर्देश दिया गया। आजसू छात्र नेता अभिषेक राज ने कहा की चतरा लोकसभा समेत राज्य के सभी सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित कराने में युवा लगे हुए है। इसी कड़ी में हम एनडीए के साथ गठबंधन धर्म निभाते हुए एनडीए के समर्थन में गोलबंद हैं।

बेलगाम रिक्शा चालक के कारण लाल बाबू की हुई मौत : शर्मिला वर्मा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। वार्ड पार्षद लाल बाबू की असामयिक मौत और ऐसी अन्य घटनाओं से व्यथित वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की सचिव व चर्चित समाजसेवी शर्मिला वर्मा ने पलामू उपायुक्त और परिवहन विभाग से ई- रिक्शा /टैंपो के बेतरतीब परिचालन पर रोक लगाने की मांग की है। आपको बता दें कि 13 मई दिन शनिवार को सड़क किनारे खड़े पूर्व वार्ड पार्षद लाल बाबू पर बेलगाम ई-रिक्शा पलट गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और रांची में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पहले ही अपने अन्य भाईयों को गंवा चुके स्वर्गीय लाल बाबू पर ही पूरे परिवार की जिम्मेदारी थी। परिवार की सभी महिलाओ और बच्चों के वे इकलौते अभिभावक थे। उनके न रहने से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। और यह सब एक लापरवाह ई- रिक्शा चालक की वजह से हुआ है। लापरवाह ई रिक्शा चालक को यथाशीघ्र पकड़कर दंडित किया जाए और शहर में बेलगाम ई- रिक्शा / टैंपो चालकों पर नकेल कसी जाए। वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की सचिव शर्मिला वर्मा ने कहा की ये कहीं से भी अचानक कट मारते हुए, बिना हॉर्न बजाए घुस जाते हैं जिससे सड़क पर चलने वाले और लोग अनियंत्रित हो जाते हैं और कई बार लड़खड़ा कर गिर पड़ते हैं। जिससे उनके जान माल की क्षति होती है। पलामू परिवहन विभाग और उपायुक्त से शर्मिला वर्मा ने गुहार लगाई है की इस मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए शीघ्र कोई उपयुक्त कदम उठाएं।

एक नजर

बृजनाथ सिंह इंटर कॉलेज का 98.8 प्रतिशत हुआ रिजल्ट

केतार। केतार प्रखंड के बलिगढ़ गांव स्थित बृजनाथ सिंह इंटर कालेज का ग्यारवीं बोर्ड का रिजल्ट 98.8 प्रतिशत आया है। इस कालेज से तीनों संकाय विज्ञान, कला और वाणिज्य विषय का 158 छात्रों ने परीक्षा दी थी। इसमें 154 छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। विज्ञान विषय में कौननजया ने कालेज में प्रथम स्थान प्राप्त की है। जबकि कला विषय में अर्पना कुमारी कालेज में प्रथम स्थान प्राप्त की है ।वहीं वाणिज्य विषय में श्रूति कुमारी कालेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

पिकअप और बाइक की टक्कर में एक की मौत, एक घायल

गढ़वा। रमना थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन मोड़ के पास पिकअप और मोटरसाइकिल के टक्कर में मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। वही एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक का पहचान मेराल थाना क्षेत्र के पतरिया गांव निवासी महेशी वियार का पुत्र योगेन्द्र वियार के रूप में हुई है। वहीं घायल का पहचान कांडी थाना क्षेत्र के शिवरी गांव निवासी अमेरिका बैठा का पुत्र अवधेश बैठा के रूप में हुई है। बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। दोनों को 108 एंबुलेंस से सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने योगेन्द्र को रांची रेफर कर दिया। परिजनों ने रांची ले जा रहे थे। उसी दौरान रंका मोड़ पर योगेन्द्र की मौत हो गई।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में तीन लोग हुए घायल

गढ़वा। रंका मार्ग पर शनिवार को गुलरिया ढोडा के पास मोटरसाइकिल दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गया। घायलों में पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के करसो गांव निवासी अर्जुन विश्वकर्मा के पुत्र सत्येंद्र कुमार विश्वकर्मा उसका दोस्त राहुल कुमार एवं संदीप कुमार शामिल है। उसमे सत्येंद्र कुमार विश्वकर्मा को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में सत्येंद्र कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर रंका बाजार आया हुआ था। उसी दौरान अपने दोस्तों के साथ गढ़वा किसी काम से आ रहा था ।इसी क्रम में गुलरिया ढोरा के पास उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

शादी का झांसा देकर युवती का किया यौन शोषण

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के बनसानी गांव की पारो देवी नामक विवाहिता महिला ने चपरी गांव निवासी सूरज विश्वकर्मा पर शादी का झांसा देखकर तीन माह तक यौन शोषण का आरोप लगाते हुए थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई है। महिला के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिक की दर्ज करते हुए महिला को मेडिकल जांच के लिए गढ़वा भेजा है।

घर में अगलगी से लाखों की संपत्ति जलकर हुई राख

गढ़वा। कांडी

कांडी-थाना क्षेत्र के सुंडीपुर गांव में अगलगी की एक घटना में पांच व्यक्ति का घर जल कर राख हो गया। घटना शनिवार साढ़े ग्यारह बजे दिन की है। आग कैसे लगी कारण अज्ञात है। इस अगलगी की घटना में गौतम शर्मा, प्रेमचंद शर्मा , सुभाष शर्मा, कुणाल शर्मा व संतोष शर्मा सभी पिता प्रभु दयाल ठाकुर का घर जलकर राख हो गया। इस घटना में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने लगभग आधा दर्जन बिजली मोटर चलाकर बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। आग बुझाने में छोटे बड़े सैकड़ों लोग लग गए। गनीमत यही थी कि उस समय बिजली थी जिससे बिजली मोटर चल सका। उस समय हवा भी बंद थी। नहीं तो दर्जनों घर आग के चपेट में आ सकता था। पीड़ित परिवार ने बताया कि इस घटना में घर में रखे 4 लाख का गहना, कपड़ा, अनाज, ट्रंक बक्सा ,खपड़ा बांस लकड़ी सहित लगभग 10 लाख की संपत्ति जल कर राख हो गया। पीड़ित ने अंचल कार्यालय व थाना को आवेदन देकर नुकसान का जांच कर उचित मुआवजा की मांग की है। गड़ा खुर्द पंचायत मुखिया प्रतिनिधि नीरज सिंह ने घटना स्थल पर पहुंच कर पीड़ित परिवार से मिलकर हर सम्भव मदद करने का आश्वासन दिया। उधर जिला पार्षद प्रतिनिधि दिनेश कुमार ने भी पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग प्रशासन से किया है ।घटना की सूचना पाकर सीओ मोहम्मद आफताब आलम ने राजस्व कर्मचारी गणेश चौधरी को घटना स्थल पर भेज कर नुकशान का आकलन किए। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को सरकारी प्रावधान के तहत उचित मुआवजा मिलेगा।

अगलगी में जले घर को दिखाता पीड़ित परिवार।

खरौंधी में मारपीट करने के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

खरौंधी(गढ़वा)। थाना क्षेत्र के अमरोरा में दो बैल लेकर नगरउंटारी बाजार जा रहे झुरीबांध के एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने के मामले मे पुलिस ने शनिवार को एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबध में शनिवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र नारायण सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए कहा शुक्रवार को झुरीबांध निवासी पीड़ित सरस्वती राम अमरोरा के चिनियाहि टोला के रास्ते दो बैलों को लेकर नगरउंटारी के मार्केट में बेचने जा रहा था। जहां चिंनियाही पहाड़ी के समीप एक मोटरसाईकिल पर सवार तीन व्यक्ति राहुल दुबे, राजेश दुबे व काशीनाथ भुइयां जो अमरोरा गांव के हैं। अचानक आकर सरस्वती राम के साथ लाठी-डंडो से मारपीट करने लगे। साथ ही रस्सी बांधकर मोटर साइकिल से घसीकर बुरी तरह से घायल कर दिया। घटना की सूचना पर खरौंधी पुलिस अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर घायल व्यक्ति को प्राथमिक ईलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल नगरउंटारी में भर्ती कराया। जिसके बाद घायल व्यक्ति के बयान के आधार पर खरौंधी थाना एसएससी-एसटी एक्ट के साथ केश दर्ज करते हुए पुलिस अधीक्षक गढ़वा के निर्देश पर व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर खरौंधी पुलिस ने प्राथमिकी अभियुक्तों के गिरफ्तारी हेतु छापामारी दल का गठन किया। जिसके बाद हुई छापेमारी में एक प्राथमिक अभियुक्त काशीनाथ भुईंया को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया गया व अन्य दों प्राथमिकी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है। इधर पत्रकारों ने खरौंधी प्रखंड के रास्ते धड़ल्ले से हो रही पशु तस्करी के बारे में जानकारी देते हुए एसडीपीओ से सवाल पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि अगर ऐसा है तो इसकी जांच की जाएगी और इसके विरुद्ध कठोर कानूनी कारवाई की जाएगी। उक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी उपस्थित थे।

प्रखंड में पशु तस्करी जोरों पर

वहीं भाजपा नेता सह सूंडी मुखिया प्रतिनिधि राजा सिंह ने कहा प्रखंड से बड़े पैमाने पर धड़ल्ले से गोवंशों की तस्करी हो रही है। आए दिन सोन नदी से प्रखंड में प्रवेश कर खरौंधी प्रखंड के रास्ते गोवंशों को ले जाते तस्तकरों को सहज ही देखा जा रहा है। प्रखंड के खरौंधी, राजी, सुंडी, करीवाडीह पंचायत से होते हुए खोखा से लेकर परती के बीच में गोतस्कर बे रोक-टोक के सक्रिय हैं। चुनाव के वजह से 15 दिन यह सब बंद थे। लेकिन चुनाव समाप्त होते ही गोतस्कर फिर परसों रात से सोन नदी पार खरौंधी प्रखंड के रास्ते गोवंशो को ले जाना शुरू कर दिए हैं।

चार माह से नहीं मिली है वृद्धों को पेंशन, बीडीसी से की शिकायत

नवीन मेल संवाददाता। भवनाथपुर

भवनाथपुर पंचायत समिति सदस्य चन्दन कुमार ठाकुर को क्षेत्र भ्रमण के दौरान भवनाथपुर के राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना के लभूकों ने अपनी पीड़ा सुनाते हुए बताया कि हम लोगों को 4माह से पेंशन नहीं मिल रहा है। पेंशन नहीं मिलने से आर्थिक परेशानी हो गई है , हम लोग दवा भी नहीं खरीद पा रहे हैं। उपस्थिति वृद्ध जनों को पंचायत समिति सदस्य चन्दन ने आश्वस्त करते हुए कहा कि मामले से अधिकारियों को अवगत कराते हुए आप सभी को बकाया पेंशन जल्द दिलवाने का प्रयास करेंगे।

वृद्ध जनों के समस्याओं को सुनने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए पंचायत समिति सदस्य चन्दन कुमार ठाकुर ने उपायुक्त गढ़वा को पत्राचार करते हुए भवनाथपुर प्रखण्ड के राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना के लाभूकों का बकाया पेंशन भुक्तान कराने का मांग किया है। पत्र में पंसस ने लिखा है कि पेंशन नहीं मिलने से वृद्ध जनों को काफी परेशान का सामना करना पड़ रहा है। कई वृद्ध पेंशन के अभाव में दवा भी नहीं खरीद पा रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए वृद्धों को बकाया पेंशन भुक्तान करा जाए।

पंचायत समिति सदस्य से शिकायत करने वालों में मखोला कुंवर, शिवबाशो देवी, सन्मति देवी, चमेली कुंवर,उषा देवी, मुखलाल ठाकुर, सिकंदर पासवान, भिखु राम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

14 वर्षों से भी अधिक समय से खाली पड़ा है खाद्यान्न गोदाम

नवीन मेल संवाददाता। डंडाई

प्रखंड कार्यालय परिसर में बना भारतीय खाद्य निगम विभाग का गोदाम सिर्फ और सिर्फ हाथी का दांत साबित हो रहा है ।100 मेट्रिक टन क्षमता का उक्त गोदाम को बने 14 वर्षों से भी अधिक दिन का समय बीत गया लेकिन अभी तक उसमें छटाक भर भी एफसीआई का खाद्यान्न नहीं रख सका। बताया जाता है कि प्रखंड भर के जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों की समस्या को ध्यान में रखकर राज्य सरकार की ओर से वर्ष 2010 में गोदाम का निर्माण कराया गया था । लेकिन विभागीय पदाधिकारीयों की उदासीनता के कारण प्रखंड क्षेत्र के दुकानदारों को मेराल गोदाम से आज तक छुटकारा नही मिल सका । साथ ही आज तक उन्हें डंडाई गोदाम से खाद्यान्न उठाव करने का नसीब नहीं हो सका । नतीजन दुकानदारों की जो आदिकाल की परंपरा थी मेराल गोदाम से खाद्यान्न का उठाव कर लाभुकों के बीच वितरण करने का उसी परंपरा के तहत वे सभी अभी तक उसी गोदाम से खाद्यान्न का उठाव कर प्रखंड भर के लाभुकों के बीच खाद्यान्न वितरण करने का काम करते आ रहे हैं । मामले में प्रखंड के ग्रामीणों का कहना है कि

किसी भी तरह का नया व्यवसाय का संचालन होने से जहां स्थानीय मजदूरों को काफी फायदा होता है वही उससे कई गुना ज्यादा फायदा संबंधित व्यक्तियों को होता है । साथ ही कहा कि जिले के हर प्रखंड के जनवितरण दुकानदार प्रत्येक माह आपने अपने प्रखंड के गोदाम से खाद्यान्न का उठाव करते हैं । लेकिन जिले का सिर्फ डंडाई ही एक ऐसा प्रखंड है जहां पर गोदाम रहते हुए भी प्रखंड के दुकानदारों को वहां के बजाय दूसरे प्रखंड के गोदाम से खाद्यान्न का उठाव करना पड़ता है । वहीं उन्होंने कहा कि प्रखंड के दुकानदारों को अगर अपने प्रखंड से खाद्य मिलता तो वर हर बार नियमित समय पर लाभुकों के बीच खाद्यान्न का वितरण जरूर किया करते ।

कल्याण गुरुकुल से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सात छात्रों को हैदराबाद की कंपनी में मिली नौकारी

नवीन मेल संवाददाता। भवनाथपुर

प्रखंड के झगड़ाखाड स्थित कल्याण गुरुकुल से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 07 छात्रों को हैदराबाद के शाहपुर जी पालन कंपनी में नौकरी मुहैया कराई है। गुरुकुल में आयोजित विशेष आयोजन में छात्रों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण एवं इलेक्ट्रीशियन सेट अप का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एरिया मैनेजर पदाधिकारी अंशू सोनी, दीपक कुमार प्राचार्य बृजकिशोर ने नियुक्ति पत्र दिया। इस मौके पर एरिया मैनेजर अंशु सोनी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रो में रहने वालो युवक जो कम पढ़े लिखें है, उन्हें भी हुनरमंद और दक्ष बनाना है ।कम पढ़े लिखें बच्चों में भी काफी क्षमता होती है ।गुरुकुल के कई छात्र प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार पा चुके है। उनकी अर्थिक स्थिति भी अब पहले से बेहतर हो गई है। उन्होंने सभी बच्चों को

उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए छात्रों से ईमानदारी से कम करते हुए राज्य का नाम रोशन करने का आग्रह किया। कल्याण गुरुकुल के प्राचार्य बृज किशोर ने बताया कि यह 40वां बैच है जो प्रशिक्षण प्राप्त कर बाहर जा रहे हैं,अब तक इस गुरुकुल से प्रशिक्षण प्राप्त कर 1214छात्र दूसरे राज्य में काम कर रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र के अन्य युवाओं से भी कल्याण गुरुकुल से जुड़ने की अपील की और कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में युवक प्रशिक्षित होंगे, तो बेरोजगारी कम होगी। कहा कि इलेक्ट्रीशियन सेटअप का उद्घाटन हो चुका हैजो भी एडमिशन लेना चाहते हैं 20 मई में तक एडमिशन ले सकते हैं।

नए फीचर और बेहतरीन माइलेज के साथ मारुति की जेड सीरीज कार की हुई लांचिंग

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

भारत की सबसे बड़ी कार निमार्ता कंपनी मारुति सुजुकी ने लंबे समय के इंतजार के बाद ग्राहकों के लिए न्यू जनरेशन की 2024 स्विफ्ट कार लॉन्च कर दी है। इसके बाद शहर के इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के समीप प्रेमसंस मोटर के स्थानीय मारुति सुजुकी शोरूम में ग्राहकों के खरीदारी के लिए मारुति के न्यू स्विफ्ट जेड सीरीज कार 2024 का शुक्रवार को लॉन्चिंग किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा पाल्हे कलां के शाखा प्रबंधक रंजीत कुमार पांडेय, कैनरा बैंक के शाखा प्रबंधक आकाश गौरव, बैंक ऑफ इंडिया के सहायक महाप्रबंधक अविनाश नारायण एवं चोला मंडलम के ब्रांच मैनेजर संदीप कुमार ने संयुक्त रूप से केक

काटकर तथा न्यू स्विफ्ट कर का पर्दा हटाकर किया। तत्पश्चात प्रेमसंस मोटर के सेल्स मैनेजर अमर कुमार गुप्ता एवं टीम लीडर सुमित कुमार ने सभी अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया। मौके पर मुख्य अतिथि रंजीत कुमार पांडे ने कहा कि श्री बंशीधर नगर जैसे छोटे शहर में प्रेमसंस मोटर का मारुति शोरूम खुलना बहुत खुशी की बात है। यहां के लोगों को मारुति का कोई भी गाड़ी खरीदने के लिए रांची जाना पड़ता था लेकिन अपने शहर में उपलब्ध होने लगा। इससे लोगों को आने जाने में परेशानियों से निजात मिलेगी।

लॉन्चिंग के बाद गाड़ी की विशेषता बताते हुए सेल्स मैनेजर अमर कुमार गुप्ता ने बताया कि न्यू स्विफ्ट मारुति सुजुकी जेड सीरीज 2024 न्यू वर्जन की गाड़ी आई है। इसकी खरीदारी के लिए अब ग्राहकों को जिले से बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

एएनएम पर लगा इलाज के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अक्रोशित 20 सूत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक, मुखिया पति शिवकुमार यादव व अन्य।

खरौंधी(गढ़वा):- शनिवार को 20 सूत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक ने अरंगी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इसी क्रम में 20 सूत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक ने बताया अरंगी, तोरेलावा तथा सेमरवा के प्रवेज अंसारी, जलीलअली अंसारी, कुर्बान अंसारी सहित दर्जनों ग्रामीणों ने अरंगी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के एएनएम सविता कुमारी तथा पति कमलेश प्रसाद पर इलाज करने के एवज में फोन पे से पैसा लेने का आरोप लगाकर आवेदन दिया था। ग्रामीण अकसर बताते थे कि अरंगी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत एएनएम सविता कुमारी ने जच्चा बच्चा कार्ड, टीकाकरण, दवा एवं प्रसव कराने के बदले तीन से चार हजार रुपए बतौर रिश्वत ले रही है। शनिवार को मैं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अरंगी पहुंचकर मामले का जांच किया। जांच में एएनएम सविता कुमारी जच्चा बच्चा कार्ड बनाने, टीकाकरण, दवा एवं प्रसव के बदले तीन से चार हजार रुपए पति कमलेश प्रसाद के फोन पे से ली है। जो सरासर गलत है। इसकी जानकारी भवनाथपुर चिकित्सा पदाधिकारी रंजन दास तथा गढ़वा सीएस अशोक कुमार को दे दिया हूं। साथ ही बताया जल्द गढ़वा उपायुक्त तथा प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मिलकर कार्रवाई की मांग करेंगे।

वही उपस्थित प्रवेज अंसारी ने बताया जब-जब बच्चों तथा पत्नी को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाए हैं तब तब एएनएम सविता कुमारी पैसा ली है। पैसा एएनएम के पति कमलेश प्रसाद के फोन पे में दिए है।

राजकरण राम ने बताया कुछ दिन पूर्व 12 बजे रात को गांव के ही विंध्याचल राम के पतोहू को डिलेवरी के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाए थे। रात में दरवाजा खोलवाने लगे तो एएनएम सविता कुमारी दरवाजा नहीं खोली और बोली पहले का एक हजार रुपए बकाया है। अभी तक तुमलोग नही दिए हो इलाज नहीं करेंगे। इसे लेकर बाहर चले जाओ। बाद में उस महिला को बाहर लेकर गए।

एक महिला सरोजा देवी ने बताया बेटी का तबियत खराब था इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अरंगी लेकर आए एएनएम सविता कुमारी इलाज के बाद 5 रुपए ली। स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर दूसरा बार लेकर आए तो एक हजार रूपए ली। स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ तो अंत में श्रीवंशीधर ले करके गए। वहां इलाज से ठीक हुआ। दर्जनों ग्रामीणों ने उपायुक्त तथा सीएस से ऐसे एएनएम सविता कुमारी तथा उसके पति कमलेश प्रसाद पर कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में एएनएम सविता कुमारी कुछ भी बोलने से बचती रही। इस दौरान मुखिया पति शिवकुमार यादव, श्याम सुंदर राम, लियाकत अंसारी, विनोद राम, धर्मेंद्र गौतम सहित दर्जनों महिला पुरुष उपस्थित थी।

▶ पक्ष

एएनएम का शिकायत दूरभाष पर लोगो ने दिया है। इसकी जांच करते हुए उक्त एएनएम से स्पष्टीकरण की मांग किया जायेगा। स्पष्टीकरण संतोष जनक नही रहने पर कार्रवाई की जाएगी।

पथ निर्माण में निम्न स्तर की सामग्री के प्रयोग के खिलाफ ग्रामीणों किया हंगामा

नवीन मेल संवाददाता। धुरकी

धुरकी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गनियारीकला पंचायत से लेकर मीरचइया गांव तक मुख्यमंत्री सड़क योजना से नव निर्माण हो रहे कालीकरण मे ठेकेदार के द्वारा घटिया पत्थर व निम्न स्तर का गिटी सीमेंट मैटेरियल का प्रयोग होता देखकर ग्रामीणो ने शनिवार को जमकर हंगामा किया है। सड़क निर्माण करा रहे ठेकेदार के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणो ने गनियारीकला पंचायत अंतर्गत डारी टोला मे जमकर हंगामा करते हुए ठेकेदार और मुंशी का भी विरोध किया है। स्थानीय ग्रामीण लक्ष्मण सिंह मनिष तुरिया असगर अंसारी रामचंद्र सिंह देवराज सिंह विफे सिंह सहित दर्जनों ग्रामीणो ने नारेबाजी करते हुए ठेकेदार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई व कार्य करा रहे मुंशी की दादागिरी से क्षुब्ध होकर ग्रामीणो ने मुंशी पर दादागिरी करने का भी आरोप लगाया है। उपरोक्त ग्रामीणो ने कहा की गनियारीकला गांव आदिवासी बाहुल्य है, वहीं आजादी के बाद इस सड़क का पहलीबार कालीकरण किया जा रहा है। ग्रामीणो ने हंगामा करते हुए कहा की इस सड़क सबसे पहले सुदृढ़ीकरण करने के बाद कालीकरण करना है, लेकिन ठेकेदार अपनी मनमानी करते हुए जैसे-तैसे बिना चौड़ाई के और बिना मिट्टी डाले काम करा रहा है।

न्यूज बॉक्स

बूढ़ीखाड़ गांव में हुई मारपीट, एक घायल

गढ़वा। मंझिआव थाना क्षेत्र के बूढ़ीखाड़ गांव में हुई मारपीट में एक महिला घायल हो गई। घायल महिला का पहचान राजेंद्र यादव की पत्नी कमला देवी के रूप में हुई है। घायल कमला को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि कमला के देवर महेंद्र यादव और उसकी पत्नी गंगाजल देवी ने घर के दीवाल बटवारा को लेकर मारपीट की। स्थानीय लोगों की मदद से कमल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मोबाइल सॉल्यूशन की टीम ने जीती वॉलीबॉल प्रतियोगिता

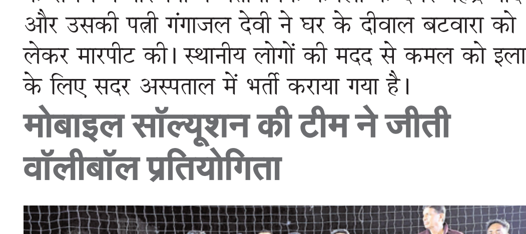

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत क्षेत्र के अहिपुरवा शनि देव मंदिर के प्रांगण में श्री शनि देव धर्मार्थ आश्रम वॉलीबॉल क्लब के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच मोबाइल सॉल्यूशन की टीम ने 2-1 की सेट से जीत कर ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। वही भवनाथपुर बनसानी की टीम उपविजेता रही। फाइनल मुकाबले के साथ दो दिवसीय टूनामेंट का समापन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वॉलीबॉल के नेशनल कोच अरुण तिवारी एवं फुटबॉल संघ के पूर्व सचिव जियाउद्दीन अंसारी ने विजेता व उपविजेता टीम को शील्ड कप व मेडल देकर सम्मानित किया। साथ ही विजेता टीम मोबाइल सॉल्यूशन को 5100 एवं उपविजेता टीम वनसनी को 2100 की नगद राशि दी। मौके पर मुख्य अतिथि अरुण तिवारी ने खिलाड़ियों का उत्सवर्धन करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेल सिर्फ शारीरिक व्यायाम ही नहीं, बल्कि आपसी प्रेम और भाईचारे का पैगाम भी देता है। इस तरह से ग्रामीण क्षेत्रों में खेल होने से क्षेत्रीय खिलाड़ियों को अपनी दक्षता दर्शकों के सामने दिखने का अवसर मिलता है। जिसमें वनसनी और मोबाइल सॉल्यूशन की टीम ने दो एक की सेट से मैच को जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश की। सेमीफाइनल का पहला मैच नगर उंटारी बनाम बनसानी के बीच खेला गया। जिसमें बनसानी की टीम ने नगर उंटारी को हराकर सीधे फाइनल में प्रवेश की। दूसरा मैच नगर ऊंटारी बनाम वॉलीबॉल वॉरियर्स जंगीपुर के बीच खेला गया। जिसमें जंगीपुर की टीम ने नगर ऊंटारी को दो एक की सेट से हराकर मोबाइल सॉल्यूशन टीम से तीसरा मुकाबला खेली। मोबाइल सॉल्यूशन की टीम ने जंगीपुर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वही फाइनल मुकाबला मोबाइल सॉल्यूशन बनाम वनसानी के बीच खेला गया। इसमें मोबाइल सॉल्यूशन की टीम ने दो एक की सीट से वनसानी टीम को पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया। मैच में रेफरी की भूमिका सतीश कुमार एवं लाइनमैन वीरेंद्र उरांव घनश्याम यादव ने किया मौके पर शिक्षक कमलेश पांडे आयोजन समिति के अध्यक्ष सुभाष पासवान गुलाब पासवान अशोक कुमार शुक्ला पासवान अनुराग गिरी सतीश कुमार शुभम यादव आनंद शुक्ला नंदकिशोर चौबे राजेश रजक चंदन मेहता मनीष कुमार जयकुमार पासवान सचिन कुमार सहित अन्यलोक मौजूद थे।

दो युवतियों से छेड़खानी करना मनचलों को पड़ा भारी, ग्रामीणों ने जमकर धुनाई की

गढ़वा/भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के मकरी गांव में दो युवतियों के साथ छेड़खानी करना भारी पड़ा मनचलों को, ग्रामीणों ने जमकर धुनाई किया। मारपीट के बाद घायल मनचलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बाद पुलिस ने बुलेरो को जब्त करते हुए तिनों मनचलों को पुलिस हिरासत में थाने ले गयी। समाचार के अनुसार दोपहर एक बजे मकरी पंचायत भवन से मकरी गांव की दो युवतियां शिलाई का प्रशिक्षण कर लौट रही थी। तभी बांध के आसपास बुलेरो संख्या up64Ap 3484 पर सवार तीन युवक जिसमें जसवंत यादव,प्रिंस यादव, चंदन यादव तीनों के तार प्रखंड के चेचरीया निवासी ने उक्त युवतियों से छेड़खानी किया। तभी भवनाथपुर से मकरी अपने घर जा रहे मुखिया पति धनंजय साह से युवतियों ने घटना की जानकारी दी। मुखिया पति ने ढेकुलिया मकरी के पास बुलेरो को ओवरटेक कर रोका। तभी निशा खोलते ही धनंजय साह ने हेलमेट से बुलेरो चला रहे प्रिंस यादव पर हेलमेट से हमला कर दिया। तबतक बुलेरो में सवार चंदन यादव, प्रिंस यादव ने धनंजय साह पर हमला कर दिया, दोनों तरफ से मारपीट होने लगा जिसमें धनंजय साह को युवकों ने पिटाई कर दी। इसकी सूचना मिलते ही ग्रामीण जमा हो गए और दोनो मनचलों को जमकर धुनाई कर दिया। तबतक घटना की जानकारी पुलिस को दिया गया। थाना प्रभारी कृष्ण कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पहुंच कर सभी घायलों को अस्पताल ले गए जहां इलाज कराया गया ।बताया जाता है कि मनचले युवक शराब के नशे में चूर थे। पुलिस बुलेरो को जब्त कर तीनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि आवेदन अभी तक नहीं आया है,आते ही कारवाई किया जाएगा।

रंका में टेंपो पलटने से तीन लोग घायल

गढ़वा। गढ़वा- गोदरमाना मार्ग पर रंका के पास टेंपो पलटने से टेंपो पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में गढ़वा थाना क्षेत्र के दुबे मरहटिया गांव के बरवाही टोला निवासी निहुर उरांव का पुत्र विश्वनाथ उरांव, महेंद्र उरांव का पुत्र सुनील उरांव उर्फ छोटू और स्वर्गीय महेंद्र उरांव की पत्नी फूलकुमारी देवी शामिल है। उक्त तीनों में विश्वनाथ उरांव को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में विश्वनाथ उरांव बताया कि अपने घर से टेंपो पर आठ लोग सवार होकर भंडरिया थाना क्षेत्र के बांसखेपिया गांव अपनी भतीजी के तिलक चढ़ाने के लिए गए हुए थे। वापस लौट के दौरान चालक ने शराब के नशे मे धुत होकर टेंपो को काफी तेजी से चला रहा था।

बुजुर्ग के साथ कुछ युवकों ने की मारपीट

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के बुका निवासी रामनाथ पासवान को शुक्रवार की रात गांव के ही कुछ युवकों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल का ईलाज स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। घटना को लेकर रामनाथ पासवान ने बताया कि वह शुक्रवार को गांव के ही गया पासवान के खेत में बन रहे कूप में मजदूरी करने गया था, शाम को छुट्टी होने के बाद रात्रि करीब 8 बजे वह अपने घर वापस लौट रहा था, तभी बुका पुल के पास खड़े युवको ने उसे रोक दिया तथा उसके साथ गाली गलौज करने करने लगे, जब उसने उनका विरोध किया तो उपरोक्त युवको ने उसे लात घुंसो से जमकर पिटाई कर दी। हो हल्ला सुनकर पहुंचे ग्रामीणों को देख युवक भाग गए। मारपीट के दौरान युवको ने घायलावस्था में रामनाथ पासवान के जेब में रखा हुआ नगद 1500 रुपए भी छीनकर फरार हो गए। घटना को लेकर पीड़ित ने स्थानीय थाने में उपरोक्त युवको के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु लिखित आवेदन देने की बात कही।

एक नजर

औरंगाबाद सांसद सुशील सिंह ने भद्रकाली मंदिर में की पूजा-अर्चना

इटखोरी(चतरा)। औरंगाबाद सांसद सुशील सिंह शनिवार को इटखोरी स्थित माता भद्रकाली मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान इन्होंने सभी देवालयों में माथा टेका। इसके उपरांत श्री सिंह ने इटखोरी एवं मयूरहंड प्रखंड के दर्जनों गांवों का दौरा कर लोगों से भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान रतन शर्मा, शिवबालक सिंह, देव कुमार सिंह, कमलेश सिंह, टुन्नू सिंह समेत अन्य शामिल थे।

बारियातू में किसान गोष्ठी का आयोजन

बारियातू। प्रखंड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के समीप यूएस एग्री सिड्स के तत्वाधान में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जहाँ ट्रेटरी मैनेजर दीपक वर्मा व फिल्ड डेवलवमेंट ऑफिसर दामोदर यादव ने उपस्थित किसानों को यूएस 312 गोल्ड 362,380 व 321के पैदावार और गुणवत्ता के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दिया गया। उपरोक्त सभी धान उत्पादन के जमीन के किस्म के सम्बन्ध कहा की 312 गोल्ड दो नंबर भूमि के लिए व 362 धान एक और दो नंबर जमीन में किसानों को बेहतर उत्पादन देता है जिससे किसानों को कम लागत में बेहतर मुनाफा मिलता है। बैठक में उपस्थित दर्जनों किसान के बीच निःशुल्क धान डेमो का भी वितरण किया गया। मौके पर गंगा यादव, चिंतामनी यादव, पंचम गंझु, सहित अन्य कई प्रेरक उपस्थित थे।

खरवार भोगता विकास संघ ने की बैठक

बारियातू। प्रखंड स्थित सरना भवन परिसर में शनिवार को खरवार भोगता विकास संघ ने बैठक कर विचार विमर्श किया। बैठक में मुख्य रूप से लोक सभा चुनाव सम्बंधी चर्चा किया गया। चर्चा के दौरान बताया की खरवार भोगता विकास संघ के प्रखंड अध्यक्ष बहादुर गंझु इंडिया गठबंधन का सदस्यता ग्रहण किए हैं। उनका निजी विचार था। खरवार भोगता विकास संघ एक सामाजिक परिवर्तन का संगठन है। और बहादुर गंझु सामाजिक संगठन का नाम लेकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। समाज को व्यक्तिगत निर्णय से कोई लेना देना नहीं है। वहिष्कार करते हैं। मौके पर योगेंद्र गंझु, तेजू गंझु,अशोक गंझु, बिनोद गंझु,अशोक, गौरी शंकर सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

चंदवा के 97 मतदान केंद्रों पर 81963 मतदाता कल डालेंगे वोट

पुरुष वोटर 40811 व महिला वोटरों की संख्या 41152

नवान मेल संवाददाता

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र में शनिवार शाम चुनाव प्रचार समय समाप्त हो गया। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रत्याशियों ने जनता को अपने पक्ष में रिझाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। इधर मतदाता 20 मई को अपने नये सांसद के चुनाव के लिए वोट डालने के लिए तैयार है। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निवार्ची पदाधिकारी चंदन प्रसाद अपनी पूरी टीम के साथ सभी तैयारियां पूरी करने के लिए पूरी तन्मयता से जुटे हैं। चंदवा प्रखंड में मतदाताओं की कुल संख्या 81963 है, इनमें पुरुष मतदाता 40811 एवं महिला मतदाता 41152 हैं। प्रखंड में कुल 97 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। कुल 12 आई एस आर(क्लस्टर)बनाए गए हैं। प्रखंड में दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 349 है एवं 85 प्लस वृद्ध मतदाताओं की संख्या 553 है। दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं के लिए, सभी मतदान केंद्रों पर व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। सभी बूथों पर मतदाताओं की सहायता के लिए चार-चार वालंटियर नियुक्त किए गए हैं जिनकी उम्र 17 से 18 वर्ष की होगी, जो बीएलओ को सहयोग करेंगे। मतदान कार्य के लिए कुल 97 बीएलओ, 22 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 10 सुपरवाइजर, 12 क्लस्टर प्रभारी बनाए गए हैं। चंदवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय से 80 कर्मचारी को मतदान कार्य में प्रतिनियुक्ति किया गया हैं, जबकि प्रखंड शिक्षा विभाग की तरफ से 313 कर्मचारियों को मतदान कार्य में लगाया गया है। इस प्रकार प्रखंड में कुल 393 कर्मचारी मतदान कार्य में लगाए गए हैं। प्रखंड में शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रखंड व पुलिस प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिला प्रशासन के निर्देश पर सभी संवेदनशील एवं अति संवेदनशील बूथों पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी ताकि लोग निर्भीक होकर शांति पूर्वक मतदान कर सकें। प्रशासन ने सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील की है।

मनिका विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत 244 मतदान पदाधिकारियों व मतदान कर्मियों को मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक सामग्रियों के साथ मतदान केंद्रों पर किया गया रवाना।

65 हेली ड्रॉपिंग बूथ के लिए पीठासीन, प्रथम मतदान पदाधिकारियों को किया रवाना

लोकसभा निर्वाचन के पांचवे चरण के तहत 04 चतरा लोक सभा क्षेत्र अंतर्गत लातेहार जिला में 20 मई को होने वाले चुनाव के मद्देनजर भारत माता भवन के प्रांगण में बनाए गए डिस्पैच सेंटर से आज प्रातः 5 बजे से 65 हेली ड्रॉपिंग बूथ के लिए पीठासीन, प्रथम मतदान पदाधिकारियों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गरिमा सिंह ने मनोबल एवं उत्साहवर्धन कर शुभकामनाओं के साथ क्लस्टर हेतु रवाना किया। इसके अलावे डिस्पैच सेंटर से सभी आवश्यक सामग्रियों के साथ 13 मतदान पदाधिकारी (पीठासीन, प्रथम मतदान पदाधिकारी, द्वितीय मतदान पदाधिकारी एवं तृतीय मतदान पदाधिकारी), सेक्टर पदाधिकारी, सेक्टर पुलिस पदाधिकारी को ट्रेन से अपने-अपने निर्धारित मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया गया। 166 मतदान पदाधिकारियों व कर्मियों को अन्य वाहनों के माध्यम से रवाना किया गया। मनिका विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत कुल 244 मतदान पदाधिकारियों व मतदान कर्मियों को मतदान प्रक्रिया संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक सामग्रियों के साथ मतदान केंद्रों पर रवाना किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने मतदान कर्मियों को उपलब्ध कराई जा रही सामग्रियों व अन्य कार्यों का जायजा लिया। उपायुक्त ने मतदान कर्मियों को संबंधित पोलिंग पार्टी एवं पुलिस के जवानों के साथ समन्वय स्थापित कर मतदान कार्यों का सफल संचालन सुनिश्चित करने की बात कही। साथ ही उन्होंने बताया कि सभी मतदान कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था के साथ कलस्टरों में भोजन, पानी, शौचालय, निर्बाध बिजली की व्यवस्था एवं कलस्टरों में चिकित्सीय दल की भी प्रतिनियुक्ति की गई है।

न्यूज | बॉक्स

देश में पांचवें और झारखंड में दूसरे चरण के मतदान के लिए थम गया प्रचार

लातेहार। लोकसभा चुनाव 2024 का देश में पांचवें चरण एवं झारखंड राज्य में द्वितीय चरण का मतदान आगामी 20 मई को होना है। जिसको लेकर चतरा संसदीय क्षेत्र के लातेहार जिला में तैयारी पूरी कर ली गई है मतदान कर्मी जिला निर्वाचित पदाधिकारी गरिमा सिंह एवं एसपी अंजनी अंजन के सकुशल नेतृत्व में मतदान कर्मी शनिवार से ही बूथ सेंटर के लिए रवाना कर दिए गए हैं । बता दे की चुनाव आयोग द्वारा नियम संगत लाउडस्पीकर के माध्यम से होने वाली चुनाव का प्रचार प्रसार आज शनिवार को शाम से थम गया है। अगले दिनो 20 मई को मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। बता दें कि चतरा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत कुल 22 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं जिनका भाग्य आगामी 20 मई को मतदाता तय करेंगे। कौन वह उम्मीदवार होगा जिनको लातेहार - चतरा संसदीय क्षेत्र की जनता बहुमत देकर उन्हें विजय बना दिल्ली भेजेगा।

पचफेड़ी टोला में सब्जी तोड़ रही महिला को सांप ने डसा, मौत

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय से सटे चेताग ग्राम अंतर्गत शुक्रवार को पचफेड़ी टोला में खेत में लगी सब्जी की फसल तोड़ रही महिला की सर्पदंश के कारण मौत हो गई। जिस महिला की पहचान टोला निवासी सुनील उरांव की पत्नी विक्टोरिया उरांव के रूप में हुई है। हालांकि परिजनों द्वारा उसे गंभीर अवस्था में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया, जहां पर प्राथमिक उपचार के दौरान मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार उक्त महिला अपने खेतों में लगी भिंडी की फसल को तोड़ रही थी कि ईसी दौरान किसी विषैले सांप में उसे डस लिया जिस कारण वह मूर्छित होकर अचेता अवस्था में खेत में ही गिर पड़ी। मृतक महिला के तीन पुत्र हैं इधर इस घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

This may be published in Newspapers and TV form the day following the last date forwithdrawal of candidature and upto two days before the date of poll

Format C-1
(for candidate to publish in Newspapers, TV)

Declaration about criminal cases

(As per the judgment dated 25th September 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No.536 of 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs Union of India & Anr.)
Name and address of Candidate:______________
Political Party: **INDEPENDANT**
(Independent candidates should write "Independent" here)
Name of Election : **LOKSABHA-2024**
*Name of Constituency: **CHATRA**
I **VIKRANT KUMAR SINGH**, a candidate for the abovementioned election, declare for public Information the following details about my criminal antecedents:

(A) Pending criminal cases

Sl.no.	Name of Court	Case No. and Dated	Status of case(s)	Section of Acts concerned and brief descripiton of offence(s)
1	CJM Latehar	Case no. 43/2023 Complain	Pending	Latehar has Surrendered before the court on 15/03/2024 and enlarged on bail.
2	CJM Latehar	Case no. 37/2022 Complain	Pending	Police bail herhand

(B) Details about cases of conviction for criminal offences

Sl.no.	Name of Court & date(s) of orde!r(s)	Description of offence(s) & punishement imposed	Maximum Punishment Imposed

*In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mentionthe election concerned in palce of name of constituency.

रास सदस्य ने महुआडांड़ की आधा दर्जन पंचायतों का तूफानी दौरा कर भाजपा के पक्ष में मांगा वोट

भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह को जिताने का किया आह्वान

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड। राज्यसभा सदस्य सह जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने शुक्रवार को महुआडांड प्रखंड के आधा दर्जन पंचायतों का तुफानी दौरा कर चतरा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के पक्ष में वोट मांगा। महुआडांड के विभिन्न क्षेत्रों के दौरा के क्रम में समीर उरांव ने महुआडांड प्रखंड के नेतरहाट, सोहर, हामी, ओरसा, दुरूप, महुआडांड व अम्बवाटोली पंचायत के दर्जनों ग्रामों का दौरा कर ग्रामीणों संग जनसंवाद किया। श्री समीर उरांव ने कहा कि भाजपा सरकार दस वर्षो में कई जन समस्याओं का समाधान किया है। मोदी सरकार ने सड़क, बिजली, पानी की समस्या दूर करते हुए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण, अन्न योजना, आयुष्मान कार्ड, उज्जवला योजना, किसान सम्मान योजना, अंत्योदय योजना, उजाला योजना सहित दर्जनों योजनाएं धरातल पर उतारकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किये हैं। मोदी सरकार 10 वर्षो में भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने का सफल प्रयास किया है। इसलिए इस बार फिर मोदी सरकार को अपना मत देकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। इससे पूर्व महुआडांड पहुंचने पर भाजपा कार्यकत्ताओं ने समीर उरांव को फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। मौके पर मनिका विधान सभा के भाजपा कोर कमेटी के सदस्य भुवनेश्वर सिंह, संजय जायसवाल, मंडल अध्यक्ष शंभू प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष भानू प्रसाद, मंडल महामंत्री जमुना प्रसाद, आदि समेत काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्त्ता साथ साथ थे।

कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने किया रोड शो वोट देने की अपील की

बरवाडीह। चतरा लोक सभा क्षेत्र के महागठबंधन कांग्रेस प्रत्याशी कृष्णानंद त्रिपाठी ने शुक्रवार शाम प्रखंड के गड़वाटांड़ मैदान से गठबंधन दलों के साथ रोड शो किया। रोड शो गड़वाटांड़ से निकल कर आदर्श नगर, मुख्य बाजार होते हुए आंबेडकर चौक, बस स्टैंड होते हुई प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर लोगों से कांग्रेस के पक्ष में वोट देने की अपील किया। के एन त्रिपाठी के रोड शो में कांग्रेस, राजद, जेएमएम, माले समेत गठबंधन दल के अन्य सहयोगी साथ थे। केएन त्रिपाठी ने इससे पूर्व बैठक कर देश की हालात बदलने के लिए कांग्रेस प्रत्याशी को 20मई को होने वाली चुनाव में वोट देने की अपील किया।

बिना नक्शा के निर्माण व जाति प्रमाण पत्र नहीं देने पर नहीं मिलेगी अबुआ आवास की दूसरी किस्त : शशि पूनम कुजूर

नवीन मेल संवाददाता

बारियातु। प्रखंड क्षेत्र के डाढा पंचायत के ग्राम पुकचु व टोला करमाही मे प्रखण्ड आवास कॉर्डिनेटर शशि पूनम कुजूर ने अबुआ आवास के निर्माण कार्य का निरिक्षण किया। इस दौरान लाभुक उर्मिला देवी पति सीबदेव उरांव जसिन्ता देवी पति वकिल उरांव प्रमिला देवी पति किशोर यादव के आवास निर्माण कार्य का निरीक्षण किया लाभुकों को कई आवश्यक निर्देश दिये। आवास कॉर्डिनेटर शशि पूनम कुजूर ने अबुआ आवास के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि अबुआ आवास के लाभुकों को जाति प्रमाण पत्र देना जरूरी है। साथ ही अबुआ आवास का निर्माण विभाग द्वारा जारी किये गये नक्शा के हिसाब के ही करना है। अबुआ आवास के लाभुको के द्वारा जाति प्रमाण पत्र नही जमा करने व जारी नक्शा के मुताबिक अबुआ आवास का निर्माण नही करने के स्थिति मे, लाभुकों को दुसरे किस्त की राशि रोक दिया जायेगा। आगे उन्होंने कहा कि लाभुक द्वारा आवास निर्माण में अनियमितता बरतने पर उनका आवास का जियो टेग नही किया जाएगा। अगर जियोटेग करके सबमीट किया भी जाएगा तो वह रिजेक्ट हो जायेगा। इस लिए नक्शा के हिसाब से आवास निर्माण व जाति प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है।मौके पर पंचायत सचिव राम लखन यादव व लाभुक मौजूद रहे।

जलमीनार बना हाथी का दांत, पानी के लिए पानी-पानी हो रहे दौना के ग्रामीण

अति नक्सल क्षेत्र के दौना गांव में लोग दूषित पानी पीने को मजबूर

दो किमी दूर से ग्रामीण लाते हैं पीने का पानी

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। प्रखंड के दुरूप पंचायत का दौना गाँव जो अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहा है। वहां के ग्रामीण आज भी नदी का दूषित पानी पीने को विवश हैं। गाँव में नल जल मिशन के तहत जलमीनार का ढांचा स्वरुप तैयार कर ठेकेदार द्वारा माल ढकार लिया गया। साथ ही संवेदक द्वारा जनसंख्या के आधार पर पानी टंकी नहीं लगाया गया है। घनी आबादी क्षेत्र में जहाँ 5000 ली की टंकी देनी थी। वहां सिर्फ 2000 ली की टंकी लगा दी गयी है। आज खराब पड़ा है। जहाँ के ग्रामीण बस्ती से 2 किलोमीटर दूर घाटी का सफर तय कर पीने का पानी नदी से लाते हैं। जो कि जानवर द्वारा दूषित किया हुआ रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि गाँव में कुल 5 बोरिंग हुई है। जो सभी बेकार पड़ा है। पानी को लेकर कई बार ग्रामीणों में आपसी मतभेद हो जाता है। भीषण गर्मी में लोग पानी को लेकर त्राहिमाम की जिंदगी जी रहे हैं।

दल बदलुओं का मौसम, पार्टियों में घूम-घूमकर अपनी हैसयित बताते हैं और होते हैं धन्य

चतरा। आज की राजनीति का रंग-रूप पूर्णरुपेण बदल चुका है। अब का चुनाव व प्रत्याशी और समर्थकों का प्रचार पहले जैसी नहीं रही। अदि पुराने जमाने के गुजर चुके नेता अगर गलती से दोबारा जिंदा हो जाएं तो ऐसे हालात देखकर अपना सिर धर लें। आज के समय में राजनीति बदली है और बदले की राजनीति भी शुरू हो गई है। पहले दलबदल हुआ करता था, यहां तक तो गनीमत थी। तब का नेता सुबह एक पार्टी में होता था। दोपहर होते-होते पुरानी पार्टी का मैल अंतरात्मा की आवाज के साबुन से रगड़-रगड़ कर छुड़ाता था। फिर अगली सुबह नई पार्टी ज्वाइन करता था। तब राजनीति की भी अपनी कुछ मान-मयार्दाएं हुआ करती थीं।

मयूरहंड के 57 मॉडल बूथ पर 52 हजार 2 सौ मतदाता करेंगे मतदान

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड (चतरा)। चतरा लोकसभा क्षेत्र के मयूरहंड प्रखंड के सभी 57 बूथों को आदर्श (मॉडल) बूथ बनाया जाएगा। जिसमें प्रखंड क्षेत्र के 57 हजार 2 सौ मतदाता मतदान करेंगे। बीडीओ मनीष कुमार ने बताया की प्रखंड क्षेत्र के सभी बूथों पर मतदाताओं के सुविधा के लिए पेयजल एवं टेंट की व्यवस्था की जा रही है, ताकि किसी तरह कि परेशानी मतदाताओं को नहीं हो। इसके अलावा मतदान प्रतिशत बढाने को लेकर प्रखंड प्रशासन द्वारा जन जागरुकता अभियान चलाने के साथ घर-घर अच्छत वितरण कर वोट देने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इसके अलावा दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने ले जाने के लिए प्रत्येक बूथ में दो वाहन मुहैया कराया गया है। इसके अलावा स्वच्छ व निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने को लेकर सभी मतदान केंद्रों पर वेब कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिसे प्रखंड प्रशासन से लेकर जिला प्रशासन व चुनाव आयोग तक की कडी नजर रखी जाएगी। इसबार सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान चलेगा। इसके अलावा पंक्ति में लगे व्यक्ती को मतदान करने का अवसर मिलेगा। वहीं बीडीओ ने कहा आदर्श आचार संहिता उलंघन करने वाले के खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

थम गया चुनाव प्रचार, कल डाले जाएंगे वोट

कुंदा (चतरा)। लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण का मतदान 20 मई को होना है। इसके लिए प्रचार प्रसार शनिवार शाम थम गया। चतरा लोकसभा क्षेत्र से 22 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। जिनकी किस्मत 20 तारीख को ईवीएम में कैद हो जाएगा। वही कुंदा प्रखंड क्षेत्र में मतदान को लेकर प्रशासनिक स्तर की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। अर्द्धसैनिक बल के साथ पुलिस संयुक्त रूप से शांतिपूर्ण मतदान कराने को लेकर सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद है। लोगों को भय मुक्त होकर मतदान करने की अपील भी की जा रही है।

कार्यालय अनुमण्डल पदाधिकारी-सह-अनुमण्डल दण्डाधिकारी, चतरा

–:संयुक्त आदेश:–

आगामी लोकसभा आम चुनाव–2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण रूप से कराने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के SOP FOR LAST 72 Hours Edition-02 की कंडिका संख्या–5.4.5 में निहित निदेश है कि "P-3 से P-1 दिवस तक उडनदस्ते के माध्यम से पुनः प्रचार पुस्तिकाओं को वितरित करने के अभ्यास को यह बतलाते हुए दोहराएगा कि चूँकि इस निर्वाचन के लिए प्रचार अवधि समाप्त हो गई है/समाप्त होने वाली है। FS तथा SST के माध्यम से सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसलिए किसी 50,000.00 से अधिक नकदी रखने वाले किसी भी व्यक्ति को इसके साथ सहायक दस्तावेजों को भी रखना चाहिए तथा यह पुनः दोहराया जाता है कि रिश्वतखोरी या मतदाताओं की धमकी/संत्रास के मामलें न केवल निर्वाचन संबंधी अपराध है, बल्कि भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत भी दण्डनीय है और इसलिए सभी को इस तरह की गतिविधियों से बचना चाहिए और इस तरह की घटनाओं की जानकारी को तुरन्त सूचित करना चाहिए।"

नोडल पदाधिकारी,
विधि व्यवस्था/आदर्श आचार संहिता कोषांग
–सह–
अनुमण्डल पदाधिकारी,चतरा

नोडल पदाधिकारी,
विधि व्यवस्था/आदर्श आचार संहिता कोषांग
–सह–
अनुमण्डल पदाधिकारी,सिमरिया

PR 324928 Election(24-25).D

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर डीसी ने की प्रेस कांफ्रेंस, कहा

32 बूथ के लिए पी-2 पार्टी भेजे गए

चुनाव प्रचार-प्रसार से संबंधित गतिविधि पर रहेगा प्रतिबंध, चतरा लोस में 1899 बूथ और 16.89 लाख मतदाता हैं

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर जिला निवार्ची पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप द्वारा समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होने बताया कि चतरा लोकसभा क्षेत्र व जिले में 5वें चरण में 20 मई को चुनाव होना है। इसके लिए शनिवार को चतरा कॉलेज चतरा से सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के 24 बूथ केन्द्र एवं चतरा विधानसभा क्षेत्र के 08 बूथ केन्द्र कुल 32 बूथ केन्द्रों के लिए पी-2 पार्टी को इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम हेतु डिस्पैच किया गया। वहीं शेष पार्टियों को रविवार को चतरा कॉलेज से डिस्पैच किया जाएगा। आगे बताया कि जिस केन्द्र पर 1000 से अधिक मतदाता हैं वहां अतिरिक्त मतदान कर्मी प्रतिनियुक्त किए जा रहे हैं। मतदान वृद्धि को लेकर कहा कि 50 प्रतिशत कम मतदान वाले बूथ को चिन्हित कर एक अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। जिनके द्वारा तीन बार वैसे बूथों पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही अधिकारी डोर-टू-डोर जाकर मतदाताओं को जागरूक कर रहे है।

चतरा लोकसभा के 5 विधानसभा क्षेत्रों में 16 लाख 89 हजार 926 मतदाता हैं

चतरा लोकसभा के 05 विधानसभा में कुल 16 लाख 89 हजार 926 मतदाता हैं। जिसमें 26-सिमरिया विधानसभा में 419 पोलिंग स्टेशन, 280 पोलिंग स्टेशन लोकेशन, पुरूष 193181, महिला 182072 हैं। 27 चतरा विधानसभा में 475 पोलिंग स्टेशन, 332 पोलिंग स्टेशन लोकेशन, पुरूष 217471, महिला 207996, थर्ड जेंडर 02, कुल 425469 मतदाता हैं। 73 मनिका में 321 पोलिंग स्टेशन, 231 पोलिंग स्टेशन लोकेशन, पुरूष 130573, महिला 129630 कुल 260203 मतदाता हैं। 74 लातेहार में 358 पोलिंग स्टेशन, 273 पोलिंग स्टेशन लोकेशन, पुरूष 155350, महिला 151588 कुल 306938 मतदाता हैं। 75 पांकी में 326 पोलिंग स्टेशन, 276 पोलिंग स्टेशन लोकेशन, पुरूष 165384, महिला 156679 कुल 322063 मतदाता हैं। इसी प्रकार पूरे लोकसभा क्षेत्र में 1899 पोलिंग स्टेशन, पोलिंग स्टेशन लोकेशन 1392, पुरूष मतदाता 861959, महिला 827965, थर्ड जेंडर 02 कुल मतदाताओं की संख्या 16 लाख 89 हजार 926 है। वहीं 14558 नए मतदाताओं का निबंधन किया गया, 3239 मृत मतदाताओं को विधिवत विलोपित किया गया है एवं 4571 मतदाताओं के नाम/पता आदि में शुद्धिकरण का कार्य किया गया है। वहीं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 में मतदान की समाप्ति के लिए निर्धारित अवधि से 48 घंटे पहले किसी भी प्रकार की सभा, रैली तथा सामूहिक बैठक को प्रतिबंधित किया गया है तथा लॉड स्पिकर पूर्णतः वर्जित है। साथ ही किसी भी प्रकार प्रचार-प्रसार भी प्रतिबंधित है। अभ्यर्थियों को कुल 03 वाहन (पीसी-2, एसी-2) की अनुमति 19 एवं 20 मई के लिए दी जाएगी। चतरा जिला अंतर्गत 32 मतदान दल एवं लातेहार जिला अंतर्गत 244 मतदान दल जिनका पी 2 में डिस्पैच हुआ, वे 20 मई को मतदान के पश्चात अपने संबंद्ध आईएसआर पर रूकेंगे तथा 21 को मई को पी$1 में बज्रगृह चतरा कॉलेज वापस पहुंचेंगे। वहीं पुलिस अधीक्षक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चतरा जिला नक्शल प्रभावित जिला रहा है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी तैयारी कर ली गई है। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए प्रर्याप्त मात्रा में पुलिस फोर्स भी तैनात किए गए हैं।

कार्यालय जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, लातेहार
(निर्वाचन शाखा)

अपील

लातेहार जिला के प्रिय मतदातागण,
जोहार,

जैसा कि आप अवगत हैं कि भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और इस बड़े लोकतंत्र की विशेषता सार्वभौमिक मताधिकार है। 18वीं लोकसभा आम चुनाव के लिए सम्पूर्ण देश में चुनाव का पर्व मनाया जा रहा है, जिसमें सभी मतदातागण देशहित/लोकतंत्रहित में अपने मताधिकार का बखूबी प्रयोग कर रहे हैं।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देश के अनुरूप जिले में सुगम एवं समावेशी मतदान हेतु सभी मतदान केन्द्रों पर आप सभी मतदातागण के लिये आवश्यक मूलभूत सुविधायें जैसे दिव्यांग एवं वृद्धजन के लिये रैम्प एवं व्हील चेयर, वोलेन्टियर्स की देख–रेख में कतार प्रबंधन, महिलाओं/दिव्यांग/बुजुर्ग को कतार में प्राथमिकता की सुविधा, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

अतः आप अपने परिवार व बन्धु–बान्धव के साथ दिनांक 20 मई 2024 को प्रातः 07:00 बजे से संध्या 05:00 बजे तक अपने संबंधित मतदान केन्द्र पर सरल, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु सादर आमंत्रित हैं। मतदान आपका अधिकार ही नहीं अपितु कर्त्तव्य भी है। याद रखें कि आपका एक वोट सशक्त लोकतांत्रिक भारत के निर्माण के लिए सर्वथा बहुमूल्य है।

मतदान स्थल :– आपका मतदान केन्द्र
मतदान तिथि :– 20 मई 2024
मतदान का समय :– प्रात 07:00 बजे से 05:00 बजे संध्या काल तक

" चुनाव का पर्व, देश का गर्व "

–: विनीत :–
श्रीमती गरिमा सिंह, भा0प्र0से0
जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, लातेहार

PR 324931 Latehar (24-25)_D

लोहरदगा में सफलतापूर्वक मतदान संपन्न, 103 पदाधिकारियों-कर्मियों को किया गया सम्मानित

'लोस चुनाव देश के कठिन चुनावों में से एक'

- *उपायुक्त ने कहा, संपूर्ण समर्पण से ही संभव हो सका शांतिपूर्ण चुनाव*
- *डीसी वाघमारे ने कहा, सबके संपूर्ण सहयोग के बिना यह संभव नहीं था*

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोकसभा आम निर्वाचन, 2024 अंतर्गत लोहरदगा जिला में मतदान सफलतापूर्वक संपन्न होने के उपलक्ष्य में शनिवार को पदाधिकारियों व कर्मियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा स्थित सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम में जिला में सभी कोषांगों में बेहतर कार्य करनेवाले पदाधिकारी व कर्मी, बेहतर कार्य करनेवाले पुलिस पदाधिकारी, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी व अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी व अन्य पदाधिकारी व कर्मियों समेत कुल 103 पदाधिकारियों/कर्मियों सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जीतेंद्र मुण्डा, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, पुलिस उपाधीक्षक समेत सभी सम्मानित पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर द्वारा किया गया।

सभी ने अपनी कार्यकुशलता साबित की : एसपी

पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव देश का महत्वपूर्ण चुनाव है। जो भी प्लान किया गया वह सही रहा। सभी ने अपनी कार्यकुशलता साबित की। आदर्श आचार संहिता के पालन में जो सभी जब्त किया गया वह सही तरीके से त्वरित कार्रवाई करते हुए किया गया। नियमित रूप से निर्वाचन संबंधित प्रशिक्षण में लोग शामिल होते रहे और कार्य किया।

सभी ने लगन के साथ कार्य किया : कमांडेंट

सीआरपीएफ कमाण्डेंट राहुल कुमार ने कहा कि इस चुनाव में सभी ने बेहद लगन के साथ कार्य किया। दिन हो या रात हो सभी समय पर सभी पदाधिकारी उपलब्ध रहे। जिला के प्रशासनिक पदाधिकारी हों या पुलिस पदाधिकारी, सभी ने लगन के साथ काम किया। भारत निर्वाचन आयोग के गाईडलाइन का पालन करते हुए मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। सुरक्षा व्यवस्था में सीआरपीएफ, पुलिस, झारखंड जगुआर, कोबरा बटालियन आदि की व्यवस्था बहुत ही व्यवस्थित रही।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव देश के सबसे कठिन चुनावों में से एक है जिसमें कई स्तर पर तैयारियां करनी पड़ती हैं। जिला में सुरक्षा से लेकर मतदान केंद्रों में व्यवस्था, मतदान दिवस की तैयारी समेत कई महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल थीं। इस चुनाव में सभी ने संपूर्ण समर्पण के साथ कार्य किया जिसका प्रतिफल रहा कि लोहरदगा जिला में चुनाव बेदाग और सफल तरीके से संपन्न हुआ। जो भी समस्या आयी उसे मिल-बैठकर और विचार-विमर्श कर ठीक किया गया। सभी कोषांग के पदाधिकारियों व कर्मियों ने बेहतर कार्य किया। पुलिस और सीआरपीएफ ने बेहतर सुरक्षा व्यवस्था का कार्य किया और विभिन्न सुरक्षा बलों के साथ बेहतर समन्वय रखा। जो भी योजना बनायी गयी उसे बेहतर तरीके लागू किया गया। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अचल अधिकारियों का बेहतर कार्य रहा। सुरक्षा बलों के लिए जो भी इंतजाम किये गये थे उसकी प्रशंसा सभी ओर हुई। पेशरार, सेरेंगदाग और जोबांग थाना प्रभारियों द्वारा बेहतर कार्य किया गया।

लोकसभा चुनाव का यह पहला अनुभव : डीडीसी

उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव पहला अनुभव था। जो भी समस्याएं आयीं उसका सभी ने मिलकर समाधान निकाला। इसी का परिणाम है कि लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र में लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र का मतदान प्रतिशत बहुत बढ़िया रहा। सुरक्षा बलों के जरिये यह मतदान काफी सफलता पूर्वक संपन्न हो गया।

न्यूज बॉक्स

मुर्गा लड़ाई में भगदड़, एक युवक के हाथ का नस कटा, अस्पताल में भर्ती

गुमला। गुमला जिला अंतर्गत बसिया थाना स्थित दीवान टोली में शुक्रवार को मुर्गा लड़ाई के दौरान दो पक्षों के बीच मुर्गा लड़ाई को लेकर, उत्पन्न विवाद में एकाएक भगदड़ मचने से मुर्गा लड़ाई में उपयोग होने वाले तेज धारदार हथियार से अनुज गोप नामक एक युवक के बायें हांथ का नस कट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उक्त भगदड़ में अनुज गोप को भी पता नहीं चला कि उसके बायें हांथ का नस कैसे काटा, आनन-फानन में उसे इलाज के लिये रेफरल अस्पताल बसिया ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद, बेहतर इलाज के लिये, 108 एंबुलेंस से गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां डॉक्टरों के देखरेख में अनुज गोप का इलाज गुमला सदर अस्पताल में चल रहा हैं। इस संबंध में अबतक किसी ने भी संबंधित थाने में लिखित आवेदन या प्राथमिक दर्ज नहीं कराई हैं।

सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा में भैया-बहनों को मिला तैराकी का प्रशिक्षण

लोहरदगा। सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा में कक्षा उदय एवं प्रभात के भैया बहनों को तरल ताल में तैराकी का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडे ने बच्चों को तैराकी के महत्व को समझाया। इस अवसर पर उन्होंने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री एवं मिहिर सेन के बारे में बताया। कहा कि लाल बहादुर शास्त्री अपनी पढ़ाई करने के लिए गंगा नदी को तैरकर वाराणसी जाते थे। अतः तैराकी वह शिक्षा है जो हमें जीवन में सहयोग प्रदान करता है। सभी भैया बहन चिलचिलाती गरम धूप में ठंडे-ठंडे जल के बीच तरल ताल का आनंद उठाया।यह दृश्य देखने में बहुत ही मनमोहक था। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य सुश्री सुनीता कुमारी, रवि रंजन कुमार, दीपिका सिंह एवं मीनाक्षी दिव्या आदि ने भैया बहनों को तैराकी प्रशिक्षण में सहयोग प्रदान की।

गोवा में हुई मौत, डुको पिपरटोली निवासी मजदूर मनिया की शव पहुंचा, हुआ अंतिम संस्कार

गुमला। गोवा राज्य में डुको पिपरटोली ग्राम निवासी मजदूर मनिया लकड़ा के दुर्घटना में हुए मौत के बाद शनिवार को दिन के 10:00 बजे शव गांव पहुंचा।जहां गांव में परिजनों द्वारा अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों ने बताया कि मनिया लकड़ा गोवा राज्य मजदूरी का काम करने सात महीने पूर्व घर से गया था।जहां बीते बुधवार को काम करने के दरमियान सेट्रिंग छत का कार्य चल रहा था।जहां से वह नीचे गिर गया। जिससे वह घायल हो गया था। वही कंपनी के लोगों द्वारा पास के अस्पताल में ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई।वहीं कंपनी के लोगों द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया गया तथा परिजनों को बुलाकर शव को सौंपा गया। इसके बाद आज शव एंबुलेंस से डुको पीपर टोली गांव पहुंचा। जहां परिजनों द्वारा अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों ने कहा कि मनिया घर का इकलौता काम करने वाला था। और वह बाहर जाकर मजदूरी का काम करके अपने पूरे परिवार के देखभाल करता था ।घर की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय है।

सुखदेव भगत ने धर्मगुरु बंधन तिग्गा से मिलकर उनका जताया आभार

लोहरदग। लोहरदगा लोक सभा चुनाव संपन्न होने के उपरांत लोहरदगा लोकसभा इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत सरना प्रार्थना सभा के धर्मगुरु बंधन तिग्गा के आवास मुड़मा पहुंचकर उनसे मिलकर उनका आभार प्रकट किया। श्री भगत ने कहा कि लोकसभा चुनाव में संविधान बचाने एवं आदिवासियों की अस्मिता की रक्षा के लिए धर्मगुरु बंधन तिग्गा ने इंडिया गठबंधन के पक्ष में चुनाव प्रचार कर आदिवासियों को एक सूत्र में बांधने का जो काम किया है वह काफी सराहनीय है। इससे आदिवासियों में अपने समाज के प्रति नयी चेतना जागृत हुई है ।धर्मगुरु बंधन तिग्गा ने कहा कि संविधान बचाने एवं आदिवासियों के अस्मिता के रक्षा के लिए वे राजधर्म के तहत चुनाव प्रचार किया। इससे पूर्व सुखदेव भगत ने आदिशक्ति स्थल मुड़मा में मत्था टेककर सरना मां का आशीर्वाद लिया। मौके पर आदिवासी नेता सीताराम उरांव सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

सुरक्षाकर्मी ने दिखाई गुंडागर्दी, खाना पहुंचाने आए युवक से की मारपीट

- *जय श्रीराम समिति ने की सिविल सर्जन से कार्रवाई की मांग*

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। आये दिन गुंडागर्दी के मामले प्रकाश में आते रहते हैं। शनिवार को भी ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है, जहाँ सुरक्षाकर्मी के द्वारा एक दलित युवक की पिटायी की गई है। जानकारी अनुसार सदर थाना क्षेत्र के बाल्मिकी नगर निवासी प्रकाश करुवा 17 मई की सुबह करीब 9 बजे मरीज के लिए खाना लेकर सदर अस्पताल गए थे। जब प्रकाश अपनी स्कूटी खड़ी कर खाना पहुँचाने अस्पताल के अंदर जाने लगे तभी वहां तैनात सुरक्षाकर्मी के द्वारा उन्हें रोका गया और गाली गलौज किया गया। जब प्रकाश ने विरोध किया तो सभी सुरक्षाकर्मियों ने मिलकर प्रकाश की पिटाई की और घसीट कर अस्पताल से बाहर कर दिया। सुरक्षाकर्मियों ने प्रकाश को जातिसूचक अपशब्द भी कहे। दर्द से बेहाल प्रकाश मरीज को खाना भी नहीं दे सके।मारपीट के दौरान कुछ लोगों ने पूछा कि क्यों मार रहे हैं पर किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। प्रकाश को हाथ और पैरों में गहरी चोटें आई हैं। शनिवार को प्रकाश ने एक लिखित शिकायत पत्र के माध्यम से सिविल सर्जन को मामले से अवगत कराया तथा उचित कार्रवाई की मांग की। इस घटना को लेकर जय श्रीराम समिति के पदाधिकारी अस्पताल प्रबंधन से मिले और इस घटनाक्रम पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की। मौके पर कन्हैया करुवा, अजय सोनी, ओम महतो, हेमंत वर्मा, बजरंग करुवा नगर अध्यक्ष दीपक साहू, वार्ड अध्यक्ष अक्षय करुवा समेत आदि लोग मौजूद थे।

शिक्षा विभाग की हुई समीक्षा बैठक, उपायुक्त ने दिए निर्देश

10वीं एवं 12वीं के टॉप 10 विद्यार्थी होंगे सम्मानित

- *विद्यार्थियों के लिए किताबों की उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर हुई चर्चा*

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शनिवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने विद्यालयों के नए सेशन एवं विद्यार्थियों के एडमिशन प्रक्रिया से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने 4 जून के पश्चात सभी प्रक्रिया को प्रारंभ करने की बात कही। उपायुक्त ने इस वर्ष 10वीं एवं 12वीं के टॉप 10 विद्यार्थियों को जिला स्तर पर सम्मानित करने की बात कही। इसके लिए उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को सूची तैयार कर लेने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने वैसे विद्यालय जहां इस बार सबसे अधिक विद्यार्थियों ने असफलता हासिल की अथवा जिस विद्यालय का रिजल्ट अन्य विद्यालयों की तुलना में कम है कि भी सूची बनाते हुए उक्त विद्यालयों से एक्टिव पदाधिकारियों को विद्यालय से टैग करने का निर्देश दिया। उन्होंने 'सिकछा कर भेंट गतिविधि' के तहत सेशन के शुरूआत से ही पदाधिकारियों के द्वारा विद्यालयों के शिक्षा गुणवात्ता को लेकर नियमित मॉनिटरिंग करने हेतु आदेश निकालने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने विद्यालयों के खुलने से पहले वहां के सभी व्यवस्थाओं को पूर्व में ही दुरुस्त कर लेने का निर्देश दिया, उन्होंने विद्यालयों के आईटी लैब, साइंस लैब,स्मार्ट क्लासेज आदि का भी निरीक्षण करते हुए यदि आवश्यक मरम्मती की आवश्यकता हो तो उसे भी कर लेने की बात कही। सभी विद्यार्थियों के बीच समय से पुस्तकों, यूनिफार्म, जूते, बैग इत्यादि का वितरण कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा अन्य कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उपायुक्त द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

गुमला चैंबर की आमसभा 16 जून को

नवीन मेल संवाददाता

गुमला।गुमला चेम्बर ऑफ कॉमर्स की मासिक बैठक चेम्बर कार्यालय में चेम्बर अध्यक्ष दामोदर कसेरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मासिक बैठक में विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा हुई। जिसमें मुख्य रूप से चेम्बर अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने कहा की चेम्बर के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी के द्वारा संशोधित नियमावली को 16 जून को व्यापारियों का आम सभा बुलाकर पास कराया जायेगा। गुमला के कुछ व्यापारीयों के द्वारा रेजगारी की समस्या को लेकर चेम्बर को अवगत कराया गया। जिसपर अध्यक्ष ने संज्ञान लेते हुए, व्यापारियों को आशवस्थ कराया कि गुमला के प्रमुख बैंकों से बात कर इस समस्या का समाधान किया जायेगा। पूर्व अध्यक्ष बिनोद केशरी ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए गुमला शहर में पानी की समस्या से अवगत कराया, जिसपर अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने कहा की पीएचडी के अधिकारी से मिलकर निदान का भरोसा दिलाया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने कहा कि आए दिन गुमला में रक्त की कमी को देखते हुए चेंबर के पदाधिकारी एवं आम व्यापारियों से आग्रह किया की स्वैच्छिक रक्तदान करें और अन्य लोगों कों जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान के लिए प्रेरित करें। गुमला चेम्बर के मासिक बैठक में लगातार तीन बार से बैठक में अनुपस्थित रहने वाले कार्यकारिणी के सदस्यों के निष्कासन पर विचार किया गया। सोमवार कों साप्ताहिक बंदी हेतु गुमला के व्यापारियों के द्वारा लिखित आवेदन देकर चेम्बर से साप्ताहिक बंदी कराने का अनुरोध किया गया था, जिसपर सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया की सभी व्यापारी स्वैच्छिक बंदी कर सकते हैं, बंदी के लिए किसी कों बाध्य नहीं किया जायेगा। वो अपने इच्छा के अनुसार सोमवार को अपना प्रतिष्ठान बंद या खुला रख सकते हैं।

गुमला डीसी ने की एनसीओआरडी समिति कारा, खनन एवं सड़क सुरक्षा की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शनिवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में एनसीओआरडी समिति, कारा, खनन एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित संयुक्त समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। एनसीओआरडी समिति की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने जिले में अवैध रूप से नशीले पदार्थों पर रोक लगाने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यालयों के बाहर छोटे दुकानों के लगाने जिनके द्वारा नशीले पदार्थों के बिक्री करने की संभावना है वाले दुकानों को वहां से शिफ्ट करवाने का निर्देश दिया। विद्यालय के बाहर या आस पास गुटखा, पान, सिगरेट आदि की बिक्री पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किसी नशीले पदार्थों का लत न लगे इसके लिए नियमित जांच एवं आवश्यक छापेमारी करें। खनन अंतर्गत हुए कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने अवैध खनन पर रोकथाम करने हेतु विशेष नजर रखने का निर्देश दिया, उन्होंने मुख्य चौक चौराहों एवं डंपियार्ड पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया, साथ ही संबंधित अधिकारियों को नियमित छापेमारी भी करने की बात कही। जब्त हुए बालू की नीलामी करने की बात कही। सड़क सुरक्षा से संबंधित समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना से हुए मृतकों के परिवारजनों को जल्द ही मुआवजा राशि उपलब्ध कराने की बात कही। इसके आलावा सड़क दुर्घटना से मृतकों के परिवार जनों को अन्य इंश्योरेंस की राशि, एवं आपदा प्रबंधन समिति से मिलने वाली मुआवजा राशि भी दिलाने हेतु सहयोग करने की बात कही। उन्होंने कहा सड़क दुर्घटना से हुए मृतकों के परिवारजनों को सड़क सुरक्षा के तहग 2लाख रुपए की मुआवजा राशि दी जाती है वहीं इसके अलावा आपदा प्रबंधन से भी परिवारजनों को 1 लाख रुपए की मुआवजा राशि प्रदान की जाती है। इसके अलावा यदि मृतक ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना लिया हो तो वहां से भी उन्हें सहायता राशि मिलती है। साथ ही यदि मृतक के द्वारा श्रम कार्ड बनाया गया हो तो उसपर भी सहायता राशि सरकार के द्वारा दी जाती है। उपायुक्त ने सभी लाभुकों को योजनाओं का लाभ सही समय पर देने का निर्देश दिया। कारा अंतर्गत व्यवस्थाओं की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कारा अंतर्गत आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया, उन्होंने कारा अंतर्गत सभी नियमों का कड़े रूप से पालन करके की बात कही। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की मनोचिकित्सक को कारा में नियमित रूप से भेजने का भी निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने सिविल सर्जन को स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत दिनांक 8 जून से 14 जून के बीच ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन करने हेतु योजना बनाने की बात कही। इस दौरान बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी, एसडीआई सदर, सिविल सर्जन गुमला, जिला परिवहन पदाधिकारी, कारा अधीक्षक, जिला खनन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

काली मंदिर में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन, बोले कथावाचक

श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण है मोक्ष की प्राप्ति का एकमात्र उपाय : पंडित रामसेवक

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के हटिया गार्डेन स्थित श्री हरिबाबा काली मंदिर परिसर में पिछले 12 मई से आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शनिवार को समापन हो गया। भगवान की महाआरती प्रसाद वितरण के साथ कथा का विसर्जन किया गया। इन 7 दिनों तक लोहरदगा शहरी क्षेत्र समेत आसपास के क्षेत्रों से आए लोगों ने भागवत रस का पान किया। विगत सात दिनों तक भगवान श्री कृष्ण जी के वात्सल्य प्रेम, असीम प्रेम के अलावा उनके द्वारा किए गए विभिन्न लीलाओं का वर्णन कर वर्तमान समय में समाज में व्याप्त अत्याचार, अनाचार, कटुता, व्यभिचार को दूर कर सुंदर समाज निर्माण के लिए युवाओं को प्रेरित किया गया। कथावाचक पंडित रामसेवक पाठक ने कथा के सातवे दिन अखरूर व उद्धव जी को ब्रह्म ज्ञान की प्राप्ति, भगवान का मथुरा गमन, कंस चाणूर दैत्यों का वध का वर्णन, अग्रसेन महाराजा समेत अन्य राजाओं की मुक्ति, भगवान का देवकी बासुदेव से मिलन, भगवान का राज्याभिषेक, भगवान का परमधाम गमन, श्रीमद्भागवत कथा का सप्ताह यज्ञ कथा का महत्व का वर्णन, कलयुग के प्रभाव का वर्णन किया गया। इसके साथ ही कथा का समापन किया गया। उन्होंने श्रोता भक्तों को कलयुग में श्रीमद् भागवत कथा का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को मुक्ति का मार्ग सिखाती है। मनुष्य की संगत उसका चरित्र निर्माण करती है। कथावाचक रामसेवक पाठक ने बताया कि कलयुग में भगवान का नाम की महिमा का प्रभाव ऐसा है कि बस इनके नाम लेने से ही मोक्ष की प्राप्ति सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। भगवान हरि का ध्यान करें और श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर जीवन ने उतारने का प्रयास करें।

हर दिन अलग-अलग प्रंसगों का रसपान कराया गया

गौरतलब है कि कथा 12 मई से शुरू हुई थी जो 19 मई तक चली। कथा के पहले दिन श्रीमद्भागवत महात्म्य, गौकर्ण उपाख्यान, देवर्षि नारद का चरित्र, सुखदेव मुनी का चरित्र का वर्णन किया गया। दूसरे दिन अश्वत्थामा द्वारा द्रोपदी के पुत्रों का मारा जाना, अश्वत्थामा का मान मर्दन, राजा परीक्षित का गर्भ में रक्षा बताई गई। तीसरे दिन श्रीकृष्ण का द्वारिका गमन, पांडवो का परमधाम गमन, परीक्षित द्वारा कलयुग का दमन, चतुश्लोकी भागवत का उपदेश, मनु के कन्याओं का वंशो का वर्णन, दक्ष यज्ञ विध्वंस, भक्त ध्रुव चरित्र, राजा अंग का चरित्र, महाराजा पृथु का आविर्भाव, पुनर्जन्म व उपाख्यान पर कथा सुनाई गई। चौथे दिन गजेंद्र द्वारा भगवान की स्तुति, दुवार्सा ऋषि द्वारा इंद्र को श्राप, समुद्र मंथन, देवासुर संग्राम, वामन अवतार पर कथा सुनाई गई। पांचवे दिन सूर्यवंशी राजाओं के चरित्र का वर्णन, माँ गंगा का पृथ्वी पर अवतरण, वासुदेव देवकी का चरित्र , देवताओं द्वारा भगवान के गर्भ में स्तुति, भगवान का पृथ्वी पर अवतरण, बासुदेव जी के द्वारा भगवान को ब्रज में छोड़कर आना, गोकुल में भगवान का जन्मोत्सव व बाल कीड़ाये आदि का वर्णन किया। छठे दिन भगवान श्री कृष्ण की बाल क्रीड़ाएं, मुख मंडल में ब्रह्मांड का दर्शन, कालिया नाग मर्दन, अघासुर, बकासुर वध, पूतना वध, भगवान का रासलीला का वर्णन, कुब्जा का उद्धार का वर्णन किया गया।

भीषण गर्मी में भी पशु और पक्षियों को नहीं होगी दाना-पानी की परेशानी

राहगीरों के बीच मिट्टी के सिकोरे एवं चावल वितरित किए गए

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले में बेतहाशा बढ़ती हुई तपिश में आम जन जीवन बेहाल है। वहीं पशु पक्षी भी व्याकुल है। भीषण गर्मी के कारण छोटे-छोटे जलाशयों का पानी सूख गया है,पशु पक्षी को दाना पानी के लिए भटक भी रहे हैं या फिर दम तोड़ रहे हैं। इस निमित्त लोहरदगा साइंस फॉर सोसाइटी इकाई एवं बर्म्मन हाईवे पेट्रोल पंप के संयुक्त प्रयास से गरैया, चिड़िया, मैना, कबूतर आदि पक्षियों के दाना पानी हेतु बीएस कॉलेज के पास आदर्श नगर, कार्तिक नगर बस्तियों में एवं राहगीरों के बीच प्रतीक के तौर पर मिट्टी के शिकोरे एवं चावल वितरण किया गया। मौके पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन व सोसाइटी के प्रेसिडेंट डॉक्टर गणेश प्रसाद व सांसद प्रतिनिधि सह लोहरदगा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर प्रसाद ने कहा कि अपने अपने घरों व मोहल्ले के लोगों से अपने-अपने छतो में दाना पानी रखें। लोहरदगा रोड सेफ्टी मेंबर व पर्यावरण प्रेमी संजय बर्म्मन एवं रेड क्रॉस सोसायटी सचिव अरुण राम ने कहा कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता पॉलिथीन का इस्तेमाल, पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के प्रति उदासीनता के कारण मौसम प्रतिकूल होती जा रही है और उसी का यह परिणाम है और उसके लिए प्रशासन कम और हम लोग ज्यादा जिम्मेवार हैं। रणजी क्रिकेटर आशीष कुमार व भीजी क्रिकेटर आकाश खत्री ने कहा कि आवारा पशु हो या मवेशी उसके लिए भी अपने-अपने घरों के बाहर नाद में पानी रखें। अधिवक्ता देवाशीष कार व सोसाइटी के सचिव राहुल कुमार,सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर अग्रवाल ने कहा कि बेजुबानों को अन्न जल देना पुण्य का काम होता है। इस अवसर पर अवकाश प्राप्त शिक्षक चंद्र किशोर प्रसाद, जगतपाल केसरी, डॉ अशोक आर्या, कमल अग्र, प्रवीन कुमार, शंकर उरांव, आदि लोगों ने भी वितरण किया।

ईडी की छापेमारी में भ्रष्टाचार से उपजाए पैसों का होता है भंडाफोड़ : बाबूलाल

इस सरकार में बगैर चढ़ावे का कोई कार्य नहीं होता

नवीन मेल संवाददाता।
गिरिडीह

ईडी की छापेमारी में मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के नौकर के यहां से बरामद हुए पैसों को पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने लूट और भ्रष्टाचार की उपज बताया है।

बाबूलाल ने कहा कि राज्य में जब से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस की गठबंधन वाली सरकार बनी है तब से ही राज्य में लूट और भ्रष्टाचार प्रारम्भ हुई है। इस सरकार में कोयला, बालू, पत्थर और जमीन की जमकर लूट हुई, साथ ही भ्रष्टाचार इतना बढ़ गया कि सरकारी दफ्तरों में भी बगैर चढ़ावे के कोई कार्य नहीं होता।

उन्होंने कहा कि ईडी की छापेमारी में बालू, पत्थर, कोयला, जमीन, मनरेगा, टेंडर आदि से लुटे गए पैसे बरामद हो रहें हैं।

पहले पूजा सिंघल के यहां छापेमारी हुई तो 20 करोड़ रुपयों से अधिक के नोटों का पहाड़ मिला अब मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के नौकर के यहां से 35 करोड़ रुपए बरामद हुए हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि यह पैसे भ्रष्टाचार की उपज है। वहीं भ्रष्टाचार के शिष्टाचार बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार कभी शिष्टाचार नहीं हो सकता लेकिन आम जनता के पास कोई उपाय नहीं होता। कार्य नहीं होने पर उन्हें लाचारी में पैसे देने पड़ते हैं और अब वही पैसे बरामद हो रहे हैं। बाबूलाल ने तिसरी के कोदाईबांक स्थित स्टेडियम में मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान उक्त बातें कहीं। श्री मरांडी पिछले दो दिनों से अपने गृह प्रखंड में ही थे। शनिवार को हेलीकॉप्टर के द्वारा चुनावी दौरे पर जाने से पूर्व उन्होंने आस - पास के दर्जनों युवाओं, महिलाओं व बच्चों से बातचीत की। जिसके बाद मरांडी उड़नखटोले से दुमका के शिकारीपाड़ा के लिए निकल गए।

आईसीसी कंपनी के ठेका मजदूरों ने किया विरोध प्रदर्शन

घाटशिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के एक दिन पूर्व शनिवार को हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की इकाई इंडियन कॉपर कंपलेक्स मौऊभंडार में काम करने वाले ठेका मजदूरों ने कंपनी के जनरल ऑफिस गेट पर हाथ में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया. मजदूर मांग कर रहे थे कि पिछले कई वर्षों से आईसीसी कंपनी बंद है वर्तमान सांसद कंपनी को चलाने की दिशा में कोई पहल नहीं किया इसका सांसद जवाब दें.पीएम मोदी ताम्र नगरी की जनता को जवाब दें कि लोग उन्हें वोट क्यों दें, जल्द से जल्द कंपनी चालू करें आदि गगन भेदी नारे लगा रहे थे. ठेका मजदूरों ने यह भी कहा कि इसी बंद कंपनी का तांबा अयोध्या में बना भगवान श्री राम की मंदिर में लगाया गया है।

तिसरी से बेंगलुरु जा रहे एक प्रवासी मजदूर की रास्ते में ही मौत

गिरिडीह। रोजगार की तलाश में तिसरी से बैंगलोर जा रहे एक प्रवासी मजदूर की रास्ते में ही मौत हो गई।मृतक प्रखंड के खटपोंक पंचायत के देवानजोत निवासी सुरेश राय का 25 वर्षीय पुत्र उपेंद्र राय है। बताया जाता है कि उपेंद्र के पिता सुरेश राय भी एक प्रवासी मजदूर हैं वे गुजरात में मजदूरी करते हैं। वहीं उपेंद्र भी रोजगार के लिए बीते 14 मई को तिसरी से बैंगलोर - मंगलौर के लिए निकला था। 15 मई को कोलकाता के हावड़ा से उसका टिकट था। उसके साथ उसके मामा और भाई शंकर राय और कारू राय भी थे। लिहाजा इन तीनों ने हावड़ा से ट्रैन पकड़ ली लेकिन उपेंद्र अलग बोगी में रह गया जबकि उसके मामा और भाई दूसरे बोगी में थे। बताया जाता है कि सफर के दौरान उपेंद्र की तबियत बिगड़ने लगी। उसे बार - बार उल्टियां होने लगी, ट्रैन में अधिक भीड़ होने के कारण उसे घुटन सी महसूस होने लगी। इस बीच उपेंद्र ने 16 मई की रात्रि में पहले दूसरे बोगी में सफर कर रहे अपने मामा या भाई को फोन किया लेकिन वे लोग फोन नहीं उठा पाए। जिसके बाद उसने अपनी पत्नी को फोन किया लेकिन मोबाईल साइलेंट में होने के कारण उसकी पत्नी भी फोन नहीं उठा सकी। अंततः उसने अपनी भाभी के यहां फोन कर मां से बात करवाने को कहा। घरवालों को उसने बताया कि उसकी तबीयत बहुत ही खराब है और उसे घुटन सी महसूस हो रही है,जिसके बाद फोन कट गया। मृतक की मामी फुलमनी देवी ने बताया कि उपेंद्र की हालत देख ट्रेन में बैठे लोगों और टीटी ने उससे उसके बारे में पूछा तो उसने अकेले सफर की बात कह दी। जिसके बाद वह बीच रास्ते में ही तमिलनाडु के ई जक्शन पर उतर गया। जिसके बाद रेलवे पुलिस द्वारा उसकी मौत की खबर मिली। उपेंद्र का विवाह पिछले वर्ष ही हुआ था। उसके माता - पिता,पत्नी समेत परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं जानकारी मिलने पर भाजपा और माले के नेता व कार्यकर्ता भी मृतक के घर पहुंचे। उसके शव को मंगाने की व्यवस्था की जा रही है। आदिवासियों और दलितों के हित की बात करने वाले नेताओं पर सवाल भी सवाल खड़ा होता है। सभी नेता अपने जनसभा में आदिवासियों और दलितों के हित की ही बातें करते हैं लेकिन यह बातें महज एक जुमला बनकर रह जाती है। रोजगार के अभाव में क्षेत्र से सबसे अधिक आदिवासी और दलित ही रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों के लिए पलायन करने को मजबूर हैं।

वन विभाग ने झुमरीतिलैया जा रहे अवैध माइका लदे पिकअप वाहन को किया जब्त

गिरिडीह। तिसरी वन विभाग की टीम ने शनिवार अहले सुबह छापेमारी कर सिंघो मोड़ से अवैध माइका लोड पिकअप वाहन को जब्त किया है। हालांकि अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन चालक भागने में सफल रहा। बताया गया कि वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी अनिल कुमार को अवैध माइका परिवहन की सुचना मिली थी। जिसके बाद रेंजर के निर्देश पर टीम का गठन कर अहले सुबह छापेमारी की गई। इस दौरान सिंघो मोड़ के समीप से अवैध माइका लोड सफेद रंग की पिकअप संख्या जेएच 04 ई 7984 को जब्त किया गया। मौके से वाहन चालक भागने में सफल रहा,जिसके बाद वनकर्मियों ने जब्त वाहन को तिसरी बीट कार्यालय लाया। बताया जाता है कि तस्करों द्वारा तिसरी के बरईपाट जंगल से अवैध माइका का उत्खनन करवाकर गांवा के रास्ते कोडरमा के मसनोडीह ले जाया जा रहा था,इसी बीच यह कार्यवाई हुई। इस धंधे में झुमरीतिलैया के किसी व्यक्ति की संलिप्तता बताई जा रही है। फिलहाल वन विभाग मामले की जांच कर इसमें संलिप्त लोगों को चिन्हित करने में जुटी है। छापेमारी टीम में वनपाल अमर विश्वकर्मा, पवन विश्वकर्मा,रविश कुमार, मुकेश दास, और दिनेश दास शामिल थे।

दो ट्रैलरों के बीच भीषण टक्कर, चालक और उपचालक सुरक्षित

बिरनी। बिरनी थाना क्षेत्र के बरमसिया चौक पर दो टेलरों के बीच भीषण टक्कर हो गई।। जिसमें कोई बड़ी हादसा नहीं हुआ। लेकिन एक टेलर पूरे तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया।। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि दोनों टेलर गिरीडीह से छड़ लोड करके पटना ले जा रहे थे।तभी बरमसिया चौक पर आगे चल रहे टेलर ने अचानक ब्रेक मार दिया। जिसके बाद पीछे से चल रहे टेलर ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे टेलर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। टेलर संख्या एन एल 01 ए एफ 8328 पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया।

झारखण्ड सरकार
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
न्यायालय:-अनुज्ञप्ति पदाधिकारी-सह-वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल, गढ़वा।

सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के प्रशासनिक क्षेत्राधीन बिहार काष्ठ चिरान (विनियमन) अधिनियम, 1990 एवं भारतीय वन अधिनियम, 1927 (सपठित बिहार संशोधन, 1989) के सुसंगत प्रावधानों के उल्लंघन करने के विरूद्ध जप्त आरा मिल एवं वन पदार्थ पर अनुज्ञप्ति पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के न्यायालय में बिहार काष्ठ चिरान (विनियमन) अधिनियम, 1990 के अंतर्गत निहित प्रावधानों के तहत् राज्यसात की कार्रवाई चल रही है, जिसमें संबंधित पक्षों को अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित सुनवाई की तिथि 30.05.2024 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में ससमय अनुज्ञप्ति पदाधिकारी–सह–वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल के न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें, अन्यथा न्यायालय द्वारा उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर एकतरफा निर्णय ले लिया जायेगा। जप्त आरा मिल एवं वन पदार्थ तथा वन वाद से संबंधित अधिहरण वाद की विवरणी निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	अधिहरण वाद संख्या	जप्त वन पदार्थ की विवरणी	अभियुक्त का नाम एवं पता	अभ्युक्ति
1.	10/2024	(1) चलंत आरा मिल सेट–01 पीस, (2) लकड़ी का बुरादा–01 बोरा, (3) बबूल बोटा–02 पीस (4 फीट x 2 फीट–01 पीस एवं 5 फीट x 20 इंच–01 पीस)।	सुदामा चौधरी	

अनुज्ञप्ति पदाधिकारी
–सह– वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
गढ़वा उत्तरी वन प्रमण्डल।

PR.NO.324942Forest, Environment and Climate Changes(24-25):D

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमरिया (चतरा)

चुनाव का पर्व DESH KA GARV

(निशेधाज्ञा आदेश)

दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत निशेधाज्ञा

भारत निर्वाचन आयोग की घोषणा की तिथि–16.03.2024 से सम्पूर्ण क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इस कार्यालय के ज्ञापांक–156/अनु0, दिनांक–16.03.2024 के द्वारा सम्पूर्ण सिमरिया अनुमण्डल क्षेत्र में धारा–144 द0प्र0स0 लागू की गई थी। चूंकि 60 दिनों की अवधि समाप्त हो गई है।

दिनांक–20.05.2024 को 04–चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का मतदान होना निर्धारित है। विधि–व्यवस्था के मद्देनजर मैं, सन्नी राज, भा0प्र0से0, अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमरिया, सिमरिया अनुमण्डल अन्तर्गत निश्पक्ष चुनाव के आचरण एवं अनुकूल और शान्तिपूर्ण माहौल बनाये रखने के लिए संतुश्ट होकर चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति होने तक अथवा अधिकतम 60 दिनों तक जो पहले हो, दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा–144 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चतरा जिला के सिमरिया अनुमण्डल के सम्पूर्ण क्षेत्र में निशेधाज्ञा आदेश जारी करते हुए निम्नांकित आदेश जारी करता हूँ :–

लोकसभा आम निर्वाचन–2024 के दौरान प्रचार–प्रसार के संदर्भ में सभी संबंधित प्रत्याशी/उनके निर्वाचन अभिकर्त्ताओं को सूचित किया जाता है कि Manual of Model Code of conduct, March 2019 के अध्याय आठ के कंडिका 8.1.2 के अनुसार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम–1951 की धारा–126 में मतदान की समाप्ति के लिए निर्धारित अवधि से 48 घंटे पहले किसी भी प्रकार की सभा/रैली तथा Public Meeting को प्रतिबंधित किया जाता है। साथ ही लाउडस्पीकर की प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा।

- 05 (पाँच) या उससे अधिक व्यक्ति एक साथ इक्ट्ठा होना। एक साथ आवाजाही करना/घूमने की अनुमति नहीं होगी।
- भारतीय दण्ड संहिता में परिभाशित किसी भी अपराध करने तथा शांति भंग करने के उद्देश्य से पाँच या उससे अधिक व्यक्ति का किसी भी स्थान पर एकत्रित होना प्रतिबंधित रहेगा।
- कोई भी व्यक्ति/राजनीतिक दल/संगठन/उम्मीदवार/अभ्यर्थी ऐसे किसी प्रकार का पोस्टर, पर्चा, आलेख, फोटो आदि का प्रयोग नहीं करेंगे, जो किसी व्यक्ति/समुदाय/धर्म/जाति की भावनाओं को आहत करता हो, तथा इससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हो।
- किसी भी व्यक्ति अथवा राजनीतिक दल या संगठन, उम्मीदवार/अभ्यर्थी किसी व्यक्ति विशेश के विरूद्ध ऐसे किसी आपत्तिजनक टिप्पणी, विधि–विरूद्ध संदेश का प्रयोग व्हाट्सएप/फेसबुक/ट्विटर/इंस्टाग्राम अथवा सोशल मिडिया पर या किसी भी तंत्र पर नहीं करेंगें, जिससे किसी भी व्यक्तिगत/मानसिक/धार्मिक/जातीय भावनाएँ आहत होती हों तथा चुनाव संबंधी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हो। उक्त का उल्लंघन करने की स्थिति में संबंधित पर सुसंगत धाराओं/प्रावधानों के तहत् कार्रवाई की जाएगी। (Sec 125 of RPA, 1951 और 153A Of IPC)
- किसी भी व्यक्ति/राजनीतिक दल/संगठन/उम्मीदवार/अभ्यर्थी किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग राजनीतिक प्रचार के लिए नहीं करेंगें। मतदाताओं को डराने, धमकाने का कार्य नहीं करेंगें और न हीं किसी भी मतदाता को प्रलोभन में लाने का प्रयास एवं साम्प्रदायिक भावना को भड़काने का कार्य करेंगें। (Sec 129 of RPA, 1951 or IPC 171 (B) (C)(E) and (F) के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।
- किसी राजनीतिक दल अथवा अभ्यर्थी अथवा अन्य किसी व्यक्ति के द्वारा ऐसा कोई कार्य नहीं किया जायेगा, जिससे विभिन्न जातियों या धार्मिक या भाशायी समुदायों के बीच घृणा की भावना उत्पन्न हो।
- कोई व्यक्ति शराब, नकदी या कोई अन्य ऐसी सामग्री वितरित करते हुए पाया जाता है, जिससे चुनाव कार्य प्रभावित हो सकता है, तो उसे विधिसम्मत धाराओं/प्रावधानों के तहत् दण्डित किया जायेगा।
- सार्वजनिक खजाने की लागत पर सरकार या पार्टी की उपलब्धियों को हाईलाइट करते हुए किसी भी नई विज्ञापन की अनुमति नहीं होगी और मौजूदा विज्ञापन को जारी रखने की अनुमति नहीं होगी।
- मतदाताओं को कोई प्रलोभन वित्तीय या अन्य किसी प्रकार से प्रदान नहीं करेंगे।
- मतदाताओं के जाति या साम्प्रदायिक भावनाओं से जोड़कर मतदाताओं को आकर्षित नहीं करेंगे।
- विभिन्न जाति या समुदायों या धर्मों के बीच मौजूदा विभेदों को बढ़ावा देने या तनाव पैदा करने का कोई प्रयास नहीं करेंगे।
- चुनाव के दौरान किसी भी राजनीतिक पार्टी या कार्यकर्ता द्वारा भ्रष्टाचारिक प्रथाओं या चुनावी अपराधों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा विधिसम्मत कार्रवाई की जायेगी।
- चुनाव की घोषणा की तारीख से चुनाव समाप्ति तक 10 वाहनों से अधिक के काफिले की अनुमति नहीं होगी, सुरक्षा वाहनों को छोड़कर।
- कोई भी व्यक्ति/राजनीतिक दल/संगठन/उम्मीदवार/अभ्यर्थी किसी भी प्रकार का लाईसेन्सड हथियार लेकर नहीं चलेगा तथा आग्नेयास्त्र, तीर–धनुश, लाठी, भाला एवं मानव शरीर के लिए अन्य घातक हथियार का प्रदर्शन नहीं करेंगे।
- परम्परागत रूप से शस्त्र धारण करने वाले समुदाय (नेपालियों द्वारा खुखरी धारण करने तथा सिखों द्वारा कृपाण धारण करने वाले), विधि–व्यवस्था एवं निर्वाचन कर्त्तव्य पर लगे दण्डाधिकारियों/निर्वाचन कर्मियों और पुलिस पदाधिकारियों पर लागू नहीं रहेगा।
- यह आदेश जिला दण्डाधिकारी द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन के अवसर पर निर्गत किये जाने वाले आदेश के आलोक में निर्दिश्ट स्थान पर शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा शस्त्र निरीक्षण कराने एवं शस्त्र जमा करने हेतु शस्त्र ले जाने वाले अनुज्ञप्तिधारियों पर शिथिल रहेगा।
- कोई भी व्यक्ति/राजनीतिक दल/संगठन/उम्मीदवार/अभ्यर्थी के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के संदर्भ में समय–समय पर जारी दिशा–निर्देश के विपरीत कोई भी कार्य नहीं किया जायेगा।
- यह आदेश पूर्वानुमति प्राप्त सभा/जुलूस/शादी/बारात पार्टी/शव–यात्रा/हाट–बाजार/ अस्पताल जा रहे मरीज के साथ–साथ जा रहे व्यक्तियों, विद्यालय एवं महाविद्यालय जाने वाले छात्र/छात्राओं एवं कर्त्तव्य पर तैनात सरकारी कर्मचारी/पुलिस बल पर लागू नहीं होगा।

चूँकि संबंधित सभी व्यक्तियों को तत्काल रूप में नोटिस तामिला कराना संभव नहीं है, अतः यह आदेश एक पक्षीय (Ex-parte) पारित किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से आज दिनांक– 17.05.2024 के अपराह्न से जारी किया जाता है।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

वोट जरूर डालेंगे हम

सन्नी राज, भा0प्र0से0,
अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सिमरिया

PR 324926 District (24-25)_D

कार्यालय अनुमण्डल पदाधिकारी–सह–अनुमण्डल दण्डाधिकारी, चतरा

–ःसंयुक्त आदेशः–

आगामी लोकसभा आम चुनाव–2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण रूप से कराने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के SOP For Last 72/48/24 Hours में निहित निदेश निम्न प्रकार से हैः–

मतदान के 72 घंटे पहले

01. कोई भी पार्टी या उम्मीदवार ऐसी कोई गतिविधि शामिल नहीं करेगा जो मौजूदा मत भेदों को बढ़ा सकती है या आपसी नफरत पैदा कर सकती है या विभिन्न जातियों और समुदायों के बीच धार्मिक या भाषाई तनाव पैदा कर सकती है।
02. किसी भी पार्टी या कार्यकर्त्ता द्वारा वोट हासिल करने के लिए जाति या सांप्रदायिक भावनाओं की अपील नहीं की जाएगी। मस्जिदों, चर्चों, मंदिरों या अन्य पूजा स्थलों का उपयोग चुनाव प्रचार के लिए मंच के रूप में नहीं किया जाएगा।
03. राजनीतिक प्रचार में बल्क एसएमएस वॉयस मैसेज का उपयोग नहीं करेंगे।

मतदान के 48 घंटे पहले

01. प्रचार अवधि समाप्त होने के बाद, निर्वाचन क्षेत्र के भीतर कोई भी प्रचार नहीं हो सकता है। राजनीतिक पदाधिकारियों, पार्टी कार्यकर्ताओं, जुलूस–पदाधिकारियों, अभियान पदाधिकारियों आदि की उपस्थिति, जो निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से लाए गए हैं और जो अपने निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं, वे निर्वाचन क्षेत्र में मौजूद नहीं रहेंगे, प्रचार अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्र छोड़ देंगे।
02. राजनीतिक दल के ऐसे पदाधिकारी का राज्य मुख्यालय में अपने रहने के स्थान की घोषणा करनी होगी और इस अवधि के दौरान उनका आवागमन सामान्य रूप से उनके पार्टी कार्यालय और उनके रहने के स्थान के बीच ही सीमित रहेगा।

मतदान के 24 घंटे पहले

01. इस संबंध में मतदान के 48 घंटे पहले के दिशा–निर्देश लागू रहेंगे।

मतदान के दिन

01. उम्मीदवार, चुनाव एजेंट और उम्मीदवार के कार्यकर्ताओं पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक–एक वाहन की अनुमति दी जाएगी।
02. एक वाहन में ड्राइवर सहित 5 से अधिक व्यक्तियों को अनुमतिन हीं दी जाएगी।
03. यदि उम्मीदवार निर्वाचन क्षेत्र से अनुपस्थित हैं, तो किसी अन्य व्यक्ति को उन्हे आवंटित वाहन का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
04. किसी भी नेता को किसी अन्य वाहन को उपयोग करने की अनुमति नहीं रहेगी।
05. परमिट को वाहनों की विंड स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाएगा।
06. किसी उम्मीदवार या उसके एजेंट द्वारा मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने–लेजाने के लिए मुफ्त वाहन उपलब्ध कराने को सख्त मना ही है। उपरोक्त प्रतिबंध यांत्रिक शक्ति या अन्य से चलनेवाले सभी वाहनों पर लागू होंगे, जिनमें टैक्सी, निजी कार, ट्रक, ट्रेलर वाले या बिना ट्रेलर वाले ट्रैक्टर, ऑटो–रिक्शा, ई–रिक्शा, स्कूटर, मोटरबाईक मिनी बसें, स्टेशन वैगन आदि शामिल हैं।
07. उपरोक्त निर्देशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई के अलावा आर.पी. अधिनियम, 1951 और भारतीय दंड संहिता दोनों के प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इन निर्देशों का उल्लंघन करते हुए पाये गये सभी वाहनों को जब्त कर लिया जाएगा। निजी वाहनों का उपयोग मालिकों द्वारा अपने निजी उपयोग के लिए किया जा सकता है, चुनाव से संबंधित नहीं।
08. आवश्यक सेवाओं जैसे अस्पताल वैन, एम्बुलेंस, दूध वैन, पानी के टैंकर, बिजली आपातकालीन ड्यूटी वैन, ड्यूटी पर पुलिस, चुनाव ड्यूटी पर अधिकारियों के लिए उपयोग किए जानेवाले वाहनों को चलने की अनुमति होगी।
09. निजी वाहनों का उपयोग बीमार या विकलांग व्यक्तियों द्वारा अपने स्वयं के उपयोग के लिए किया जा सकता है।
10. मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में कोई भी प्रचार संबंधी पोस्टर या बैनर नहीं लगेगा।
11. मतदान के दौरान पीआरओ एवं अन्य कर्मचारी पीएस में अपना मोबाइल साइलेंट रखेंगे। जरूरत पड़ने पर वे मतदान केंद्र के बाहर से भी बात कर सकते हैं। बूथ लेवल अधिकारी को मतदान केंद्र के बाहर मतदाता सहायता बूथ (वीएबी) पर तैनात किया जाएगा। वे मतदान केंद्रों के पास पीएस के लिए अल्फाबेटिकल रोल लोकेटर के साथ–साथ मोबाईल फोन चालू रखेंगे।

नोडल पदाधिकारी,
विधि व्यवस्था/आदर्श आचार संहिता कोषांग
–सह– अनुमण्डल पदाधिकारी, चतरा।

नोडल पदाधिकारी,
विधि व्यवस्था/आदर्श आचार संहिता कोषांग
–सह–अनुमण्डल पदाधिकारी, सिमरिया।

PR 324938Election(24-25)#D

चुनाव का पर्व DESH KA GARV

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, चतरा

(निषेधाज्ञा आदेश)

दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा–144 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा

भारत निर्वाचन आयोग की घोषणा की तिथि–16.03.2024 से सम्पूर्ण क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। इस कार्यालय के ज्ञापांक–73/न्या0, दिनांक–16.03.2024 के द्वारा सम्पूर्ण चतरा अनुमण्डल क्षेत्र में धारा–144 द0प्र0सं0 लागू की गई थी। चूंकि 60 दिनों की अवधि समाप्त हो गई है।

दिनांक–20.05.2024 को 04–चतरा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का मतदान होना निर्धारित है। विधि–व्यवस्था के मद्देनजर मैं, सुरेन्द्र उराँव, झा0प्र0से0, अनुमण्डल दण्डाधिकारी, सदर चतरा, चतरा अनुमण्डल अन्तर्गत निश्पक्ष चुनाव के आचरण एवं अनुकूल और शान्तिपूर्ण माहौल बनाये रखने के लिए संतुश्ट होकर चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति होने तक अथवा अधिकतम 60 दिनों तक जो पहले हो, दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा–144 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चतरा जिला के चतरा अनुमण्डल के सम्पूर्ण क्षेत्र में निषेधाज्ञा आदेश जारी करते हुए निम्नांकित आदेश जारी करता हूँ :–

लोकसभा आम निर्वाचन–2024 के दौरान प्रचार–प्रसार के संदर्भ में सभी संबंधित प्रत्याशी/उनके निर्वाचन अभिकर्त्ताओं को सूचित किया जाता है कि Manual on Modal Code of conduct, March 2019 के अध्याय आठ के कंडिका 8.1.2 के अनुसार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम–1951 की धारा–126 में मतदान की समाप्ति के लिए निर्धारित अवधि से 48 घंटे पहले किसी भी प्रकार की सभा/रैली तथा Public Meeting को प्रतिबंधित किया जाता है। साथ ही लॉउडस्पीकर की प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा।

- 05 (पाँच) या उससे अधिक व्यक्ति एक साथ इक्ट्ठा होना। एक साथ आवाजाही करना/घूमने की अनुमति नहीं होगी।
- भारतीय दण्ड संहिता में परिभाषित किसी भी अपराध करने तथा शांति भंग करने के उद्देश्य से पाँच या उससे अधिक व्यक्ति का किसी भी स्थान पर एकत्रित होना प्रतिबंधित रहेगा।
- कोई भी व्यक्ति/राजनीतिक दल/संगठन/उम्मीदवार/अभ्यर्थी ऐसे किसी प्रकार का पोस्टर, पर्चा, आलेख, फोटो आदि का प्रयोग नहीं करेंगे, जो किसी व्यक्ति/समुदाय/धर्म/जाति की भावनाओं को आहत करता हो, तथा इससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हो।
- किसी भी व्यक्ति अथवा राजनीतिक दल या संगठन, उम्मीदवार/अभ्यर्थी किसी व्यक्ति विशेष के विरूद्ध ऐसे किसी आपत्तिजनक टिप्पणी, विधि–विरूद्ध संदेश का प्रयोग व्हाट्सएप/फेसबुक/ट्विटर/इंस्टाग्राम अथवा सोशल मिडिया पर या किसी भी तंत्र पर नहीं करेंगें, जिससे किसी भी व्यक्तिगत/मानसिक/धार्मिक/जातीय भावनाएँ आहत होती हों तथा चुनाव संबंधी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होता हो। उक्त का उल्लंघन करने की स्थिति में संबंधित पर सुसंगत धाराओं/प्रावधानों के तहत् कार्रवाई की जाएगी। (Sec 125 of RPA, 1951 और 153A Of IPC)
- किसी भी व्यक्ति/राजनीतिक दल/संगठन/उम्मीदवार/अभ्यर्थी किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग राजनीतिक प्रचार के लिए नहीं करेंगें। मतदाताओं को डराने, धमकाने का कार्य नहीं करेंगें और न हीं किसी भी मतदाता को प्रलोभन में लाने का प्रयास एवं साम्प्रदायिक भावना को भड़काने का कार्य करेंगें। (Sec 129 of RPA, 1951 or IPC 171 (B) (C)(E) and (F) के अन्तर्गत दण्डनीय होगा।
- किसी राजनीतिक दल अथवा अभ्यर्थी अथवा अन्य किसी व्यक्ति के द्वारा ऐसा कोई कार्य नहीं किया जायेगा, जिससे विभिन्न जातियों या धार्मिक या भाषायी समुदायों के बीच घृणा की भावना उत्पन्न हो।
- कोई व्यक्ति शराब, नकदी या कोई अन्य ऐसी सामग्री वितरित करते हुए पाया जाता है, जिससे चुनाव कार्य प्रभावित हो सकता है, तो उसे विधिसम्मत धाराओं/प्रावधानों के तहत् दण्डित किया जायेगा।
- सार्वजनिक खजाने की लागत पर सरकार या पार्टी की उपलब्धियों को हाईलाइट करते हुए किसी भी नई विज्ञापन की अनुमति नहीं होगी और मौजूदा विज्ञापन को जारी रखने की अनुमति नहीं होगी।
- मतदाताओं को कोई प्रलोभन वित्तीय या अन्य किसी प्रकार से प्रदान नहीं करेंगे।
- मतदाताओं के जाति या साम्प्रदायिक भावनाओं से जोड़कर मतदाताओं को आकर्षित नहीं करेंगे।
- विभिन्न जाति या समुदायों या धर्मों के बीच मौजूदा विभेदों को बढ़ावा देने या तनाव पैदा करने का कोई प्रयास नहीं करेंगे।
- चुनाव के दौरान किसी भी राजनीतिक पार्टी या कार्यकर्ता द्वारा भ्रष्टाचारिक प्रथाओं या चुनावी अपराधों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा विधिसम्मत कार्रवाई की जायेगी।
- चुनाव की घोषणा की तारीख से चुनाव समाप्ति तक 10 वाहनों से अधिक के काफिले की अनुमति नहीं होगी, सुरक्षा वाहनों को छोड़कर।
- कोई भी व्यक्ति/राजनीतिक दल/संगठन/उम्मीदवार/अभ्यर्थी किसी भी प्रकार का लाईसेन्सड हथियार लेकर नहीं चलेगा तथा आग्नेयास्त्र, तीर–धनुष, लाठी, भाला एवं मानव शरीर के लिए अन्य घातक हथियार का प्रदर्शन नहीं करेंगे।
- परम्परागत रूप से शस्त्र धारण करने वाले समुदाय (नेपालियों द्वारा खुखरी धारण करने तथा सिखों द्वारा कृपाण धारण करने वाले), विधि–व्यवस्था एवं निर्वाचन कर्त्तव्य पर लगे दण्डाधिकारियों/निर्वाचन कर्मियों और पुलिस पदाधिकारियों पर लागू नहीं रहेगा।
- यह आदेश जिला दण्डाधिकारी द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन के अवसर पर निर्गत किये जाने वाले आदेश के आलोक में निर्दिष्ट स्थान पर शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा शस्त्र निरीक्षण कराने एवं शस्त्र जमा करने हेतु शस्त्र ले जाने वाले अनुज्ञप्तिधारियों पर शिथिल रहेगा।
- कोई भी व्यक्ति/राजनीतिक दल/संगठन/उम्मीदवार/अभ्यर्थी के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदर्श आचार संहिता के संदर्भ में समय–समय पर जारी दिशा–निर्देश के विपरीत कोई भी कार्य नहीं किया जायेगा।
- यह आदेश पूर्वानुमति प्राप्त सभा/जुलूस/शादी/बारात पार्टी/शव–यात्रा/हाट–बाजार/ अस्पताल जा रहे मरीज के साथ–साथ जा रहे व्यक्तियों, विद्यालय एवं महाविद्यालय जाने वाले छात्र/छात्राओं एवं कर्त्तव्य पर तैनात सरकारी कर्मचारी/पुलिस बल पर लागू नहीं होगा।

चूँकि संबंधित सभी व्यक्तियों को तत्काल रूप में नोटिस तामिला कराना संभव नहीं है, अतः यह आदेश एक पक्षीय (Ex-parte) पारित किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से आज दिनांक–17.05.2024 के अपराह्न से जारी किया जाता है।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

वोट जरूर डालेंगे हम

सुरेन्द्र उराँव, झा0प्र0से0,
अनुमण्डल दण्डाधिकारी,
चतरा।

PR.NO.324930District(24-25):D

आध्यात्म

आरिफ मोहम्मद की अयोध्या यात्रा

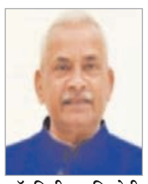
डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

अयोध्या धाम के भव्य श्रीराम मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या कम नहीं हो रही है। मंदिर लोकार्पण के बाद से यह सिलसिला अनवरत जारी है। यहां प्रतिदिन लघु भारत के भी दर्शन होते हैं। भाषा अलग है। लेकिन श्रद्धा भाव समान है। भीषण गर्मी में भी किसी का उत्साह कम नहीं है। अयोध्या की सड़कें, मंदिर सभी जगह श्रीराम की जय जयकार गूंजती रहती है। एक-दूसरे की जो भाषा भी जो नहीं समझते वह भी जय श्रीराम से परस्पर अभिवादन करते है। श्रीराम लला के दर्शन कर लोग भावविह्वल होते है। दर्शनार्थियों के इस हुजूम में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी शामिल हैं। उन्होंने श्रीराम लला के दर्शन किए। मत्था टेका। अयोध्या का पड़ोसी जिला बहराइच आरिफ मोहम्मद खान का चुनावी क्षेत्र रहा है। आरिफ मोहम्मद खान ने न केवल रामलला को जीभर के निहारा बल्कि उन्होंने रामलला के दरबार में उन्हें लेटकर प्रणाम किया और उनके प्रति अपनी भावना समर्पित की। उन्होंने सामाजिक सौहार्द का एक बड़ा संदेश दिया। आरिफ मोहम्मद अपने राष्ट्रवादी विचारों के लिए प्रसिद्ध हैं। वह उर्दू, फारसी, हिंदी संस्कृत आदि अनेक भाषाओं के जानकर हैं। बहुत अध्ययनशील हैं। अपने संबोधन में वह वेद पुराण उपनिषदों का उद्धहरण देते हैं। भारतीय संस्कृति की महत्ता का प्रतिपादन करते हैं। कहते हैं कि यह भारत है जिसने ज्ञान और उसके प्रसार का मानवीय चिंतन दुनिया को दिया। सूर्य सिद्धांत यूरोपीय पुनर्जागरण का आधार है। नौवीं शताब्दी में भारतीय सूर्य सिद्धांत ग्रंथ को लेकर भारतीय मनीषी अरब गए थे। बगदाद के सुल्तान ने उसका अनुवाद कराया। इसके बाद यह ग्रंथ स्पेन के राजा ने मंगवाया। उसका अनुवाद वहां हुआ। युरोपीय पुनर्जागरण इसी भारतीय सिद्धांत पर आधारित है। उपनिषद कहते हैं ज्ञान प्राप्त करो फिर उसको साझा करो। कपिल मुनि ने ज्ञान प्राप्त किया। फिर उसे अपनी मां को सुनाया। यह प्रसार की ही ललक थी। भारतीय चिंतन में सेवा सहायता पूजा की भांति है। इसमें भेदभाव नहीं है। इस भारतीय विरासत पर अमल तय हो जाए तो सभी कार्य अपने आप होते चलेंगे। भारतीय ज्ञान का सारांश गीता में है। भारत में ज्ञान की पूजा हुई। इस मार्ग से भटके तभी भारत परतंत्र हुआ। ज्ञान का प्रसार बंद कर दिया। इसलिए गुलाम हुए। जो ज्ञान को साझा नहीं करता वह सरस्वती का उपासक नहीं खलनायक होता है। महामना मालवीय ने इसी चेतना का जागरण किया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय इसका एक निमित्त या पड़ाव मात्र है। भारतीय संस्कृति का जागरण हो रहा है। ज्ञान की तरह पवित्र करने वाला कुछ नहीं है। ब्रह्मचारी वह है जो विद्यार्थी है। जिसमें जिज्ञासा है। विज्ञान का महत्व है। विज्ञान प्रकृति पर नियन्त्रण का प्रयास करता है। ज्ञान ब्रह्म की ओर ले जाता है। एकता का आधार आत्मा है। मनुष्य ही नहीं जीव-जन्तु सभी में आत्मा है। इसलिए भेदभाव नहीं होना चहिए। आरिफ मोहमद जनवरी में मणिराम दास छावनी में हुए अयोध्या उत्सव में सहभागी हुए थे। उसमें उन्होंने कहा था कि राम मंदिर के निर्माण से पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है। उस खुशी में हिस्सा लेने के लिए आया हूं। श्रीराम का जीवन हमें सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भक्ति आंदोलन की शुरूआत दक्षिण में उत्तर भारत से काफी पहले हो गई थी। आंदोलन में श्रीराम को अवतार के रूप में देखा गया है। सबमें राम सबके राम यह वास्तविकता नजर आती है। आरिफ मोहम्मद खान की भगवान राम पर आस्था किसी से छुपी नहीं है। वह अकसर कहते हैं कि आज भी अगर आप ग्रामीण इलाकों में चले जाएं तो लोग एक दूसरे से राम-राम करते हैं। यहां तक कि जब झगड़ा हो जाता है तो लोग कहते हैं कि राम-राम करो, झगड़ा मत करो। ऐसा कोई नहीं है जिसके दिल में राम न हों। मुसलमान के दिल में भी राम हैं। हम ऐसे देश में रहते हैं जहां कि संस्कृति ये नहीं कहती है कि हम दूसरों पर हमला करें। भगवान राम भारतीय संस्कृति के प्रतिनिधि हैं। राम के व्यक्तित्व की विशेषता यह है कि वह हर युग के महानायक हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आदिवासी जनजीवन के नये जन्म का उजाला

ललित गर्ग

आदिवासी जनजीवन की आर्थिक उन्नति एवं स्वावलम्बन के लिये वे सुखी परिवार ग्रामोद्योग भी संचालित कर रहे हैं। अपने इन्हीं व्यापक उपक्रमों की सफलता के लिये वे कठोर साधना करते हैं और अपने शरीर को तपाते हैं। अपने कार्यक्रमों में वे आदिवासी के साथ-साथ आम लोगों में शिक्षा के साथ-साथ नशा मुक्ति एवं रूढ़ि उन्मूलन की अलख जगाते हैं। उनके प्रयत्नों का उद्देश्य है शिक्षा एवं पढ़ने की रूचि जागृत करने के साथ-साथ आदिवासी जनजीवन के मन में अहिंसा, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगाना है।

सुखी परिवार अभियान के प्रणेता, आदिवासी जनजीवन के मसीहा एवं प्रख्यात जैन संत गणि राजेन्द्र विजय पिछले 36 वर्षों से आदिवासी विषयों एवं मुद्दों को लेकर सक्रिय है, उन्होंने आदिवासी जनजीवन के उन्नयन एवं विकास के लिये अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों-योजनाओं जिनमें शिक्षा, सेवा, चिकित्सा एवं आर्थिक उन्नयन के उपक्रम किये हैं, जो आदिवासी जन-जीवन में उतरती रोशनी है। हाल ही में गुजरात में 4400 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑनलाइन कवांट की आदिवासी महिलाओं से बातचीत करते हुए गणि राजेन्द्र विजय को जिस स्नेह एवं आत्मीयता से याद किया, समूचे देश ने यह परिदृश्य देखा और उनकी सेवाओं को महसूस किया। मोदी का इस तरह इस संत पुरुष को याद करना,उनके गौरव को, उनके होने का भान कराता हैं। इस वर्ष गणि राजेन्द्र विजयजी अपने जन्म दिन 19 मई, 2024 को गुजरात के आदिवासी क्षेत्र कवांट में देश के पहले कौशल विकास विश्वविद्यालय 'भगवान आदिनाथ आदिवासी कौशल विश्वविद्यालय' के बीज को आकार देने को तत्पर हो रहे हैं, जिससे भारत के कौशल का दुनिया में डंका बजेगा एवं आदिवासी जनजीवन विकास की एक नई गाथा लिखने को तत्पर हो निश्चित ही गणि राजेन्द्र विजयजी आदिवासी समाज को उचित दर्जा दिलाने एवं उनकी समस्याओं के समाधान के लिये तत्पर है। वे स्वयं समर्थ एवं समृद्ध है, अतः शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिये स्वयं आगे आएं। एक तरह से एक संतपुरुष के प्रयत्नों से एक सम्पूर्ण पिछडा एवं उपेक्षित आदिवासी समाज स्वयं को आदर्श रूप में निर्मित करने के लिये तत्पर हो रहा है। यह एक अनुकरणीय एवं सराहनीय प्रयास है। लेकिन इन आदिवासी लोगों को राजनीतिक संरक्षक भी मिले, इसके लिये वे सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से सम्पर्क स्थापित कर आदिवासी जीवन के दर्द से उन्हें अवगत कराया एवं इस बार के लोकसभा चुनाव में आदिवासी लोगों को सक्रिय किये हुए है। भारतीय समाज में जिन आदर्शों की कल्पना की गई है, वे भारतीयों को आज भी उतनी ही श्रद्धा से स्वीकार हैं। मूल्य निष्ठा में जनता का विश्वास अभी तक समाप्त नहीं हुआ। व्यक्ति अगर अकेला भी हो पर नैतिकता का पक्षधर हो और उसका विरोध कोई ताकतवर कुटिलता और षड्यंत्र से कर रहा हो तो जनता अकेले आदमी को पसन्द करेगी। इन्हीं मूल्यों की प्रतिष्ठापना, गणि राजेन्द्र विजय के मिशन एवं विजन का उद्देश्य है। गणि राजेन्द्र विजय एक ऐसा व्यक्तित्व है जो आध्यात्मिक विकास और नैतिक उत्थान के प्रयत्न में तपकर और अधिक निखरा है। वे आदिवासी जनजीवन के उत्थान और उन्नयन के लिये लम्बे समय से प्रयासरत हैं और विशेषतः आदिवासी जनजीवन में शिक्षा की योजनाओं को लेकर जागरूक है, इसके लिये सर्वसुविधयुक्त करीब 12 करोड की लागत से एकलव्य आवासीय माडल विद्यालय का निर्माण होकर विगत दो दशकों से शिक्षा की नई उपलब्धियां एवं कीर्तिमान उनके प्रयत्नों से स्थापित कर रहा है। वर्ष 2007 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस विद्यालय एवं अन्य योजनाओं का शुभारंभ करीब डेढ़ लाख आदिवासी लोगों के बीच किया, इतनी विशाल आदिवासी उपस्थिति गणिजी के इस क्षेत्र में प्रभाव को दर्शा रही थी। उनके नेतृत्व में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित है, जिनमें कन्या शिक्षा के लिये ब्राह्मी सुन्दरी कन्या छात्रावास का कुशलतापूर्वक संचालन हो रहा हैं। इसी आदिवासी अंचल में जहां जीवदया की दृष्टि से गौशाला संचालित है तो चिकित्सा और सेवा के लिये चलयमान चिकित्सालय भी अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है। आदिवासी जनजीवन की आर्थिक उन्नति एवं स्वावलम्बन के लिये वे सुखी परिवार ग्रामोद्योग भी संचालित कर रहे हैं। अपने इन्हीं व्यापक उपक्रमों की सफलता के लिये वे कठोर साधना करते हैं और अपने शरीर को तपाते हैं। अपने कार्यक्रमों में वे आदिवासी के साथ-साथ आम लोगों में शिक्षा के साथ-साथ नशा मुक्ति एवं रूढ़ि उन्मूलन की अलख जगाते हैं। उनके प्रयत्नों का उद्देश्य है शिक्षा एवं पढ़ने की रूचि जागृत करने के साथ-साथ आदिवासी जनजीवन के मन में अहिंसा, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगाना है। हर आदमी अपने अन्दर झांके और अपना स्वयं का निरीक्षण करे। आज मानवता इसलिए खतरे में नहीं है कि अनैतिकता बढ़ रही है। अनैतिकता सदैव रही है- कभी कम और कभी ज्यादा। सबसे खतरे वाली बात यह है कि नैतिकता के प्रति आस्था नहीं रही। त्याग, साधना, सादगी, प्रबुद्धता एवं करुणा से ओतप्रोत गणि राजेन्द्र विजयजी आदिवासी जाति की अस्मिता की सुरक्षा के लिए तथा मानवीय मूल्यों को प्रतिष्ठापित करने के लिए सतत प्रयासरत हैं। मानो वे दांडी पकडे.गुजरात के उभरते हुए 'गांधी' हैं। इसी आदिवासी माटी में 19 मई, 1974 को एक आदिवासी परिवार में जन्में गणि राजेन्द्र विजयजी मात्र ग्यारह वर्ष की अवस्था में जैन मुनि बन गये। बीस से अधिक पुस्तकें लिखने वाले इस संत के भीतर एक ज्वाला है, जो कभी अश्लीलता के खिलाफ आन्दोलन करती हुए दिखती है, तो कभी जबरन धर्म परिवर्तन कराने वालों के प्रति मुखर हो जाती है। कभी जल, जमीन, जंगल के अस्तित्व के लिये मुखर हो जाती है। इस संत ने स्वस्थ एवं अहिंसक समाज निर्माण के लिये जिस तरह के प्रयत्न किये हैं, उनमें दिखावा नहीं है, प्रदर्शन नहीं है, प्रचार-प्रसार की भूख नहीं है, किसी सम्मान पाने की लालसा नहीं है, किन्हीं राजनेताओं को अपने मंचों पर बुलाकर अपने शक्ति के प्रदर्शन की अभीप्सा नहीं है। अपनी धून में यह संत आदर्श को स्थापित करने और आदिवासी समाज की शक्ल बदलने के लिये प्रयासरत है और इन प्रयासों के सुपरिणाम देखना हो तो कंवाट, बलद, रंगपुर, बोडेली आदि-आदि आदिवासी क्षेत्रों में देखा जा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

चिंताजनक है मुद्दाविहीन लोकसभा चुनाव

अरुण कुमार दीक्षित

मौजूदा लोकसभा चुनाव मुद्दाविहीन है। जब कोई चुनाव मुद्दों पर आधारित होता है तब पक्ष और विपक्ष के लिए बहस आसान होती है। सत्ता पक्ष के पास अपने अनेक कार्य गिनाने का अवसर चुनाव के समय होता है। सत्ता पक्ष द्वारा अपने पक्ष में रखी जा रही बातों और प्रशंसा का मंच चुनाव होता है। सत्तारूढ़ दल अपने कार्यों को बता कर यदि चुनाव में लाभ उठाता है तो यह उसका अधिकार भी है। विपक्ष के पास सत्ता दल को घेरने के लिए मुद्दे होने चाहिए। इस लोकसभा चुनाव में विपक्ष किसी भी समस्या को मुद्दा नहीं बना पाया। सच तो यह है कि कोई भी सरकार अपने कार्यों से बोलती है और विपक्ष माइक से बोलता है। पूरे पांच साल विपक्ष मुद्दा आधारित लोकहित के विचार सदन के भीतर और बाहर नहीं रख पाया। न ही आंदोलन से अपने पक्ष में वातावरण बना पाया। जनहित की बातों और समस्याओं को लेकर लोकसभा में सकारात्मक चर्चा भी ठीक नहीं रही। राष्ट्रीय बिंदुओं पर जहां विपक्ष भागता रहा, वहीं इसका लाभ सत्ता दल को लगातार मिलता देखा गया। प्रायः सत्तादल की किसी छोटी सी बात या टिप्पणी पर विपक्ष भ्रमित होता देखा गया। जनहित पर चर्चा लोकसभा और विधान मंडल के सदनों में नहीं होने से सामाजिक और राजनीतिक कार्यकताओं में निराशा होती है। सत्ता दल को इसका लाभ मिलता है। राष्ट्र का नुकसान होता है। खास बात यह भी है, कि सदन के भीतर माननीय सदस्यों को मर्यादित रहने, सदन को सुव्यवस्थित चलाने , संसदीय व्यवस्था के अनुसार आचरण करने के प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। सत्र के एक-दो दिन पूर्व सर्वदलीय बैठक और साथ में सत्ता दल द्वारा सदन के सभी दलों के नेताओं के साथ बैठक का आयोजन भी किया जाता है। मगर सदन के पहले दिन ही हंगामा शुरू हो जाता है। सदन चलाने में मोटी धनराशि खर्च होती है। अपने नेता के प्रति वफादारी दिखाने का अवसर सदन में मिलता है। वह इस स्वर्णिम अवसर को खोना नहीं चाहते हैं। चुनाव में जनमानस इस बात का मूल्यांकन करता है उसके क्षेत्र के सांसद और विधान ने सदन में नए कानून पर कितनी चर्चा की। क्या कोई ऐसे सुझाव दिए जो राष्ट्र निर्माण के लिए सुंदर हैं। क्या शिक्षा को लेकर कोई विषय रखा? क्या सदन में पर्यावरण की चिंता की? नदियों में प्रदूषण को घटाने पर कोई उपयोगी सुझाव दिए। क्या इस पर चर्चा हुई कि किसानों की फसल का अधिकतम लाभ मिले। इस पर कितने सांसदों और विधायकों की राय आई। प्रश्न प्रति प्रश्न हुए । सरकार का प्रश्नों में क्या रुख रहा। विधान परिषद सदस्य स्नातक क्षेत्र के भी होते हैं। तो भी स्नातकों की बात क्यों नहीं होती है। सदस्यों ने सदन के भीतर यह जरूर बताया होगा कि किसान के बेटे हैं। गांव से आए हैं। भारत गांव में ही है। बेरोजगारी को लेकर सांसदों- विधायकों की राय सामने नहीं आती है। न ही लोकसभा में न विधानसभा में । आखिर यह विषय आते क्यों नहीं। विपक्ष बोलता नहीं । सत्ता दल मौन होता है, जबकि शक्तियों की बात की जाए तो विधायक, एमएलसी, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य चाहे वे सत्ता दल के हों या हो या विपक्ष के, समान शक्तियों से लैस हैं। मगर वह प्रायः नहीं बोलते। उनके अंदर प्रश्न नहीं उठते। सदन के भीतर अपने क्षेत्र की उपेक्षा करते हैं। वह प्रश्नाकुल नहीं होते हैं। वह उनके लिए भी विचलित नहीं होते जिनके वोट से पदासीन होते हैं। उपनिषदों में एक उपनिषद है-प्रश्नोपनिषद , वह उससे भी प्रेरित नहीं होते। वह किसी सरकारी अस्पताल में चिकित्सक की कमी को भी देखकर सदनों में यह समस्या नहीं रखते हैं। बात चिकित्सा, शिक्षा या नई ट्रेन चलवाने की बस चलवाने, नदियों ,पहाड़ों को बचाने की नहीं है। मूलभूत प्रश्न है संसद, विधानमंडल में जब गांव-गरीब, मजदूर-बेरोजगारी, दवा ,अपराध ,न्याय की चर्चा में भागीदारी नहीं होगी तो उपाय क्या है? हमारे अधिकार क्या हैं। बहुसंख्यक आबादी नहीं जानती कि उनके संवैधानिक अधिकार क्या हैं? आज भी प्राय : लोग मानते हैं कि सांसद या विधायक पुलिस-तहसील में सिफारिश करने के लिए उपयुक्त है। यह काम जनप्रतिनिधियों से कराया जाए। मगर लोकसभा में जब कोई विधेयक लाया जा रहा हो तब सांसदों की क्या भूमिका होती है? देश की जनता प्रायः नहीं जानती है। संसद और विधान मंडल की कार्यवाही में जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी क्या है? इसे लेकर शिक्षित और प्रबुद्ध समाज भी गंभीर नहीं है। जब बेरोजगारी पर बात होती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के बजट पर चर्चा होती है तो किसानों, मजदूरों और डिग्री धारकों के भविष्य पर चर्चा भी होनी चाहिए, ऐसे में जनप्रतिनिधियों की चुप्पी तो चौंकाती ही है। डॉ. जगदीश्वर चतवेर्दी ने अपनी पुस्तक हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका के पेज 85 अध्याय भारतेंदु युगीन पत्रकारिता का परिप्रेक्ष्य में लिखा है कि आधुनिक युग में संस्कृत और राजनीतिक नाभिनालद्वय है जो लोग संस्कृति और राजनीति में संबंध नहीं देखते। वे समाज के प्रति समग्र दृष्टिकोण पैदा भी नहीं कर सकते। इन दिनों परिवारवाद बड़ा मुद्दा है। जातिवाद उन्मूलन बड़ा मुद्दा नहीं है। भ्रष्टाचार मुद्दा नहीं है, यह विषय गंभीर है। इस पर राष्ट्रीय बहस होनी चाहिए। मतदाताओं को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सचेत रहना होगा। डॉ. ओमप्रकाश गाबा की पुस्तक 'राजनीति चिंतन की रूपरेखा' के पेज 163 पर जर्मन दार्शनिक कान्ट ने नैतिकता को सर्वोपरि स्थान देते हुए कहा कि राजनीतिज्ञों को नैतिकता के सामने सदैव नतमस्तक रहना चाहिए। सच्ची राजनीति तब तक एक कदम आगे नहीं बढ़ सकती जब तक वह नैतिक आदर्शों को प्रणाम न कर लें। अपेक्षा की जा सकती है कि नई लोकसभा के साथ नई ऊर्जा तथा समाज राष्ट्र के हितों के लिए काम करेंगे।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

अर्थव्यवस्था

असंगठित क्षेत्र में आधी आबादी की बड़ी हिस्सेदारी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार व आय की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि दूसरे दिन भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती। असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति की बागड़ोर महिलाओं ने ही संभाल रखी है। देश की आर्थिक गतिविधियों के संचालन में असंगठित क्षेत्र की अपनी भूमिका है और इसमें कोई दो राय नहीं कि असंगठित क्षेत्र में श्रम शक्ति को भले ही मेहनत का पूरा पैसा नहीं मिलता हो पर असंगठित क्षेत्र में सर्वाधिक रोजगार के अवसर है। बहुत बड़े वर्ग की रोजी रोटी असंगठित क्षेत्र पर ही टिकी हुई है। हांलाकि असंगठित क्षेत्र की अपनी समस्याएं हैं। इसमें रोजगार की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, नियमित आय का ना होना, स्वास्थ्य सुरक्षा सहित बहुत सी समस्याओं से दो चार होना पड़ता है। हांलाकि सरकार असंगठित क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए समय समय पर योजनाएं लाती है और ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन कराकर उनकी वास्तविक संख्या व आवश्यक जानकारी जुटाते हुए योजनाओं को अंतिम रुप दिया जाता रहा है। खैर बात भले ही थोड़ी अजीब लगे पर वास्तविकता तो यही बयां करती हैं कि आज देश में असंगठित क्षेत्र में पुरुषों के मुकाबलें महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक हो गई है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर देश में 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें से महिला श्रमिकों की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है। असंगठित क्षेत्र में आज महिला श्रमिकों की हिस्सेदारी आधी से भी ज्यादा हो चुकी है। केन्द्र सरकार के ई-श्रम पोर्टल की ही बात करे तो इसमें पंजीकृत 29 करोड़ 56 लाख श्रमिकों में से 53 फीसदी से भी अधिक महिला श्रमिक रजिस्टर्ड हैं जबकि पुरुष श्रमिकों की संख्या यही कोई 46 फीसदी से कुछ ही अधिक है। दरअसल बात भले ही कुछ भी की जाती हो पर तस्वीर तो यही है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक श्रम कर रही थी और कर रही है। भले ही व्हाईट कालर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में कम हो पर आज संगठित व असंगठित क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से पीछे नहीं है। भारत सरकार के ई-श्रम पोर्टल के आंकड़ों की ही भाषा में बात करें तो केरल में सबसे अधिक 59.79 प्रतिशत महिला श्रमिक असंगठित क्षेत्र में है तो आंध्रप्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल आदि सभी जगह पुरुषों की तुलना में महिला श्रमिक अधिक है। दरअसल देखा जाएं तो खेती और पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चल रहा है। शहरों में घरेलू कामकाज और रियल स्टेट क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है। करीब 15 करोड़ श्रमिक खेती किसानी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। इसका अर्थ साफ साफ यह हुआ कि खेती किसानी से आधे से भी अधिक श्रमिक जुड़े हुए हैं और इसमें भी कोई दो राय नहीं कि पुरातन काल से ही पशुपालन तो महिलाओं के भरोसे ही चलता आया है। खेती किसानी में भी महिलाओं की प्रमुख भागीदारी होती है। गली कुचें में बनिये की दुकान, चाय-पानी की स्टॉल या इसी तरह की किसी दुकान में काम करने वाले, चौकटियों में कारीगारी-बेलदारी के काम की प्रतीक्षा करने वाले, खेतों में जुताई, कटाई व इसी तरह के काम करने वाले, छोटे दस्तकारों, कारीगरों, हस्तशिल्पियों, गली मोहल्ले में घूमने वाले वेण्डर्स और अस्थाई काम करने वाले लोग असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की श्रेणी में आते हैं। डेली वेजेज के आधार पर काम करने वाले लोगों को भी इसी श्रेणी में रखा जाएगा। इनमें महिला और पुरुष श्रमिक दोनों ही शामिल है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की अपनी समस्या है। काम मिले तो मिल गया और नहीं मिला तो नहीं मिला। यानी असंगठित क्षेत्र में रोजगार व आय की स्थिरता नहीं होती। यही कारण है कि दूसरे दिन भी काम मिलेगा या नहीं, इसकी कोई गॉरन्टी नहीं होती।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपातकाल की संवैधानिक त्रासदी पुर्नपाठ जरूरी

हृदयनारायण दीक्षित

गांव-गली में शोर है-कौवा कान ले गया। किसी ने नहीं देखा। इसने उससे कहा। उसने अगले से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव में भारी बहुमत पाकर संविधान बदल देंगे। मूलभूत प्रश्न है कि क्या कोई सरकार संविधान समाप्त कर सकती है? क्या कोई सरकार बिना संविधान के ही शासन की संस्थाओं, न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका का संचालन कर सकती है? क्या कोई सरकार संविधान के आधारिक लक्षणों-बेसिक फीचर्स का संशोधन या निरसन कर सकती है? सारे प्रश्नों का उत्तर है-नहीं। कौवा कान ले गया लेकिन कान अपनी जगह ही है। कौवा कांव-कांव कर रहा है। झूठ-मूठ। बचपन में कथा सुनी थी। एक बारात के सारे लोग भाग रहे थे। एक ने दूसरे से पूछा-आप क्यों भाग रहे हैं? दूसरे ने कहा-आप भी भाग रहे हैं? अगले ने कहा-मुझे क्या पता? सब भाग रहे हैं। सो हम भी भाग रहे हैं। बहुत खोज करने पर पता चला कि एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल की चाभी खो गई थी। वह तेज रफ्तार दौड़कर चाभी खोजने गया था। बाकी लोग देखा-देखी अकारण भाग रहे थे। संविधान खात्मे की बहस व्यर्थ है। संविधान साधारण अभिलेख नहीं है। यह राष्ट्र का राजधर्म है। आवश्यकतानुसार संविधान में संशोधन होते रहते हैं। लगभग 105 संशोधन हो चुके हैं। संविधान में ही संविधान संशोधन के प्रावधान हैं। संविधान बदलने और संशोधन करने में मूलभूत अंतर है। संविधान संशोधन विषयक प्रावधान (अनुच्छेद 368-मसौदा संविधान अनुच्छेद 304) पर संविधान सभा में बहस चली थी। एच. वी. कामथ ने कहा था, ''संशोधन आखिरकार क्या है? संशोधन का अर्थ हो सकता है संविधान में कुछ परिवर्तन। उसमें कुछ जोड़ना या उसका निरसन।'' लेकिन चुनाव में संविधान संशोधन को लेकर कोई बहस नहीं है। संविधान खत्म करने की बयानबाजी हास्यास्पद है। संविधान सभा में पी. एस. देशमुख ने कहा था, ''भविष्य में कुछ समय तक संविधान में तमाम परिवर्तन करने आवश्यक होंगे। इसलिए संविधान संशोधन आसान बनाना जरूरी है।'' सभा में अनेक सदस्यों ने विचार व्यक्त किए। डॉ. आम्बेडकर ने कहा, ''आयरिश संविधान में, दोनों सदन सामान्य बहुमत से संविधान के किसी भाग को संशोधित कर सकते हैं। शर्त है कि सदनों के विनिश्चय को जनता का बहुमत अनुमोदित करे। स्विस संविधान में भी विधानमंडल संशोधन विधेयक पारित कर सकता है। लेकिन जनता के अनुसमर्थन की आवश्यकता है।'' उन्होंने अनेक उदाहरण दिए। भारत में संशोधन की शक्ति विधायिका में निहित है। उन्होंने सभा में विचाराधीन विधेयक का विवेचन किया, ''हम संविधान संशोधन को तीन श्रेणियां में बांटते हैं। एक श्रेणी में संसद का साधारण बहुमत पर्याप्त है। दूसरी श्रेणी के संशोधन में दो तिहाई बहुमत आवश्यक है। तीसरी श्रेणी में देश की आधे से अधिक विधानसभाओं का समर्थन आवश्यक है।'' यहां संशोधन की पूरी प्रक्रिया औचित्यपूर्ण है। संविधान सभा में संशोधन प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग थी कि आमजन राजनैतिक प्रणाली को बदलने की मांग कर सकते हैं। जन असंतोष प्रकट करने का कोई मार्ग भी होना चाहिए। डॉक्टर आम्बेडकर ने कहा, ''जो संविधान से असंतुष्ट हैं उन्हें दो तिहाई बहुमत प्राप्त करना होगा। यदि वह व्यस्क मत के आधार पर निर्वाचित संसद में दो तिहाई बहुमत भी नहीं पा सकते तो यह मान लेना चाहिए कि संविधान के प्रति असंतोष में जनता उनके साथ नहीं है।'' उच्चतम न्यायालय ने स्थापना दी थी कि हमारे संविधान का कोई भाग ऐसा नहीं है जिसका संशोधन नहीं हो सकता। गोलकनाथ के चर्चित मुकदमे में 11 जजों की विशेष न्यायपीठ ने 6 न्यायाधीशों के बहुमत से पूर्व विनिश्चय को उलट दिया था और कहा था ''यद्यपि अनुच्छेद 368 में कोई अलग अपवाद नहीं है। लेकिन मूल अधिकारों की प्रवृत्ति ही ऐसी है कि वह अनुच्छेद 368 में संशोधन प्रक्रिया के अधीन नहीं हो सकते। यदि ऐसे किसी अधिकार का संशोधन करना है तो नई संविधान सभा बुलानी पड़ेगी।'' फिर केशवानंद वाद का चर्चित फैसला आया। गोलकनाथ के वाद के समय से ही प्रश्न उठाया जा रहा था कि, ''क्या मौलिक अधिकारों (भाग-3) के बाहर भी संविधान का कोई उपबंध है जो संशोधन की प्रक्रिया से मुक्त है?'' केशवानंद के मुकदमे में बहुमत ने गोलकनाथ के मत को उलट दिया कि अनुच्छेद 368 के अधीन मूल अधिकारों का संशोधन नहीं हो सकता। एक अन्य बड़ी बात भी न्यायालय ने कही है कि संविधान के कुछ आधारिक लक्षण हैं जिनका संशोधन नहीं किया जा सकता। यदि संविधान संशोधन अधिनियम संविधान की आधारिक संरचना में परिवर्तन के लिए है तो न्यायालय उसे शक्तिवाह्य के आधार पर शून्य घोषित करने का अधिकारी होगा। न्यायालय ने भारत की सम्प्रभुता, अखंडता, परिसंघीय प्रणाली, न्यायायिक पुर्नविलोकन, संसदीय प्रणाली आदि अनेक विषयों को संविधान के आधारिक लक्षण बताए। दरअसल चुनाव के मूलभूत मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इंडी गठबंधन संविधान खत्म करने की निराधार कल्पना दोहरा रहा है। संविधान में आपातकाल के लिए देश की आतंरिक अशांति को आधार बताया गया है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ही आतंरिक अशांति से पीड़ित थीं। देश में शांति थी। लोकतांत्रिक आन्दोलन बेशक थे। उन्होंने आपातकालीन प्रावधान (अनुच्छेद 352) का दुरुपयोग किया। इंडी गठबंधन को आपातकाल 1975-77 के समय पारित 42वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 का अध्ययन करना चाहिए। 42वें संशोधन के माध्यम से संविधान के 53 अनुच्छेद एक साथ बदले गए। सातवीं अनुसूची में भी परिवर्तन किए गए। महत्वपूर्ण सिद्धान्तों को बदल दिया गया। संविधान के किसी उपबंध का उल्लंघन करने के आधार पर उसकी संवैधानिकता को चुनौती देने के लिए संघ और राज्यों के कानून में भेद किया गया। यह उपबंध किया गया कि कोई उच्च न्यायालय किसी केन्द्रीय विधि या जिसमें ऐसी विधि के अंतर्गत अधीनस्थ विधान भी सम्मिलित हैं, संविधान विरुद्ध होने के आधार पर अविधि मान्य नहीं कर सकेगा। 42वां संशोधन न्यायपालिका की शक्ति को घटाने वाला था और मौलिक अधिकारों की भी। उच्चतम न्यायालय अपनी अधिकारिता (अनुच्छेद 32) में किसी राज्य विधि को असंवैधानिक घोषित नहीं करेगा। संविधान संशोधन अधिनियमों के न्यायायिक पुर्नविलोकन के अधिकार का भी संशोधन हुआ। उपबंध किया गया कि जिस विधि को संविधान संशोधन विधि बताया जाएगा, उसे न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती। नीति निदेशक तत्व (अनुच्छेद 37) किसी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है। लेकिन उपबंध किया गया कि किसी निदेशक तत्व को क्रियान्वित करने वाली विधि को मूल अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर न्यायायिक पुनर्विलोकन से मुक्त रखा जाएगा। यह मूल संविधान के ठीक उल्टा है। संविधान को तहस-नहस करने का यह प्रयास निन्दनीय है। इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने संविधान और उसकी आत्मा को ही कुचल दिया था। 1977 के आम चुनाव में जनता पार्टी की सरकार आई। नई सरकार ने 43वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से न्यायायिक पुर्नविलोकन के न्यायपालिका के अधिकार की बहाली की। सभी जनविरोधी प्रावधानों को निरस्त कर दिया गया। भारतीय संविधान के इतिहास में संविधान के साथ छेड़खानी का निन्दनीय कृत्य दूसरा नहीं मिलता। संविधान के प्रति भारतीय जन गण मन की निष्ठा है। संविधान बदलने या पूरा संविधान ही खारिज करने और तानाशाही लाने जैसे आरोप हास्यास्पद हैं। वे संविधान बदलने या हटाने की बात उठाकर आपातकाल की संवैधानिक त्रासदी याद दिला रहे हैं। इस दृष्टि से उनका यह कृत्य उपयोगी है। आपातकाल संवैधानिक त्रासदी है। आपातकाल की तानाशाही अत्याचार और संविधान को तहस-नहस करने के कृत्यों का पाठ और पुर्नपाठ जरूरी है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं। ये लेखक के निजी विचार हैं।

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

मालिवाल मारपीट मामले में भाजपा-आप ने लगाए एक दूसरे पर आरोप

दुर्योधन गिरफ्तार, बचाने की कोशिश कर रहे हैं धृतराष्ट्र : शहजाद पूनावाला

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट के मामले में बिभव कुमार की गिरफ्तारी पर कहा कि आधुनिक काल के चीरहरण में दुर्योधन की भूमिका निभाने वाला व्यक्ति तो गिरफ्तार हो गया है, लेकिन आधुनिक काल का धृतराष्ट्र अभी भी मौन है, दुर्योधन को बचाने की कोशिश कर रहा है। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए शहजाद पूनावाला ने कहा कि पहले भ्रष्टाचार, फिर दुराचार, यही आम आदमी पार्टी का व्यवहार है।

उन्होंने स्वाति मालीवाल को लेकर आप नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयानों को निंदनीय बताते हुए कहा कि मेडिकल रिपोर्ट से यह साफ-साफ पता लग रहा है कि स्वाति मालीवाल को मारा-पीटा गया है, लेकिन आम आदमी पार्टी के नेता कह रहे हैं कि स्वाति मालीवाल के कपड़े नहीं फटे हैं, वह लंगड़ा कर नहीं चल रही हैं और गुस्से से चीख नहीं रही है। इस तरह का बयान निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने बिभव कुमार को संरक्षण दिया हुआ है जबकि केजरीवाल को सामने आकर यह बताना चाहिए कि बिभव के पास आखिर कौन से ऐसे राज हैं, जिसकी वजह से बिभव के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय निम्न स्तर तक जाकर भी उसे बचाने का प्रयास कर रहे हैं। पूनावाला ने कहा कि भाजपा पर आरोप लगाना आम आदमी पार्टी की आदत बन चुकी है, जबकि इस मामले में स्वाति मालीवाल उनकी अपनी ही पार्टी की पुरानी नेता हैं, राज्यसभा सांसद हैं और मारपीट करने वाले और करवाने वाले भी आप से ही जुड़े हैं तो फिर वे भाजपा पर आरोप क्यों लगा रहे हैं? कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के बयान का हवाला देते हुए उन्होंने कांग्रेस और आप दोनों के रवैये पर भी सवाल उठाया।

सवाल

- स्वाति मालीवाल के मामले में इंडी गठबंधन के नेता चुप क्यों हैं?
- 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' की बात कहने वाली प्रियंका गांधी और राहुल गांधीआज चुप क्यों हैं?
- प्रियंका चतुर्वेदी स्वाति मालीवाल के साथ हुई मारपीट की घटना पर चुप क्यों हैं?
- सेलेक्टिव फुटेज क्यों जारी कर रही आप.. पूरा वीडियो रिलीज क्यों नहीं करती है?
- बिभव का है आपराधिक इतिहास, इस मामले में बिभव सिर्फ पपेट, असली अपराधी केजरीवाल स्वयं ?

स्वाति मालीवाल की मेडिकल रिपोर्ट में चोट की पुष्टि

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की मेडिकल रिपोर्ट में उनके शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। इस मामले में एम्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि स्वाति मालीवाल को 'बाएं पैर के थाई' पर 3.2 सेंटीमीटर के आकार की चोट थी और उनके 'दाहिनी आंख के नीचे दाहिने गाल' पर 2.2 सेंटीमीटर आकार की एक और चोट थी। इस मेडिकल रिपोर्ट में स्वाति मालीवाल के दिए बयान को भी दर्ज किया गया है। इसके मुताबिक 13 मई को सुबह 9:15 बजे दिल्ली के सीएम हाउस में बिभव कुमार ने उनपर हमला किया। मरीज ने कई बार थप्पड़ मारे जाने की शिकायत की, जिसके बाद उसे धक्का दिया गया। उसका सिर किसी कठोर वस्तु से टकराया। वह फर्श पर गिर गई और उसके बाद उसके पैर, छाती, पेट पर कई बार वार किया गया।

'यह बीजेपी की साजिश, गिरफ्तारी का भय दिखा स्वाति को बनाया हथियार'

एजेंसी। नई दिल्ली

स्वाति मालीवाल से कथित मारपीट के मामले में आम आदमी पार्टी ने सीएम आवास के सीसीटीवी फुटेज को सामने रख स्वाति मालीवाल पर आरोप लगाया है कि यह सब एक बड़ी साजिश के तहत किया जा रहा है। आपकी नेता आतिशी ने इसके पीछे फिर बीजेपी का हाथ बताया है। आतिशी ने बताया कि सीएम आवास के बाहर स्वाति मालीवाल के निकलते वक्त के वीडियो में कोई भी ऐसी बात मेल नहीं खा रही है, जो उन्होंने अपनी एफआईआर में कही हो। ना तो वह लंगड़ा कर चल रही हैं, ना कोई चोट दिखाई दे रही है और ना ही उनके कपड़े फटे हुए हैं। आप नेता आतिशी ने कहा कि इसमें पूरी तरीके से बीजेपी ने षड्यंत्र रचा है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपनी सभी जांच एजेंसियों की मदद से नेताओं को ब्लैकमेल करती हैं और उन्हें अपनी पार्टी में मिला लेती है। आतिशी ने बताया कि दिल्ली महिला आयोग में रहने के दौरान एंटी करप्शन टीम ने महिला आयोग में हुई नियुक्तियों के खिलाफ स्वाति मालीवाल के नाम पर केस दर्ज किया था। अब इस मामले में सजा का डर दिखाकर स्वाति मालीवाल को इस षड्यंत्र का हिस्सा बनाया गया है।

बीजेपी के इशारे पर काम कर रही पुलिस : आतिशी ने दिल्ली पुलिस पर आरोप लगाया है कि बिभव ने सीएम आवास में बिना इजाजत स्वाति मालीवाल के अंदर घुसने समेत पूरी घटना के बारे में दिल्ली पुलिस को ईमेल से शिकायत दी थी। लेकिन दिल्ली पुलिस ने अभी तक उस शिकायत पर मामला दर्ज नहीं किया।

अधिकारियों को धमकाती दिख रही हैं स्वाति : सौरभ

स्वाति मालीवाल के मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने कहा, जब कोई महिला इस तरह के आरोप लगाती है तो लगता है कि उनकी बातों में सच्चाई होगी। हमें भी स्वाति मालीवाल के मामले में यही लगा था, लेकिन जब कल सीएम आवास के ड्राइंग रूम का वीडियो सामने आया, उसमें कुछ अलग ही दिख रहा है। वीडियो में स्वाति अधिकारियों को ही धमकाते हुए दिख रही हैं। वह जो मारपीट और कपड़े फाड़े जाने का आरोप लगा रही हैं, उस वीडियो में ऐसा कुछ नहीं दिख रहा। वह तो आराम से बैठी हुई हैं।

आप के सांसद-विधायक गिरफ्तारी देने रविवार को जाएंगे भाजपा मुख्यालय : केजरीवाल

आप के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को एक वीडियो संदेश के जरिए आरोप लगाया कि भाजपा जेल-जेल खेल रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी सांसद और विधायक रविवार को गिरफ्तारी देने के लिए भाजपा मुख्यालय जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि हमारे नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। उन्हें, मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन, संजय सिंह और आज उनके पीए को गिरफ्तार किया गया। आगे राघव चड्ढा, आतिशि, सौरभ भारद्वाज को गिरफ्तार करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेताओं को दिल्ली में बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सुधार करने के लिए गिरफ्तार किया जा रहा है।

विश्वभर में लोगों के जीवन काल में हो रही है वृद्धि

-ब्यूरो। नई दिल्ली

'द लैंसेट' पत्रिका में प्रकाशित एक वैश्विक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत में 2050 तक पुरुषों का औसत जीवनकाल 75 वर्ष और महिलाओं का 80 वर्ष होने की संभावना है। विश्वभर में पुरुषों की जीवन प्रत्याशा में करीब पांच वर्ष और महिलाओं की जीवन प्रत्याशा में चार वर्ष से अधिक का सुधार होने का अनुमान है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने कहा है कि उन देशों में सुधार सबसे अधिक होने की उम्मीद है, जहां जीवन प्रत्याशा कम है। इससे सभी भौगोलिक क्षेत्रों में जीवन प्रत्याशा में समग्र वृद्धि देखने को मिलेगी। शोधकर्ताओं के मुताबिक, हृदय रोगो, कोविड-19, जच्चा- बच्चा व पोषण संबंधी बीमारियों और अन्य संक्रामक रोगों से बचाव को लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय लोगों के जीवित रहने की दर में सुधार करने वाले कारक हैं। इनसे बड़े पैमाने पर विश्व स्तर पर जीवन प्रत्याशा में वृद्धि दिखने को मिलेगी। शोधकर्ताओं ने कहा कि दुनियाभर में स्वस्थ जीवन प्रत्याशा आने वाले वर्षों में 2.6 साल बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में जीवन प्रत्याशा का आंकड़ा जहां 64.8 वर्ष था, वहीं 2050 में यह बढ़कर 67.4 वर्ष हो जाएगा। अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि भारत में 2050 तक पुरुषों की जीवन प्रत्याशा औसतन 75 वर्ष से अधिक और महिलाओं के लिए यह लगभग 80 वर्ष हो सकती है।

भारत में 2050 तक पुरुषों का औसत जीवनकाल 75 वर्ष, महिलाओं का 80 वर्ष होने की संभावना है

हालांकि, भारत में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 'स्वस्थ जीवन प्रत्याशा' 65 वर्ष से अधिक होने का अनुमान लगाया गया है। इस अध्ययन में शामिल अमेरिका के वाशिंगटन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन के निदेशक क्रिस मुरे ने कहा, हमने पाया है कि समग्र रूप से जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के साथ ही विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में जीवन प्रत्याशा में असमानता कम हो जाएगी। यह एक संकेतक है कि उच्चतम और निम्नतम आय वाले क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य असमानताएं बनी रहेंगी, लेकिन अंतर कम हो रहा है। उप-सहारा अफ्रीका क्षेत्र में जीवन प्रत्याशा को लेकर अधिक सुधार होने की उम्मीद है।

आज का राशिफल

मेष — भव्यता और जीवनशैली पर ध्यान देंगे। अपनों के प्रति प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। निजी विषयों के प्रति रुचि बढ़ाएंगे। सभी क्षेत्रों में आकर्षक प्रदर्शन करेंगे। अन्य की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। संग्रह संरक्षण बढ़ाएंगे। लक्ष्य पर फोकस रखेंगे। शुभकार्यों की रूपरेखा बनेगी।
शुभांक 1-6-9

वृषभ — सृजनात्मक कार्यों से जुड़ेंगे। दोपहर बाद परिस्थितियां सकारात्मक होंगी। कार्यगति सहज बनाए रखेंगे। पूर्वार्ध में खर्च निवेश के मामलों में धैर्य दिखाएं। न्यायिक विषयों में जल्दबाजी से बचें। कामकाजी संबंध सुधारेंगे। पेशेवर सहयोगियों का साथ रहेगा। महत्वपूर्ण मामलों में सतर्क रहेंगे।
शुभांक 1-4-6

मिथुन — महत्वपूर्ण कार्यों को मध्याह्न तक कर लेने का प्रयास रखें। आरंभिक मामलों में तेजी रहेगी। करियर कारोबार में आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण मामलों को गति देंगे। करियर व्यापार बेहतर रहेगा। विविध स्त्रोतों से आय होगी। प्रबंधन प्रशासन के मामले बनेंगे। सभी के सहयोग से आगे बढ़ेंगे।
शुभांक 1-4-5

कर्क — कार्यक्षेत्र व्यवस्थित और उन्नति पथ पर गतिमान रहेगा। प्रशासनिक विषयों को गति देंगे। भेंटवार्ता में प्रभावशाली बने रहेंगे। समय प्रबंधन पर बल बनाए रखेंगे। कार्या को गति देंगे। आर्थिक सौदेबाजी में सफल होंगे। क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करेंगे। अनुकूलता का प्रतिशत बढ़त पर बना रहेगा।
शुभांक 1-2-4

सिंह — योग्यता संग भाग्य का संयोग सफलता के शिखर तक ले जा सकता है। जिम्मेदारों लोगों से भेंट होगी। पेशेवर संभावनाएं बल पाएंगी। दीर्घकालिक योजनाओं में गति आएगी। लाभ संवार पाएगा। सभी क्षेत्रों में प्रभावपूर्ण प्रदर्शन रहेगा। कार्य व्यापार को गति मिलेगी।
शुभांक 1-4

कन्या — तेजी से सकारात्मक बदलाव के संकेत हैं। दोपहर बाद से परिस्थितियों में अनुकूलन आएगा। वाणी व्यवहार में सजग रहेंगे। खानपान में सुधार रहेगा। आवश्यक कार्यों की सूची बनाएंगे। तैयारी के साथ योजनानुसार आगे बढ़ेंगे। स्मार्ट वर्किंग बनाए रखेंगे। नीति नियमों पर भरोसा रखें।
शुभांक 1-4-5

तुला — महत्वपूर्ण मामलों में ढिलाई न दिखाएं। दोपहर से पूर्व अधिकांश विषय पूर्ण करने का प्रयास बनाए रखें। खानपान एवं दिनचर्या पर ध्यान दें। स्वास्थ्यगत मामलों में सजगता बढ़ाएं। सभी का आदर सम्मान करेंगे। साझेदारी का प्रयास बढ़ेगा। उद्योग व्यापार में प्रभावी रहेंगे।
शुभांक 1-4-6

वृश्चिक — समय उत्तरोत्तर सुधार पर बना हुआ है। महत्वपूर्ण कार्या में गति लाएं। दोपहर से अनुकूलन का स्तर तेज होगा। कर्मठता से जगह बनाए रखने में सफल होंगे। नौकरीपेशा अधिक अच्छा करेंगे। पेशेवर भेंटवाताएँ सफल होंगी। सहकर्मियों में सामंजस्य बढ़ेगा। आर्थिक पक्ष बढ़त पर रहेगा।
शुभांक 1-6-9

धनु — समय अनुकूल बना हुआ है। आवश्यक विषयों में शीघ्रता बनाए रखेंगे। बौद्धिक प्रयासों में सफल रहेंगे। मित्र संबंधों में गति रहेगी। विभिन्न मामलों में सहजता रहेगी। कार्य व्यापार में प्रभाव बना रहेगा। व्यक्तिगत सफलताओं को बढ़ावा मिलेगा। विभिन्न मोर्चां पर सक्रियता बनाए रहेंगे।
शुभांक 1-3-6

मकर — सहज संकोच दूर होगा। बौद्धिक समझ बढ़ेगी। वाणी व्यवहार पर नियंत्रण रखेंगे। अपनों का भरोसा बनाए रखेंगे। कार्य व्यापार में सुधार आएगा। निसंकोच अगे बढ़ेंगे। वाणिज्य व्यवसाय में वृद्धि होगी। सफलता प्रतिशत बढ़ेगा। भौतिक विषयों पर ध्यान देंगे। प्रबंधन पर ध्यान देंगे।
शुभांक 4-6-8

कुम्भ — महत्वपूर्ण कार्यों में तेजी बनाए रखें। दोपहर बात निजी विषयों में व्यस्तता बनी रह सकती है। विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मकता रहेगी। साहस पराक्रम के अवसर बढ़ेंगे। कम दूरी की यात्रा संभव है। जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। चर्चा संवाद बनाए रखेंगे। सहकारी प्रयासों से जुड़ेंगे।
शुभांक 1-4-6

मीन — खुशियों का आगमन बना रहेगा। महत्वपूर्ण विषयों में पहल पराक्रम बनाए रखेंगे। अनुशासन से आगे बढ़ेंगे। संग्रह संरक्षण में रुचि रहेगी। मेलजोल बढ़ाएंगे। संपर्क का दायरा बड़ा होगा। भेंटवार्ता में सहज रहेंगे। संस्कारों को बल मिलेगा। मांगलिक कार्यों को बढ़ावा देंगे। कुल कुटुम्ब पर फोकस बढ़ाएंगे। आदर्शों का पालन करेंगे।
शुभांक 1-3-6

पीएम की सभा में पहुंचे नागरिकता पाए लोग, जताया आभार

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पीएम मोदी ने उत्तर पूर्वी दिल्ली के करतार नगर में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस सभी में दूसरे देश से भारत आकर बसने वाली महिलाएं भी शामिल हुईं। भारत की नागरिकता मिलने पर इन महिलाओं ने पीएम मोदी का धन्यवाद किया। इन महिलाओं का कहना है कि नागरिकता मिलने से वह बहुत खुश हैं। नागरिकता मिलने पर एक महिला ने मीरा पीएम मोदी का आभार जताया। वहीं, एक अन्य महिला ने कहा, नागरिकता के लिए हम आस लगाकर बैठे हुए थे कि पीएम मोदी हमें नागरिकता देंगे। महिलाओं ने कहा कि हम पीएम मोदी के परिवार हैं और सात पीढ़ी तक पीएम मोदी के परिवार रहेंगे। वहीं, पाकिस्तान के सिंध से साल 2011 में भारत आने वाली शयानी नामक महिला ने कहा, हमें पीएम मोदी पर पूरा भरोसा था, जब सभी को नागरिकता दी जा रही है तो हमें भी मिल ही जाएगी। अब मिल गई है। पीएम मोदी ने हमें ठप्पा दे दिया है, हमें नागरिकता मिल गई है। उन्होंने कहा कि कई लोगों को नागरिकता मिल गई है, हमें बहुत खुशी हो रही है। इस दौरान लोगों ने पीएम मोदी के समर्थन में नारे भी लगाए। पीएम मोदी की जनसभा में शामिल इन महिलाओं के हाथों में पोस्टर्स और तख्तियां भी देखी गईं। इस तख्तियों पर लिखा नजर आया -- 'जिन्होंने हमें नागरिकता दी, हम उनके साथ हैं', 'मैं हूं मोदी का परिवार', 'नागरिकता संशोधन अधिनियम के संकल्प को सिद्ध करने के लिए धन्यवाद मोदी जी'। जनसभा के बाद पीएम मोदी ने उन पाकिस्तानी शरणार्थियों से भी मुलाकात की, जिन्हें हाल ही में सीएए के तहत भारतीय नागरिकता दी गई है।

इजरायली सेना ने गाजा में तीन बंधकों के शव किए बरामद

यरुशलम। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) और इजरायली सुरक्षा एजेंसी (आईएसए) ने एक संयुक्त अभियान में गाजा पट्टी में तीन इजरायली बंधकों के शव बरामद किए हैं। आईडीएफ के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने हगारी के हवाले से बताया, "पिछले साल 7 अक्टूबर को नोवा रेव पार्टी में हमास के हमले के दौरान तीन इजरायली शनि लौक, अमित बुस्किला और इत्जिक गेलेंटर का अपहरण कर बेरहमी से हत्या कर दी गई, और उनके शवों को गाजा पट्टी ले जाया गया।" आईडीएफ ने शुक्रवार को कहा कि यह ऑपरेशन गाजा पट्टी में गिरफ्तार किए गए हमास आतंकवादियों की जांच और सैन्य खुफिया निदेशालय द्वारा प्रदान किए गए खुफिया जानकारी पर आधारित था।

सी-विजिल एप से 4.24 लाख शिकायतें मिलीं 99.9 प्रतिशत निस्तारित : आयोग

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि आम चुनाव 2024 की घोषणा के बाद से सी-विजिल एप के माध्यम से अब तक 4.24 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं और इनमें से 99.9 प्रतिशत मामलों का तेजी से समाधान किया गया। चुनाव आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि आम चुनाव की घोषणा के बाद से 15 मई तक इस एप के माध्यम से 4.24 लाख से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 4,23,908 शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है और शेष 409 मामले प्रक्रियाधीन हैं। लगभग 89 प्रतिशत शिकायतों का समाधान 100 मिनट की समयसीमा के भीतर किया गया। आयोग ने कहा कि लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग का सी-विजिल एप लोगों के हाथों में चुनाव संहिता के उल्लंघन को चिह्नित करने के लिए एक अत्यधिक प्रभावी उपकरण के रूप में उभरा है। इसमें लाउडस्पीकरों का अनधिकृत उपयोग, निषिद्ध अवधि के दौरान प्रचार करना, बैनर और पोस्टरों का अवैध प्लेसमेंट, वाहनों का दुरुपयोग, संपत्ति विरूपण, आग्नेयास्त्रों का प्रदर्शन, शराब और नकदी, मुफ्त चीजों को प्रलोभनों का वितरण शामिल है।

आयोग ने श्रेणीवार शिकायतों के आंकड़े जारी करते हुए बताया कि अन्य श्रेणी में 66,293 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। स्पीकर के इस्तेमाल/धार्मिक या सांप्रदायिक भाषणों की 2883 शिकायतें, निषिद्ध अवधि के दौरान प्रचार की 4,742, बिना अनुमति के वाहन या काफिला की 2,697, नकद, शराब और मुफ्त वस्तुओं का वितरण करने की 7,022 शिकायतें, बिना अनुमति के पोस्टर/बैनर लगाने की 324,228, संपत्ति विरूपण की 14,022 और आग्नेयास्त्रों का प्रदर्शन/धमकी की 2,430 शिकायतें प्राप्त हुईं।

नासा | बोइंग स्टारलाइनर के मानव मिशन में फिर देरी

25 मई को उड़ान भरने की संभावना

एजेंसी। नई दिल्ली

नासा ने शनिवार को कहा कि कैप्सूल थ्रस्टर्स में से एक में हीलियम का रिसाव पाए जाने के चलते बोइंग स्टारलाइनर के ऐतिहासिक मानवयुक्त मिशन में एक बार फिर देरी हो गई है।

इस मिशन में चालक दल के सदस्यों के रूप में नासा के अंतरिक्ष यात्रिय बुच विल्मोर और भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स शामिल हैं। मिशन के अब 25 मई को उड़ान भरने की उम्मीद है।

नासा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नासा, बोइंग स्पेस और यूनाइटेड लॉन्च अलायंस (यूएलए) अब एजेंसी के बोइंग क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन के लॉन्च के लिए 25 मई को दोपहर बाद 3:09 बजे का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

इसमें कहा गया है, टीमें स्टारलाइनर सर्विस मॉड्यूल पर स्थिर हीलियम रिसाव को रोकने के लिए अगले उपायों को अंतिम रूप देने के लिए अतिरिक्त समय का उपयोग करेंगी। पिछले लंबे समय से कई बार देरी का सामना करने के बाद, स्टारलाइनर के पहले क्रू मिशन की योजना 7 मई को बनाई गई थी। हालांकि, यूनाइटेड लॉन्च एलायंस के एटलस वी रॉकेट के ऊपरी चरण पर वाल्व की समस्या के चलते लॉन्च से दो घंटे पहले इसे रद्द कर दिया गया। नासा के अधिकारियों ने 15 मई को स्टारलाइनर के हीलियम सिस्टम पर दबाव परीक्षण किया, जिससे पता चला कि फ्लैंज में रिसाव स्थिर है और उड़ान के दौरान उस स्तर पर कोई खतरा पैदा नहीं होगा।

परिचालन प्रक्रियाएं विकसित करने पर हो रहा काम

नासा ने कहा, परीक्षण में यह भी संकेत मिला कि थ्रस्टर सिस्टम के बाकी हिस्से को पूरे सर्विस मॉड्यूल में प्रभावी ढंग से सील कर दिया गया है। बोइंग ने कहा कि टीमें परिचालन प्रक्रियाएं विकसित करने के लिए काम कर रही हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सिस्टम उड़ान के दौरान पर्याप्त प्रदर्शन क्षमता बनाए रखे। इस बीच, यूएलए के एटलस वी रॉकेट और बोइंग का स्टारलाइनर, जिसे लॉन्च पैड से वापस ले जाया गया था, को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन पर स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स -41 स्थित वर्टिकल इंटीग्रेशन सुविधा में रखा गया है। अंतरिक्ष यात्री विल्मोर और विलियम्स प्री-लॉन्च ऑपरेशन की प्रगति के चलते ह्यूस्टन में क्वारंटीन में रहेंगे।

न्यूज बॉक्स

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने परिवार के साथ किए रामलला के दर्शन

अयोध्या। दो दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को अपने परिवार के साथ रामलला के दर्शन किए। इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति मंदिर परिसर में करीब डेढ़ घंटे तक रहे। उन्होंने राम मंदिर निर्माण सहित पूरे परिसर को देखा। इस दो दिवसीय यात्रा में करीब 80 लोगों को समूह उनके साथ है। उनकी अगवानी के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चम्पत राय पहले से मंदिर परिसर में थे। पूर्व राष्ट्रपति रामलला के दर्शन-पूजन के बाद कुबेर टीला भी गये और पक्षिराज जटायु की विशाल प्रतिमा के समक्ष श्रद्धापूर्वक नतमस्तक हुए। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद शुक्रवार दोपहर बाद ही परिवारजनों के साथ रामनगरी पहुंच गए थे। पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह वंदे भारत ट्रेन से परिवार समेत अयोध्या पहुंचे। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन से सभी जैन मंदिर पहुंचे। इसके बाद पूरे परिवार के साथ पूर्व राष्ट्रपति मां सरयू के तट पर दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे। उन्होंने सरयू की आरती उतारी। फिर हनुमान जी के दरबार पहुंचकर दर्शन किये।

बिहार के खगड़िया में रील बनाने के चक्कर में छह डूबे, चार लापता

पटना। बिहार के खगड़िया में शनिवार को रील बनाने के चक्कर में छह युवक-युवतियां डूब गए, जिसमें चार अभी तक लापता हैं। बाल-बाल बचे एक युवक और एक युवती को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना अगुवानी गंगा घाट की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम गंगा में डूबे चारों लड़कों को तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक कुछ लड़के-लड़कियां अगुवानी घाट पर रील बनाने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान पांच युवक और एक युवती गंगा में डूब गए। एक युवक और एक युवती तो किसी तरह से जान बचाकर गंगा से बाहर चले आए लेकिन चार लड़के गंगा के गहरे पानी में चले गए। लापता लड़कों में मुकेश चौधरी, राजन कुमार, आदित्य कुमार और श्याम कुमार हैं। मौके पर परबता के सीओ और थानाध्यक्ष कैंप कर रहे हैं। घटना के बाद लड़कों के परिजनों में कोहराम मच गया है।

हरियाणा में टूरिस्ट बस में लगी आग आठ की मौत, कई घायल

नूंह (हरियाण)। हरियाणा के नूंह में बीती रात एक टूरिस्ट बस में आग लग जाने से उसमें सवार आठ लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। इसके अलावा कई घायल बताये जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस में करीब 60 लोग सवार थे। वीडियो में सड़क पर खड़ी बस पूरी तरह आग की चपेट में दिख रही है। घटना के बाद आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। बस में आग लगने के कारण के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। अब तक आठ लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी है जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल बताये जा रहे हैं।

अफगानिस्तान में बारिश, तूफान और बाढ़ से 50 लोगों की मौत

फिरोज कोह (अफगानिस्तान)। पश्चिम अफगानिस्तान के घोर (गोर) प्रांत में बीते 24 घंटों में कम से कम 50 लोगों के मौत की खबर है, जबकि 10 अन्य लापता हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता अब्दुलरहमान बदरेस ने कहा, "बाढ़ ने प्रांत के शाहरक, डुलिना, लाल और सरजंगल जिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें 2,000 आवासीय घर और 2,500 दुकानें तबाह हो गईं।" समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, घोर के गवर्नर अब्दुल वाहिद हमास के प्रवक्ता ने कहा कि 10 मई को प्रांत और अफगानिस्तान के अन्य क्षेत्रों में अचानक आई बाढ़ के दौरान घोर में सात अन्य लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश और बाढ़ ने घोर के पड़ोसी प्रांतों हेरात और फराह की सड़कें भी अवरुद्ध कर दीं। अफगानिस्तान में पिछले महीने से भारी बारिश हो रही है और बाढ़ के लगातार हालात बने हुए है, जिसमें जान-माल की क्षति हुई है।

एक नजर

यूरोप दौरे पर रवाना हुई भारतीय जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीम

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीम शनिवार तड़के यूरोप के दौरे पर रवाना हुईं। दौरे के दौरान, पुरुष टीम बेल्जियम, ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग पुश और जर्मनी से प्रतिस्पर्धा करेगी, जबकि महिला हॉकी टीम बेल्जियम, ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग पुश, जर्मनी और ओरांजे रूड से भिड़ेगी। कप्तान ज्योति सिंह के नेतृत्व में, भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम 21 मई को ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग पुश के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी, इसके बाद 22 मई को ब्रेडा में बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलेगी। टीम 24 मई को बेल्जियम से मुकाबला करने के लिए एंटवर्प जाएगी और 26 मई को जर्मनी से खेलने के लिए ब्रेडा लौटेगी। वे 27 मई को फिर से जर्मनी का सामना करने के लिए डसेलडोर्फ की यात्रा करेंगे, उसके बाद 29 मई को ब्रेडा में ओरांजे रूड के खिलाफ मैच के साथ यूरोप दौरा समाप्त होगा।

गेट टेस्फॉ ने महिलाओं की 1,500 मीटर टी11 रेस में बनाया विश्व रिकॉर्ड

कोबे। इथियोपियाई पैरा एथलीट यायेश गेट टेस्फॉ ने शनिवार को यहां पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 1,500 मीटर टी11 फाइनल में एक नए विश्व रिकॉर्ड के साथ जीत हासिल की। दृष्टिबाधित धावक ने मध्य जापानी बंदरगाह शहर कोबे के यूनिवर्सिएड मेमोरियल स्टेडियम में 4 मिनट 31.77 सेकेंड का समय निकाला, जो पिछले रिकॉर्ड से लगभग छह सेकेंड कम है। चीन की ही शानशान को 4:34.12 के नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ रजत पदक मिला। दक्षिण अफ्रीका की लुजैन कोएत्जी ने कांस्य पदक जीता। पहली बार पूर्वी एशिया में आयोजित और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों के लिए एक महत्वपूर्ण क्वालीफायर, कोबे 2024 पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में 168 स्पधाओं में 100 देशों और क्षेत्रों के 1,000 से अधिक एथलीट प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

केकेआर को हरा दूसरा स्थान पक्का करना चाहेगा रॉयल्स

एजेंसी। गुवाहाटी

राजस्थान रॉयल्स चार मैचों के हार के सिलसिले को तोड़कर रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मैच में चोटी की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर शीर्ष दो में जगह पक्की करने उतरेगी। सोलह अंक लेकर प्लेऑफ में जगह बना चुके रॉयल्स लगातार चार मैच हार चुके हैं। पिछले दो मैचों में टीम 150 के पार भी नहीं पहुंच सकी और अब इंग्लैंड के स्टार सलामी बल्लेबाज के स्वदेश लौटने के बाद उसकी राह और कठिन हो गई है। ऐसे में यशस्वी जायसवाल, कप्तान संजू सैमसन और स्थानीय हीरो रियान पराग को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी।

प्लेऑफ में शीर्ष दो में रहकर जाने से उनके पास फाइनल में पहुंचने के दो मौके रहेंगे। केकेआर के 19 अंक है और उसका शीर्ष पर रहना तय है। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछला मैच बारिश में धुलने से उसे एक अंक मिला। केकेआर के हौसले बुलंद है लेकिन उसे आत्ममुग्धता से बचना होगा। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 11 मई को ईडन गार्डंस पर हुए मुकाबले के बाद से केकेआर ने बारिश की भेंट हुए इस मैच के अलावा कोई मुकाबला नहीं खेला है।

कोलकाता नाइट राइडर्स : रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सुनील नरेन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), वेंकटेश अय्यर, नितीश राणा, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, मिशेल स्टार्क, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती

राजस्थान रॉयल्स : टॉम कोहलर-कैडमोर, यशस्वी जायसवाल, संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), रियान पराग, ध्रुव जुरेल, रोवमैन पॉवेल, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, संदीप शर्मा, आवेश खान, युजवेंद्र चहल

अहमदाबाद जाकर एक दिन के अभ्यास के लिए कोलकाता लौटना और फिर आखिरी लीग मैच के लिए गुवाहाटी जाना थकाऊ रहा होगा और इससे उनकी लय पर असर पड़ सकता है। अब देखना यह होगा कि मेंटोर गौतम गंभीर की टीम इस लय को बरकरार रख पाती है या नहीं। उसके पास फॉर्म में चल रहा इंग्लैंड का सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट भी नहीं है जो पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिये स्वदेश लौट चुके हैं। केकेआर के दो सलामी बल्लेबाजों साल्ट और सुनील नारायण ने मिलकर इस सत्र में सात अर्धशतक और एक शतक समेत 182 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 897 रन बनाए हैं।

हमने अच्छी गुणवत्ता वाली क्रिकेट नहीं खेली : हार्दिक

मुंबई। वानखेड़े स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अपनी टीम की 18 रन की निराशाजनक हार के बाद, मुंबई इंडियंस (एमआई) के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को अच्छी गुणवत्ता वाली क्रिकेट नहीं खेली। हार्दिक ने एलएसजी द्वारा दिए गए 215 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 123.08 के स्ट्राइक रेट से 13 गेंदों पर 16 रन बनाए। मैच के हार्दिक ने कहा कि उनकी टीम आईपीएल 2024 में गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शन करने में विफल रही और इसके कारण उन्हें एक सीजन गंवाना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह बताना जल्दबाजी होगी कि एमआई के लिए क्या गलत हुआ। उन्होंने कहा, काफी कठिन। अच्छी गुणवत्ता वाली क्रिकेट नहीं खेल सके, अंततः हमें पूरे सीजन का नुकसान उठाना पड़ा।

आईपीएल 2024 में एलएसजी के खराब प्रदर्शन पर केएल राहुल ने जताई निराशा

एजेंसी। मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के अपने आखिरी मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के बाद, लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के कप्तान केएल राहुल ने शुक्रवार को कहा कि वह लीग के इस संस्करण में टीम के समग्र प्रदर्शन से निराश हैं। रोहित शर्मा और नमन धीर की आतिशी पारी के बावजूद मुंबई को वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल 2024 मैच में एलएसजी के खिलाफ 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। विकेटकीपर-बल्लेबाज राहुल ने जोर देकर कहा कि मौजूदा सीजन की शुरूआत में, उन्हें वास्तव में लगा कि एलएसजी के पास एक मजबूत टीम है, जिसमें अधिकांश बेस शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि कैश-रिच लीग के चल रहे 17वें संस्करण में लखनऊ फ्रेंचाइजी को काफी चोटों का भी सामना करना पड़ा।

राहुल ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, बहुत निराशाजनक। सीजन की शुरूआत में, मुझे वास्तव में लगा कि हमारे पास एक मजबूत टीम थी और अधिकांश बेस कवर थे। कुछ चोटें - हर टीम को होती हैं। हम सामूहिक रूप से अच्छा नहीं खेल सके। हमने मुंबई के खिलाफ सचमुच अच्छा प्रदर्शन किया, यह उस तरह का खेल है जिसे हम और अधिक खेलना चाहते थे। दुर्भाग्यवश, हमने ऐसा नहीं किया। वास्तव में खुशी की बात यह है कि फ्रेंचाइजी ने भारतीय तेज गेंदबाजों साथ काफी समय और ऊर्जा निवेश की है। ये साल में सिर्फ दो महीने नहीं हैं। हमने मयंक और युद्धवीर को मोर्ने मोर्कल के साथ प्रशिक्षण के लिए दक्षिण अफ्रीका भेजा। उनकी मेहनत रंग लाई है।

जाम्बिया ने युगांडा को किया बाहर

एजेंसी। कंपाला

फीफा अंडर -17 महिला विश्व कप क्वालीफायर 2024 के तीसरे दौर के दूसरे चरण में शुक्रवार को जाम्बिया पर 1-0 से मिली जीत बावजूद युगांडा 2-1 के कुल स्कोर से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। जाम्बिया ने पिछले रविवार को नेशनल हीरोज स्टेडियम में रूथ मुकोमा और नमुते चिलेशे के गोलों की बदौलत क्वालीफायर के तीसरे दौर के पहले चरण में 2-0 से जीत दर्ज की थी। युगांडा को आगे बढ़ने के लिए इस मैच को 3 गोलों के अंतर से जीतना था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।सेंट मैरीज स्टेडियम, किटेन्डे में खेले गए मैच में पहला हाफ गोलरहित रहने के बाद, मेजबान युगांडा ने दूसरे हाफ में दबाव बनाया और 73वें मिनट में सिल्विया काबेने ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। युगांडा की युवा महिला टीम ने इसके बाद गोल करने के और प्रयास किये, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली और टीम क्वालीफायर से बाहर हो गई। मैच के बाद जाम्बिया के कोच कैरोल कान्येम्बा ने मेजबान टीम के दबाव को झेलकर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपनी टीम की प्रशंसा की। कान्येम्बा ने सिन्हुआ के हवाले से कहा, मुझे खुशी है कि हमने चौथे दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया है और हमें कड़ी मेहनत करते रहने की जरूरत है क्योंकि हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए भूखे हैं।

25 मई को न्यूयॉर्क रवाना होंगे अधिकांश भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत के अधिकांश क्रिकेटर और सहयोगी स्टाफ टी20 विश्व कप के लिए 25 मई को न्यूयॉर्क रवाना होंगे जबकि बाकी 26 मई को आईपीएल फाइनल के बाद जाएंगे। इससे पहले आईपीएल प्लेआफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी टीमों के सदस्यों को 21 मई को रवाना होना था लेकिन बाद में योजना में बदलाव हुआ। अब वे 25 मई को रवाना होंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और सहयोगी स्टाफ 25 मई को रवाना होगा।

सिफ्ट कौर और नीरज ने मारी बाजी

ओलंपिक चयन ट्रायल

एजेंसी। नई दिल्ली/भोपाल

सिफ्ट कौर समरा ने अपना तीसरा (चार में से) महिलाओं का 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) जीता, जबकि नीरज कुमार ने पुरुषों का 3पी ओएसटी दूसरी बार जीता। ओएसटी 3 एवं 4 राइफल/पिस्टल के अंतिम से पहले वाले दिन के सभी इवेंट्स शनिवार को यहां भोपाल में एम पी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में संपन्न हुए। सिफ्ट ने महिलाओं के 3पी ओएसटी टी4 फाइनल में 461.3 का स्कोर बनाकर निश्चल को एक अंक से हराया। आशी चौकसे 448.1 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पांच महिलाओं की प्रतिस्पर्धा में श्रीयंका सदांगी और अंजुम मौदगिल क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं।

पुरुषों की 3पी में, नीरज कुमार 462.9 के साथ शीर्ष पर रहे, जो दूसरे स्थान पर रहे चैन सिंह से 1.7 अंक आगे रहे। ऐश्वर्या तोमर 449.8 के साथ तीसरे स्थान पर रहे जबकि स्वप्निल कुसाले और अखिल श्योराण क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

चार ट्रायल्स में से तीन सर्वश्रेष्ठ स्कोर को ध्यान में रखते हुए, परिणामों ने सिफ्ट को महिलाओं की 3पी में शीर्ष फिनिशर के रूप में पुष्टि की। अंजुम मौदगिल ने भी पांच योग्य निशानेबाजों के बीच ट्रायल में दूसरे सर्वश्रेष्ठ के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की। पुरुषों के 3पी में ऐश्वर्या तोमर और स्वप्निल कुसाले चार ट्रायल मैचों की प्रतियोगिता के बाद पहले और दूसरे स्थान पर रहे। एयर इवेंट्स के परिणाम आज के दिन पुरुषों और महिलाओं की 10 एयर राइफल और एयर पिस्टल के क्वालिफिकेशन राउंड भी खेले गए।

भारत-पाक मैच की दीवानगी अलग लेवल पर, टिकट का रेट 2 लाख के पार

एजेंसी। नई दिल्ली

टी20 विश्व कप एक जून से शुरू होने वाला है। इस दौरान जो एक मैच दर्शकों के लिए सबसे ज्यादा महत्व रखता है वह है भारत-पाकिस्तान मुकाबला। इस बार भी इन दोनों टीमों के बीच मैच को लेकर उत्साह चरम पर है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि टी20 विश्व कप में भारत-पाक की एक टिकट का रेट 2 लाख से भी पार चला गया है।

9 जून को भारत-पाकिस्तान मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 9 जून को नसाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसकी दर्शक क्षमता 34 हजार है और इसका निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

भारत-पाक मैच टिकट का रेट

अमरीका में होने वाले भारत-पाक मुकाबले का सबसे महंगा टिकट 229625 रुपए का है। वहीं, सबसे सस्ता टिकट 25 हजार रुपए का है। इस मुकाबले के 90 फीसदी टिकट बिक भी चुके हैं। इसके जनरल स्टैंड के टिकट का मूल्य 300 डॉलर का है। वहीं क्लब कॉर्नर का टिकट सबसे महंगा 2750 डॉलर का है। भारत के किसी भी मुकाबले का टिकट 7515 रुपए से कम का नहीं है। वहीं, ओमान और स्कॉटलैंड का सबसे सस्ता टिकट सिर्फ छह डॉलर है।

भारतीय टीम को कोचिंग देना 'दुनिया का सबसे बड़ा काम' है : जस्टिन लैंगर

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने खुद को भारत के अगले मुख्य कोच बनने की दौड़ से बाहर कर दिया है और कहा है, 'यह दुनिया का सबसे बड़ा काम है' और जब वह ऑस्ट्रेलिया की पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए इस पद पर थे तो उनकी तमन्ना पूरी हो चुकी थी।

इस सप्ताह की शुरूआत में, बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर भारत के मुख्य कोच पद के लिए 27 मई की समय सीमा निर्धारित करते हुए आवेदन आमंत्रित किए थे। भारत के पूर्व कप्तान और भारत के वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बीसीसीआई को सूचित किया है कि वह अपने कार्यकाल के विस्तार की मांग नहीं करेंगे। नौकरी विवरण के अनुसार, भारत की पुरुष टीम का नया मुख्य कोच तीनों प्रारूपों के लिए होगा और जुलाई 2024 से दिसंबर 2027 तक प्रभारी रहेगा।

व्यापार/लाइफ व साइंस

398 रुपए प्लान में 2 जीबी डाटा फ्री

रिलायंस जियो को ऐसे ही टेलीकॉम इंडस्ट्री का बादशाह नहीं कहा जाता है, जियो समय-समय पर अपने ग्राहकों को सरप्राइज करने के लिए तमाम तरीके के रिचार्ज प्लांस लेकर आते रहता है, ताकि उसके ग्राहक को बेनिफिट्स मिल सके और उनके यूजर्स की संख्या दिनों दिन बढ़ती जाए। इतना ही नहीं कई बार जियो अपने यूजर्स के लिए फ्री प्लांस भी लेकर आता है जिसमें एक्स्ट्रा डाटा ऑफर किया जाता है, तो वहीं पर कुछ टाइम पीरियड भी एक्स्ट्रा मिलता है। आज हम यहां बात करेंगे कि रिलायंस जियो के वह कौन-कौन से प्लांस है जिनमें आपको एक्स्ट्रा डाटा या फ्री डाटा मिलेगा। यह बात यहां यह बताना जरूरी है कि हम जियो रिलायंस के डाटा प्लान की बात करने जा रहे हैं, वह सारे ही 5जी डाटा ऑफर हैं और यह सारे प्लान 399 रुपए से अधिक है, क्योंकि रिलायंस जियो के सभी 339 से अधिक कीमत वाले प्लांस के साथ 5जी डाटा फ्री है।

दुर्घटना से बचाने को कारों में दिये जाते हैं 360 डिग्री कैमरा

नई दिल्ली। कार में 360 डिग्री कैमरा कितना जरूरी है, इसका अंदाजा आपको भारी ट्रैफिक के साथ ही कई जगहों पर महसूस होता है। आजकल की बिजी लाइफ में में कार चलाना न केवल स्टेटस सिंबल, फीचर्स के उपभोग और अपनी जरूरतें पूरी करने का प्रमुख जरिया हैं, बल्कि यह बड़ी जिम्मेदारी भी है। सड़कों पर बढ़ती भीड़ और वाहनों की संख्या के बीच सुरक्षित ड्राइविंग पहले से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसी जरूरत को पूरा करते हैं 360 डिग्री कैमरा, जो कारों में सेफ्टी और फीचर्स का जबरदस्त कॉम्बो पेश करते हैं।

360 डिग्री कैमरा क्या है?

यह एक ऐसा कैमरा सिस्टम है, जो कार के चारों ओर 4 या इससे ज्यादा छोटे कैमरों को जोड़कर बना होता है। इनमें कार के फ्रंट और रियर के साथ ही आउटसाइड रियर व्यू मिरर्स पर भी कैमरे लगे होते हैं। ये कैमरे मिलकर कार के चारों ओर का 360 डिग्री व्यू प्रदान करते हैं, जो ड्राइवर को कार के आसपास के सभी दृश्यों को एक साथ देखने में मदद करते हैं। यह व्यू आमतौर पर कार के इन्फोटेनमेंट सिस्टम की स्क्रीन पर दिखाया जाता है।

360 डिग्री कैमरा में कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें

आपको बता दें कि सभी 360 डिग्री कैमरा समान नहीं होते हैं। कुछ कैमरे हाई क्वॉलिटी वाले वीडियो और डिटेल व्यू देते हैं, जबकि अन्य लो क्वॉलिटी वाले हो सकते हैं। ऐसे में आप कोशिश करें कि जो 360 डिग्री कैमरा फैक्ट्री फिटेड हों, वही वेरिएंट लें। आपको आफ्टरमार्केट भी विकल्प मिल जाते हैं। 360 डिग्री कैमरा सिस्टम की कीमतें भी अलग-अलग होती हैं।

360 डिग्री कैमरा के फायदे

पार्किंग में हेल्प : 360 डिग्री कैमरा ड्राइवर को सही तरीके से पार्किंग में हेल्प करते हैं, वो भी खास तौर पर तंग जगहों पर। कैमरे से मिलने वाला बर्ड्स आई व्यू ड्राइवर को कार को आसानी से पार्क करने और टक्कर से बचाने में मदद करता है।

सुरक्षित ड्राइविंग : गाड़ी चलाते समय 360 डिग्री कैमरा ड्राइवर को ब्लाइंड स्पॉट को देखने में मदद करते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कम होता है। यह स्कूटर, साइकल चालकों और पैदल चलने वालों जैसे आसपास के वाहनों और लोगों को देखने में भी मददगार होता है।

सेफ्टी : 360 डिग्री कैमरा कार के आसपास की रिकॉर्डिंग कर सकते हैं, जो दुर्घटना या चोरी की स्थिति में सबूत के तौर पर काम आ सकता है।

फीचर्स: 360 डिग्री कैमरा ड्राइवर को गाड़ी चलाते समय ज्यादा आत्मविश्वास और सुविधा प्रदान करते हैं। खासकर नई गाड़ी चलाने वालों या बड़ी गाड़ियों को चलाने वालों के लिए ये कैमरे बहुत उपयोगी होते हैं।

ऐसे में कहा जा सकता है कि 360 डिग्री कैमरा कारों में सेफ्टी और सुविधा का एक महत्वपूर्ण फीचर बन गया है। आप अगर अपनी कार में सेफ्टी लेवल बढ़ाना चाहते हैं, तो 360 डिग्री कैमरा निश्चित रूप से एक अच्छा विकल्प है।

भारत में लॉन्च हुआ

Tecno Camon 30 5G

एजेंसी। नई दिल्ली

टेक्नो ने भारत में अपनी कैमरा केंद्रित कैमोन 30 सीरीज लॉन्च की है जिसमें दो डिवाइस शामिल हैं- कैमोन 30 5जी और टेक्नो कैमोन 30 प्रीमियर। दोनों स्मार्टफोन में कुछ सामान्य विशेषताएं हैं जिनमें आईपी 53 धूल और पानी प्रतिरोध, एनएफसी, आईआर ब्लास्टर, एक इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर और 70डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग के लिए समर्थन के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी शामिल है। टेक्नो कैमोन 30 5जी के 8जीबी रैम/256जीबी स्टोरेज वैरिएंट की कीमत 22,999 और 12जीबी रैम/256जीबी स्टोरेज वैरिएंट की कीमत 26,999 है और कैमोन 30 प्रीमियर 5जी की कीमत सिंगल 12जीबी रैम/512जीबी स्टोरेज वेरिएंट के लिए 39,999 है।

Camon 30 Premier 5G

ऑप्टिक्स के संदर्भ में, टेक्नो कैमोन 30 5जी में पीछे की तरफ एक डुअल कैमरा सेटअप है, जिसमें OIS सपोर्ट के साथ 50MP का प्राइमरी सेंसर और 2MP का डेप्थ सेंसर शामिल है। फोन के फ्रंट में 2.45 अपर्चर के साथ 50MP का ऑटोफोकस सेंसर भी है।

टेक्नो कैमोन 30 5जी मीडियाटेक डाइमेंशन 7020 चिपसेट द्वारा संचालित है, जिसे 12जीबी तक LPDDR4x रैम और 512जीबी तक यूएफएस 3.1 स्टोरेज के साथ जोड़ा गया है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आईडीएफसी लिमिटेड के विलय को शेयरहोल्डर्स की मंजूरी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ आईडीएफसी लिमिटेड की विलय प्रक्रिया एक कदम और आगे बढ़ी है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरधारकों ने आईडीएफसी लिमिटेड के साथ बैंक के मर्जर को अपनी मंजूरी दे दी है। बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चेन्नई पीठ ने 17 मई को बुलाई बैठक में शेयर होल्डर्स ने एकीकरण को बहुमत के साथ अपनी मंजूरी दी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पहले ही नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) दे दिया था, जबकि दोनों के बोर्ड इस मर्जर को पहले ही मंजूरी मिल गई है। शेयर बाजार में शनिवार के स्पेशल सेशन में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के स्टॉक में बढ़त देखने को मिली। बैंक का शेयर 0.25 फीसदी बढ़कर 77.45 के स्तर पर बंद हुआ।

ऑनलाइन स्कैम से बचने के लिए आरबीआई ने दी सालाह

एजेंसी। नई दिल्ली

सुपरफास्ट इंटरनेट के इस दौर में साइबर स्कैम से बचना बहुत ही मुश्किल है लेकिन नामुमकिन नहीं। कुछ सावधानी बरतकर आप इस तरह के स्कैम से बच सकते हैं। लोगों को इस तरह के स्कैम से बचाने के लिए डिजिटल इंडिया, सरकारी साइबर सिक्योरिटी एजेंसी साइबर दोस्त और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया जैसे बैंक लोगों को समय-समय पर टिप्स देते रहते हैं।

हाल ही में आरबीआई और डिजिटल इंडिया ने ऑनलाइन साइबर स्कैम से बचने के कुछ टिप्स दिए हैं। डिजिटल इंडिया के एक्स के हैंडल से RBI के हवाले से कुछ दिन पहले एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें ऑनलाइन हो रहे स्कैम और उससे बचने के बारे में बताया गया है। वीडियो के मुताबिक किसी भी अनजान लिंक पर आपको क्लिक नहीं करना चाहिए। आरबीआई की ओर से कहा गया है कि जानकार बनिए, सतर्क रहिए।

आरबीआई के मुताबिक साइबर ठग किसी भी तरीके से आपको फंसाने का प्रयास कर सकते हैं।

वे आपको लुभावने मैसेज कर सकते हैं, पार्ट टाइम जॉब ऑफर दे सकते हैं, इसके अलावा कम समय में अधिक पैसे कमाने का झांसा भी दे सकते हैं। कई बार ये ठग आपको ओटीपी के नाम पर तो कई बार केवाईसी और कई बार कस्टमर केयर के नाम पर ठग सकते हैं। ये ठग आपको कस्टम अधिकारी या पुलिस वाले के नाम पर भी फोन करके पैसे मांग सकते हैं। यदि आपको ऐसा कुछ लगता है तो तुरंत इसकी शिकायत करें।

गठबंधन धर्म निभाने राष्ट्रीय दल पीछे हटे गिरिडीह में क्षेत्रीय दलों के बीच मुकाबला

उपेंद्र गुप्ता। गिरिडीह

कुर्मी बहुल गिरिडीह लोकसभा सीट पर इस बार सबकी नजरें हैं, गिरिडीह में दो राष्ट्रीय पार्टियों के बीच नहीं बल्कि दो क्षेत्रीय दलों के बीच मुकाबला है, लेकिन इस मुकाबले को छात्र नेता जयराम महतो त्रिकोणीय बनाने में जुटे हैं। इसलिए यहां संग्राम नहीं, महासंग्राम होने के आसार हैं, क्योंकि तीनों कुर्मी जाति से आते हैं। गिरिडीह लोकसभा सीट तीन जिलों गिरिडीह, धनबाद और बोकारो मिलाकर बना है, जिसमें तीनों जिला की छह विधानसभा सीटें समाहित हैं, जिनमें तीन पर झारखंड मुक्ति मोर्चा, एक-एक पर कांग्रेस, भाजपा और आजसू का कब्जा है। इस सीट पर 25 मई को छठे चरण में मतदान होगा। इस बार कुल 18 लाख एक हजार 845 महिला-पुरुष मतदाता मत का प्रयोग करेंगे। इस बार मतदाताओं के बीच कहीं खामोशी है तो कहीं आक्रोश।

कांग्रेस-भाजपा के गढ़ पर आजसू का कब्जा

वर्ष 2019 से भाजपा ने भी कांग्रेस की तरह सहयोगी आजसू के लिये यह सीट छोड़ दी है। दोनों राष्ट्रीय दलों की उदारवादी नीति के कारण गिरिडीह संसदीय सीट क्षेत्रीय दलों की होकर रह गई है। वर्ष 2019 के बाद 2024 के चुनाव में भी मुख्य मुकाबला झामुमो के मथुरा महतो और आजसू के सीपी चौधरी के बीच होता दिख रहा है लेकिन इन दोनों के बीच निर्दलीय युवा प्रत्याशी जयराम महतो इस लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने में जुटे हैं। गिरिडीह लोस क्षेत्र में जातीय समीकरण की बात की जाय तो मुस्लिम, कुर्मी, आदिवासी, वैश्य और अगड़ी जाति के मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रही है। अबतक हुए चुनावों में क्षेत्र की जनता ने सबसे अधिक भाजपा के रविन्द्र पाण्डेय को पांच बार और भाजपा के ही रामदास सिंह को दोबार सांसद बनाया है। हालांकि, 1952 के बाद कांग्रेस के बड़े नेता और बिहार के मुख्यमंत्री रहे विन्देश्वरी दूबे के अलावा प्रदेश प्रमुख रहे डॉ. सरफराज अहमद सरीखे नेता इस सीट से जीते लेकिन पिछले दो दशकों से गठबंधन के कारण कांग्रेस ने किसी को टिकट नहीं दिया।

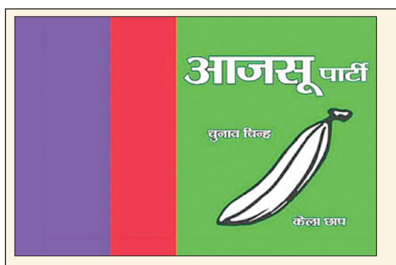

16 प्रत्याशी चुनाव मैदान में

वर्ष 1952 से 2019 तक गिरिडीह लोस सीट पर कुल 17 बार चुनाव हुए है, जिसमें पांच बार कांग्रेस, पांच बार भाजपा और तीन बार झामुमो सहित अन्य क्षेत्रीय दलों के सांसद निर्वाचित हुए हैं। वर्ष 2019 के चुनाव में झारखंड में भाजपा की सहयोगी आजसू के चन्द्रप्रकाश चौधरी ने झामुमो के जगरनाथ महतो को 02 लाख 48 हजार मतों के अंतर से पराजित कर जीत दर्ज की थी। इस बार भी आजसू के चन्द्र प्रकाश चौधरी, झामुमो के मथुरा महतो और निर्दलीय जयराम महतो समेत कुल 16 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है।

त्रिकोणीय मुकाबला बनाने में जुटे छात्र नेता

युवाओं के बीच टाईगर के नाम से लोकप्रिय जयराम महतो ने झारखंड में क्षेत्रीय और स्थानीय मुद्दों को लेकर हाल में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति का गठन किया है, जिसे एक नए सियासी उभार के तौर पर देखा जा रहा है। स्थानीय नियोजन नीति और भाषा समेत अन्य मुद्दों को लेकर जयराम ने उत्तरी और दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के विभिन्न जिलों में आंदोलन चला रखा है, जिसमें उन्हें युवाओं का जबरदस्त समर्थन हासिल है।

वर्ष 2019 की मोदी लहर में विजयी आजसू के सीपी चौधरी को 06 लाख 48 हजार 277 वोट मिले थे जबकि मुख्य प्रतिद्वंद्वी झामुमो के जगरनाथ महतो को 03 लाख 99 हजार 930 वोट प्राप्त हुए थे। इस बार भी क्षेत्र की एक बड़ी आबादी झुकाव पीएम मोदी के पक्ष में दिखायी दे रहा है लेकिन बीते पांच सालों में क्षेत्रीय विकास की उपेक्षा से लोगों में खासी नाराजगी भी है।

झामुमो के मथुरा महतो का कहना है कि इस बार जनता बदलाव के मूड में है। झामुमो अदिवासी-मूलवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने को लेकर कृत संकल्पित है। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन सरकार के कार्यकाल का समावेशी विकास इसका गवाह है। चार जून को पता चलेगा जनता का आशीर्वाद किसे मिला।

सत्तारूढ़ गठबंधन पर भाजपा का बड़ा आरोप

आदिवासी युवतियों से प्रेम विवाह कर सत्ता के लिए हो रहा पॉलिटिकल जिहाद

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने सत्तारूढ़ गठबंधन पर पॉलिटिकल जिहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। प्रतुल ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के एक तबके के द्वारा भोली भाली आदिवासी लड़कियों को प्रेम जाल में फांसकर विवाह किया जाता है। बाद में आदिवासियों के लिए आरक्षित मुखिया, जिला परिषद, पंचायत ,सरपंच की सीटों पर उन्हें लड़ा कर सत्ता पर काबिज करने का पॉलिटिकल जिहाद होता है। भाजपा प्रवक्ता शनिवार को मारू टावर स्थित मीडिया सेंटर में संवाददाता सम्मेलन में सरकार पर गंभीर आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि उसके बाद इस आदिवासी महिला की भूमिका को कम किया जाता है और सारा कामकाज उसका मुस्लिम पति देखने लगते हैं। प्रतुल ने पाकुड़ जिले के असंख्य उदाहरण देते हुए राज्य के दूसरे जिलों का भी उदाहरण दिया।

आदिवासी पत्नियों को लड़वाते हैं पंचायत चुनाव

भाजपा नेता ने बताया कि पाकुड़ जिले में ऐसे कई दर्जन उदाहरण हैं जिस पर इन मुस्लिम कट्टरपंथियों ने अपनी आदिवासी पत्नियों को चुनाव जीता कर सत्ता में काबिज होने का षड्यंत्र रचा है।इनमें से कुछ ने तो इन भोली भाली आदिवासी बेटियों को फंसा कर दूसरी और तीसरी पत्नी के रूप में रखा हुआ है। प्रतुल ने पाकुड़ का उदाहरण देते हुए कहा कि लालू शेख, ख्यार शेख, महबूब आलम, आजाद मियां, वकील मंसूरी, उम्मेद अली अंसारी, अब्दुस शमीम, आजाद अंसारी, सागिर अंसारी, मोहम्मद शेख, हजरत अली कई दर्जन ऐसे मुस्लिम युवक हैं जिन्होंने अपनी आदिवासी बेटियों को अपने मोह जाल में फंसा कर विवाह किया।फिर इन पत्नियों को विभिन्न स्तरों के चुनाव में लड़वाया और कई मामलों में जितवाया भी और उनके जरिए पॉलिटिकल जिहाद कर सत्ता पर काबिज हो गए।

आदिवासी-मुस्लिम को बांट राजनीतिक रोटी सेंकना चाहती है भाजपा : कांग्रेस

नवीन मेल संवाददाता। रांची

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने भाजपा प्रवक्ता के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वर्तमान आम चुनाव में निश्चित हार की ओर बढ़ चुकी भाजपा धीरे-धीरे अपने वास्तविक रंग में आ रही है और बचे हुए चरणों के चुनाव में धार्मिक उन्माद का रंग भरने का प्रयास कर रही है। भाजपा के नेता मानसिक विकृति का शिकार हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि देश और झारखंड में डबल इंजन की जब भाजपा की सरकार चल रही थी तब उसे ऐसे मामले नजर नहीं आए और झारखंड में अपनी हो रही दुर्गति के बाद उन्हें आदिवासी समुदाय की चिंता सता रही है। झारखंड का आदिवासी समुदाय वर्तमान महागठबंधन की झारखंड सरकार में पूरी तरह सुरक्षित है और पूरी तरह से इंडिया गठबंधन के साथ है। भाजपा के कुत्सित मंशा को जब इस समुदाय ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। तब ये आदिवासी- मुस्लिम भाईचारे को तार-तार कर झारखंड में बचे चरणों के चुनाव में अपनी राजनीतिक रोटी सेंकना चाहते हैं। भाजपा नेता गिरगिट से भी ज्यादा खतरनाक है जो हर पल रंग बदलते रहते हैं। इनका आदिवासी प्रेम का सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह झारखंड का लगातार दौरा कर रहे हैं लेकिन केंद्र द्वारा लटकाए गए सरना धर्म कोड बिल के बारे में कुछ नहीं बोल रहे हैं। उनकी हताशा का आलम यह है कि चुनाव में जीत हासिल करने के लिए देश को धार्मिक युद्ध का रणक्षेत्र बनाना चाहते हैं लेकिन जनता खामोश रहकर इनकी करतूतों को देख और सुन रही है।

भाजपा नेता गिरगिट से भी ज्यादा खतरनाक है जो हर पल रंग बदलते रहते हैं।

उन्होंने कहा कि आलमगीर आलम के मंत्री पद से इस्तीफा देने का कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है और इससे किसी भी जांच पर कोई फर्क नहीं पड़ता है यदि पूरी तरह से स्वतंत्र है कि वह जांच करें इसके लिए भाजपा नेताओं को सलाहकार और मार्गदर्शक बनने की आवश्यकता नहीं है, इसकी भूमिका भाजपा का शीर्ष नेतृत्व पूरी तरह निभा रहा है। यह देश संविधान और कानून से चलता है जिसकी धज्जियां भाजपा पिछले एक दशक से उड़ाते आ रही है लेकिन चुनाव परिणाम संविधान के साथ खिलवाड़ करने की मंशा रखने वाले लोगों के मुंह पर करारा तमाचा साबित होगा।

झामुमो और कांग्रेस के भ्रष्टाचार से राज्य की छवि हुई खराब : सुदेश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा है कि सत्तारूढ़ झामुमो और कांग्रेस के भ्रष्टाचार ने राज्य की छवि बिगाड़ कर रख दी है। लोकसभा चुनावों में जनता इसका बदला लेगी। साढ़े चार साल में राज्य ने बहुत कुछ खोया है। राज्य की गरिमा और भविष्य संवारना हमारी प्राथमिकता है। उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष ने बाघमारा में आयोजित एनडीए की चुनावी बैठक में कही। इस दौरान गिरिडीह संसदीय क्षेत्र से बड़ी जीत दर्ज करने की रणनीति और चुनावी अभियान की समीक्षा की गई।

भाजपा-आजसू के कार्यकर्ता कंधे से कंधे मिलाकर कर रहे काम : सुदेश महतो ने कहा कि चुनावों की तारीख नजदीक है। बीजेपी और आजसू के कार्यकर्ता कंधे से कंधे मिलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों और मिशन को कामयाब बनाने में काम करें। राज्य की सभी 14 सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित करना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि विकास आधारित राजनीति एनडीए का मजबूत स्तंभ है।

भाजपा आलाकमान का विधायकों को कड़ा निर्देश

विस का टिकट चाहिए, तो पार्टी प्रत्याशी को हरहाल में जिताएं

नवीन मेल संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर भाजपा आलाकमान ने राज्य के भाजपा विधायकों को कड़ा टास्क दे दिया है,जिससे सीटिंग विधायकों की चिंता बढ़ गयी है। विधायकों को समझ में नहीं आ रहा है कि वे करें तो क्या करें। भाजपा की सेंट्रल कमेटी के पदाधिकारियों का स्पष्ट निर्देश है कि वह हर हाल में अपने क्षेत्र के सांसद प्रत्याशी को लोकसभा चुनाव में जीत दिलाने के लिए मेहनत करें। सभी विधायक अपने-अपने चुनाव क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी को जीत दिलाएं। जनता को एकजुट करें।

कम पोलिंग और हार पर विधायकों पर गिरेगी गाज : पार्टी आलाकमान ने साफ कहा है कि किसी भी हाल में यदि संबंधित विधानसभा क्षेत्र से कम पोलिंग होती है और सांसद हारता है, तो आगामी विधानसभा चुनाव में संबंधित क्षेत्र के भाजपा विधायक को टिकट देना विचारणीय हो जायेगा। भाजपा के एक बड़े नेता ने नाम ना छापने की शर्त पर यह बातें कहीं। उनका साफ कहना है भाजपा अनुशासित पार्टी है। यहां कार्य करने वाले कार्यकताओं की पूछ होती है और फांकीबाज नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। केन्द्रीय आलाकमान भाजपा में नकारा नेताओं को बर्दाश्त नहीं करता है। ऑफ द रिकॉर्ड भी भाजपा के सभी विधायकों को यह निर्देश सुना दिया गया है। इसके बाद से कई विधायक रेस हैं। वे लगातार क्षेत्र का दौरा कर जनसम्पर्क कार्य करने में जुटे हैं।

तीसरी बार मोदी सरकार के लिए सांसदों की जीत महत्वपूर्ण : प्रदेश भाजपा के पदाधिकारियों ने अपने सभी विधायकों को नसीहत दे रखी है कि इस बार लोकसभा चुनाव में प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर काम करें। हर हाल में संबंधित क्षेत्र के सांसदों को जीत दिलाएं ताकि मोदी फिर से प्रधानमंत्री बन सकें। किसी भी हाल में कोताही बरतने पर संबंधित विधानसभा क्षेत्र के विधायकों को पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में टिकट देने पर भी आपत्ति जतायी जा सकती है।

न्यूज | बॉक्स

कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में 15 जगहों पर नुक्कड़ सभा आयोजित करेगा राजद

रांची । प्रदेश राजद कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक में रांची लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से इंडी गठबंधन प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के पक्ष में जोर शोर से प्रचार प्रसार करने पर चर्चा की गई। जिसमें 15 जगहों पर नुक्कड़ सभा करने पर सहमति बनी,कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रविवार को 1 बजे राजद कार्यालय में रांची चुनाव अभियान समिति के 55 सदस्यीय संयोजक सदस्यों की आवश्यक बैठक होगी। जिसमें सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य होगी । बैठक में राजद के प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव,रांची लोकसभा क्षेत्र के संयोजक राजेश यादव,सचिव रामकुमार यादव,सुधीर गोप,साजिद आलम,जसीम अख्तर, शब्बर फातमी,मुस्तफा अंसारी,गफ्फार अंसारी,शालिग्राम पांडेय,मैनेजर राय, राम इकबाल चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद थे । बैठक के दौरान महासचिव कैलाश यादव ने बताया कि कल 3 बजे राजद कार्यालय में आजसू,जेएमएम सहित विभिन्न दलों के सैकड़ों महिला एवं समाजसेविका राजद में शामिल होंगे ।

झामुमो के पूर्व विधायक के बेटे ने आजसू का थामा दामन

रांची । राजनीति का मौजूदा ट्रेंड बदलने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। युवा शब्द का दायरा बड़ा है। इसमें विभिन्न समूह शामिल हैं। और अलग-अलग क्षेत्र में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। राजनीति में अगर युवा थोड़ी दखल बढ़ा दें तो बहुत सी चीजें बदल सकती हैं। उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने नावाडीह स्थित देवी महतो इंटर कॉलेज के सामने आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में कही। इस दौरान डुमरी के पूर्व विधायक स्व. शिवा महतो के सुपुत्र झारखंड आंदोलनकारी कार्तिक महतो, वकील महतो, विशाल अग्रवाल, रंजीत अग्रवाल, राजेन्द्र राम समेत कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी के खिलाफ भाजपा पहुंची चुनाव आयोग

रांची । भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल विधि प्रकोष्ठ के संयोजक सुधीर श्रीवास्तव के नेतृत्व में चुनाव आयोग पहुंच कर जामताड़ा के कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि जामताड़ा के विधायक इरफान अंसारी अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है की ह्लनकली राम भक्तों ने मेरे असली राम को जेल में बंद कर दिया। मेरी भाभी सीता मां दुर्गा की अवतार @ बीजेपी झारखंड को जलाकर भस्म कर देगी। साथ में उनका हनुमान कदम से कदम मिलाकर रावण की लंका को जला कर राख कर दूंगा। लोगों से अपील किया की सीता मां के एक एक आंसू का बदला लें और राम जी को सही सलामत वापिस। इस प्रकार का बयान को पोस्ट करने से सनातन धर्म को मानने वालों लोगों को घोर धार्मिक आघात पहुंचा है और साथ ही सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने का हर संभव प्रयास किया गया है।उक्त घटना न सिर्फ प्रभु श्रीराम को मानने वाले पर आघात है बल्कि वर्तमान में देशभर में लागू आदर्श आचार संहिता का भी उलंघन है। गौरतलब है की 20 तारीख को गांडेय विधानसभा से पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन महागठबंधन की उम्मीदवार भी है।

कोडरमा में चुनाव प्रचार समाप्त, बूथ मैनेजमेंट में जुटे कार्यकर्ता

कोडरमा। कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में अब विभिन्न दलों और प्रत्याशियों के नेता कार्यकर्ता बूथ मैनेजमेंट में जुट गए हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कोई बड़ी रैली और जनसभा तो नहीं हुई पर रोड शो में गांडेय विधानसभा उप चुनाव में झामुमो प्रत्याशी कल्पना सोरेन के साथ सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, जेएमएम के राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद, माले नेता राजेश सिन्हा समेत जेएमएम के काफी संख्या में कार्यकर्ता दिखे। वहीं समर्थक कोडरमा लोकसभा के लिए विनोद सिंह को वोट करने की अपील करते दिखे। इस बार चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिरनी में सभा को संबोधित किया वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, झारखण्ड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, जेएमएम नेता कल्पना सोरेन, माले के राष्ट्रीय सचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने अलग अलग जगह सभा को संबोधित किया। इस बार चुनावी मौसम में भी फूल विक्रेता निराश रहे। फूल विक्रेताओं का कहना है कि पिछले कुछ चुनाव की अपेक्षा इस बार कारोबार में कमी आई। पहले मंच सज्जा का दो दिन पहले ही काम मिल जाता था। हर नेता के स्वागत के लिए कम से कम 100-150 माला प्रतिदिन खरीदी जाती थीं। प्रत्येक सभा में लगभग 100 बुके बिक जाते थे।

पांचवें चरण में कोडरमा, चतरा और हजारीबाग में कल मतदान

नक्सल क्षेत्रों में हेलीड्रॉपिंग किए जा रहे मतदानकर्मी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि पांचवें चरण के मतदान के लिए मतदानकर्मियों की रवानगी शुरू हो गयी है। रविवार तक यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। पांचवें चरण में चतरा, हजारीबाग और कोडरमा में 20 मई को मतदान होना है। उन्होंने बताया कि लातेहार और चतरा के लिए हेलीड्रॉपिंग के माध्यम से 148 मतदानकर्मियों और सेक्टर ऑफिसर को मतदान केंद्र तक भेजा गया है। वह शनिवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में प्रेस वार्ता कर रहे थे।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर विशेष फोकस : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग का फोकस मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर है। इसे लेकर जनजागरूकता के साथ तमाम उपाय किये जा रहे हैं। इसके लिए माइकिंग से मतदाताओं को जागरूक करने और मतदाताओं को मतदान केंद्र तक ले जाने के लिए मोबलाइजेशन पर जोर रहेगा। इसके लिए मतदान की गति बढ़ाने के उपाय किये गये हैं। उसके तहत एक बार में तीन मतदाताओं को मतदान केंद्र के भीतर जाकर मतदान की सुविधा दी जा रही है। जिस बूथ पर 1200 से अधिक मतदाता हैं, वहां एक अतिरिक्त मतदानकर्मी को लगाया जा रहा है, ताकि कतार लंबी नहीं हो, मतदान की गति बढ़े और लोगों को इंतजार नहीं करना पड़े। वहीं रिजर्व में रखे गए मतदानकर्मियों को भी जरूरत के अनुसार मतदान केंद्रों पर लगाया जाएगा।

सीरियल नंबर नोट कर जाएं मतदान केंद्र : उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि मतदान के लिए जाते वक्त अपने साथ मतदाता सूची का सीरियल नंबर नोट कर जरूर लेकर जाएं।

चौथे चरण में पुरुषों से अधिक महिलाओं ने डाले वोट

उन्होंने बताया कि चौथे चरण के चुनाव में मतदान करने में महिलाएं पुरुषों पर भारी पड़ी हैं। इस चरण में सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू में मतदान हुआ है। सिंहभूम में कुल 10,03,482 वोट पड़े हैं, जो कुल मतदाताओं का 69.32 प्रतिशत है। इसमें महिलाओं ने 69.93 प्रतिशत के हिसाब से 5,14,639 वोट डाले हैं। जबकि पुरुषों ने 68.69 प्रतिशत के हिसाब से 4,88,836 वोट डाला है। इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के 6 में से सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र सरायकेला में महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों का मतदान प्रतिशत अधिक रहा है। खूंटी में कुल 9,27,422 वोट पड़े हैं, जो कुल मतदाताओं का 69.93 प्रतिशत है। इसमें महिलाओं ने 70.50 प्रतिशत के हिसाब से 4,76,292 वोट डाले हैं। जबकि पुरुषों ने 69.35 प्रतिशत के हिसाब से 4,51,127 वोट डाला है। इस संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के 6 में से सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र तमाड़ में महिलाओं की अपेक्षा पुरुषों का मतदान प्रतिशत अधिक रहा है। लोहरदगा में कुल 9,57,690 वोट पड़े हैं, जो कुल मतदाताओं का 66.45 प्रतिशत है। इसमें महिलाओं ने 68.63 प्रतिशत के हिसाब से 4,99,182 वोट डाले हैं। जबकि पुरुषों ने 64.22 प्रतिशत के हिसाब से 4,58,507 वोट डाला है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में बंद हुआ एचसीएल का राखा माइंस : सुप्रियो

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पीएम मोदी रविवार को जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी विद्युत वरण महतो के पक्ष में प्रचार करने मउभण्डार (घाटशिला) आ रहे हैं।इसके पहले झामुमो के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पीएम नरेंद्र मोदी के जमशेदपुर दौरे को लेकर कई सवाल किया है। उन्होंने कहा कि पीएम रविवार को जहां आ रहे हैं, वहां देश का सबसे बड़ा ताम्र सम्पदा है। वहां पर देश के प्रतिष्ठित हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड स्थित है, जो मउभण्डार में ही है। हिन्दुस्तान कॉपर का राखा तांबा खान, सुरदा तांबा खान, मुसाबनी तांबा खान से ही हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड चलता है। मोदी के सरकार में आने के बाद यह तीनों खान केंद्र सरकार की नीतियों के कारण बंद हो गई और हजारों श्रमिकों के साथ उनके परिवार जन दाने-दाने को मोहताज हैं। झामुमो नेता ने कहा कि तत्कालीन खान मंत्री नरेन्द्र तोमर आपके हवाले से कहते रहे कि पुनः खानों को चालू किया जाएगा। आपके विगत 10 वर्षों से यहां के सांसद रहे जो आज प्रत्याशी भी हैं, बार-बार झूठ बोलते रहे कि हम उत्पादन शुरू करेंगे। लेकिन आप ही के भाषा का जुमला रट कर वो बोलते रहे, जो आज तक चालू नहीं हुआ। क्या आपको तांबा खान के इन श्रमिकों के घाव पर नमक और मिर्च छिड़क कर उनके आह से शान्ति मिलेगी? राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास जो आज उड़ीसा के राज्यपाल हैं और सांसद 2014 में धालभूमगढ़ में एयरपोर्ट के निर्माण के लिए भूमिपूजन किये एवं शिलापट्ट लगाए, जिसमें आज तक एक भी ईंट नहीं जोड़ा गया।

पीएम रविवार को जहां आ रहे हैं, वहां देश का सबसे बड़ा ताम्र सम्पदा है।

कांग्रेस आलाकमान के खिलाफ अधीर रंजन का विद्रोही तेवर

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा के पांच बार के सदस्य अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस के साथ पार्टी के चुनाव बाद के संबंधों के मुद्दे पर आलाकमान के खिलाफ विद्रोही तेवर दिखाया। पार्टी के भीतर आंतरिक कलह की जड़ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का शनिवार को लखनऊ में मीडियाकर्मियों को दिया गया वह बयान है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चुनाव के बाद सरकार गठन के लिए उठाए जाने वाले कदमों का फैसला चौधरी नहीं

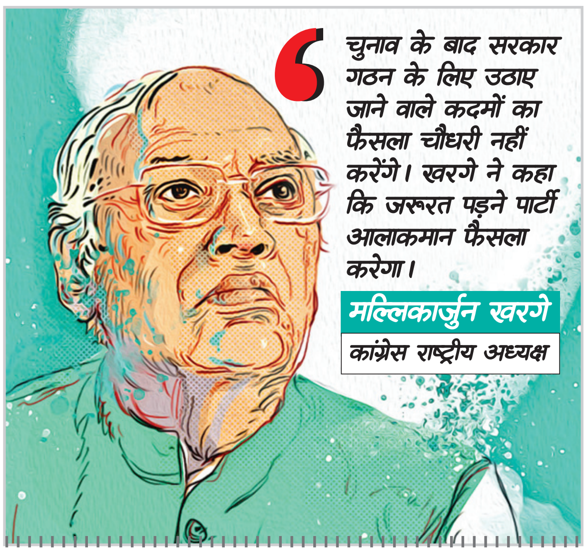

करेंगे। खरगे ने कहा कि जरूरत पड़ने पार्टी आलाकमान फैसला करेगा।

खरगे ने कहा था कि नेताओं को पार्टी आलाकमान के फैसले के अनुरूप चलना होगा या उन्हें पद छोड़ना होगा। चौधरी ने खरगे के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी का सदस्य होने के नाते वह आलाकमान का हिस्सा हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस आलाकमान तृणमूल कांग्रेस और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रति नरम रुख अपना सकता है, लेकिन चौधरी इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। उधर, तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने खरगे की टिप्पणी के हवाले से यह कहना शुरू कर दिया है कि पश्चिम बंगाल में उनकी पार्टी ही भाजपा का मुकाबला कर सकती है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को चौधरी ने चुनाव के बाद संभावित इंडिया ब्लॉक की सरकार को बाहर से समर्थन देने पर मुख्यमंत्री की टिप्पणियों पर कठोर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। उन्होंने कहा, "मुझे उन पर भरोसा नहीं है। वह इंडिया गुट से अलग हैं। अब वह हमारे साथ मिलने की कोशिश कर रही हैं, क्योंकि उन्हें एहसास है कि हम राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हो रहे हैं।

महाराष्ट्र में इंडी आघाड़ी को मिलेंगे 46 सीटें : खरगे

एजेंसी

मुंबई। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने शनिवार को मुंबई में कहा कि देश की जनता भाजपा की तोड़फोड़ से नाराज है। इसका असर देश में चल रहे लोकसभा चुनाव में देखने को मिल रहा है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि महाराष्ट्र में इंडी आघाड़ी को 48 में से 46 सीटें मिलने वाली हैं। वह इंडी आघाड़ी की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार, शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की मौजूदगी में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश की जनता भाजपा की गतिविधियों, तोड़फोड़ की नीति से नाराज है। इंडी आघाड़ी भाजपा की तोड़फोड़ नीति और अत्याचारी कुप्रबंधन के खिलाफ लड़ रहा है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 30 लाख सरकारी नौकरियों, महालक्ष्मी योजना के तहत गरीब महिलाओं को 1 लाख रुपये प्रति वर्ष देने, 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, कृषि पर जीएसटी हटाने, ऋण माफी, जीएसटी के स्थान पर एक ही दर की नया सीधा जीएसटी लागू करने की गारंटी दी है।

तुष्टीकरण के लिए हिंसा फैला सकते हैं मौकापरस्त नेता: पीएम

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन दिल्ली को तबाह करने में जुटा है, ये लोग दिल्ली को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। उन्होंने विपक्षी गठबंधन को मौका परस्त गठबंधन बताते हुए कहा कि ये मौकापरस्त गठबंधन तुष्टीकरण के लिए देश में हिंसा भी फैला सकता है। जब सीएए कानून आया था, तब इन्होंने दिल्ली को महीनों के लिए बंधक बना दिया था। पहले रास्ते रोके, फिर दंगे कराए, लेकिन आज पूरा देश देख रहा है कि इनके झूठ का पदार्फाश हो चुका है। दिल्ली में वर्षों से रह रहे शरणार्थियों को भारत की नागरिकता मिल रही है। इनके घोषणापत्र में भी मुस्लिम लीग की छाप नजर आ रही है। कांग्रेस के शहजादे लोगों की संपत्ति छीनकर अपने वोट बैंक को देना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में किए गए विकास कामों को गिनाते हुए कहा कि एक तरफ भारत सरकार दिल्ली का चौतरफा विकास कर रही है, दिल्ली के हर गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति के जीवन को आसान बनाने का प्रयास कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ इंडी गठबंधन दिल्ली को तबाह करने में जुटा है। ये लोग लगातार राजनीति का पतन करने के लिए और करोड़ों देशवासियों का भरोसा तोड़ने के लिए जिम्मेदार हैं।

दिग्गजों ने किया होम वोटिंग

पूर्व उपप्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी ने नई दिल्ली स्थित आवास में डाला डाक मत।

पूर्व केंद्रीय व भाजपा नेता मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने अपने आवास पर किया मतदान।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर उनके आवास पर लोकसभा चुनाव के लिए डाक मतपत्र के माध्यम से वोट डालने के बाद अपनी अमिट स्याही लगी उंगली दिखाती हुईं।

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी अपने आवास पर लोकसभा चुनाव के लिए पोस्टल वोट डाला।

पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह नई दिल्ली में अपने आवास पर डाक मतपत्र के माध्यम से वोट डाला।

सीएए कानून आया था, तब इन्होंने दिल्ली को महीनों बंधक बना लिया, दंगा भी कराया

शिवसेना के संजय राऊत के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में आपत्तिजनक बयानबाजी करने पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राऊत के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अहमदनगर जिले के कोतवाली पुलिस स्टेशन में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद संजय राऊत की मुसीबतें बढ़ने की जोरदार चर्चा है। महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार नीलेश लंके का चुनाव प्रचार करने के लिए 8 मई की शाम को अहमदनगर शहर के क्लाराब्रस मैदान में एक सभा हुई थी। इसी सभा में संजय राऊत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध बयानबाजी की थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने पुलिस को इस संबंध में मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। स्थानीय पुलिस अब इस मामले की गहन छानबीन में जुटी है।

हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, भाजपा के खिलाफ : उमर अब्दुल्ला

एजेंसी

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बारामूला लोकसभा क्षेत्र से नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उम्मीदवार और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि भाजपा के खिलाफ है। क्षेत्र में चुनाव प्रचार करते हुए उमर ने कहा, इस चुनाव में भाजपा के पास कोई उम्मीदवार नहीं है, इसलिए जो कोई भी नेशनल कॉन्फ्रेंस और इंडिया ब्लॉक के खिलाफ चुनाव लड़ रहा है, वह भाजपा को फायदा पहुंचा रहा है। उन्होंने बताया कि चुनाव में घाटी से इंडिया ब्लॉक के तीन आधिकारिक उम्मीदवार हैं। दक्षिण कश्मीर से मियां अल्ताफ अहमद, मध्य कश्मीर से आगा रुहुल्ला मेहदी और उत्तरी कश्मीर से मैं। 18 विधानसभा क्षेत्रों वाली बारामूला लोकसभा सीट पर कड़ी टक्कर है। पार्टी अपनी जीत की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए बडगाम, बीरवाह और बांदीपोरा जैसे क्षेत्रों में शियाओं का समर्थन हासिल करने का प्रयास कर रही है।

चुनाव में घाटी से इंडिया ब्लॉक के 3 आधिकारिक उम्मीदवार हैं।

आर्थिक रूप से पिछड़े कुपवाड़ा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक समर्थक ने कहा, उमर अब्दुल्ला एक बड़े नेता हैं और अतीत में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लोगों को उनसे बहुत उम्मीदें हैं, हम चाहते हैं कि वह चुनाव जीतें और इस क्षेत्र के लोगों के लिए काम करें।"

मतदान की तारीख निकट आते ही सभी की निगाहें केंद्र शासित प्रदेश के लिए लोकसभा चुनाव परिणामों पर टिकी हैं। ये परिणाम यहां के राजनीतिक भविष्य की दशा व दिशा तय कर सकते हैं।

पाकिस्तान गलती करेगा तो बुंदेलखंडी तोप का गोला देगा जवाब : अमित शाह

बेटे-बेटियों के लिए राजनीति करने वाले कभी देश का भला नहीं कर सकते

एजेंसी

ललितपुर (यूपी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक चुनावी जनसभा में कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने और उत्तर प्रदेश के विकास की शुरूआत हुई। एक जमाना था जब उत्तर प्रदेश में देशी कट्टे बनते थे लेकिन मोदी ने बुंदेलखंड में डिफेंस कॉरिडोर बनाया, अब यहां तोप के गोले बनते हैं। पाकिस्तान ने अगर कोई भी गलती की तो ये बुंदेलखंडी गोला पाकिस्तान पर गिरेगा। भाजपा उम्मीदवार अनुराग शर्मा को जिताने की अपील करते हुए शाह ने कहा कि इस भूमि ने मुगलों के सामने भी लड़ाई लड़ी और अंग्रेजों के सामने भी। अब हमारे देश में मौजूद देशी अंग्रेजों के खिलाफ भी बुंदेलखंड को लड़ाई लड़नी है।

अब डिफेंस कॉरिडोर बन गई है बुंदेलखंड की नई पहचान

उन्होंने कहा कि बेटे-बेटियों के लिए राजनीति करने वाले देश का भला नहीं कर सकते।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने झांसी-ललितपुर लोकसभा क्षेत्र के जनसभा में कहा कि एक जमाने में बुंदेलखंड से बाहुबली पूरे देश में जाते थे। आप तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बना दीजिए, हमारा बुंदेलखंड यहां से बाहुबली की जगह उद्योगपति पूरे देश में भेजने का काम करेगा। ये चुनाव देश के विकास का चुनाव है। ये चुनाव देश को सुरक्षित करने का है। ये चुनाव हमारे धर्म और संस्कृति के रक्षण का चुनाव है। ये चुनाव भारत को महान बनाने का चुनाव है। ये चुनाव देश के गरीबों का कल्याण करने का चुनाव है और ये चुनाव बुंदेलखंड की प्यास बुझाने का चुनाव है।

कुछ दिनों में कांग्रेस विलुप्त व सपा हो जायेगी समाप्त पार्टी: राजनाथ सिंह

एजेंसी

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दिनों बाद कांग्रेस विलुप्त और सपा समाप्त पार्टी हो जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में अब जल्द ही राम राज्य स्थापित होगा। उन्होंने यह बातें शनिवार को बस्ती लोकसभा क्षेत्र के हरैया विधानसभा में कंपोजिट विद्यालय जूनियर हाई स्कूल परिसर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक संस्था है। देश में 52 सालों तक कांग्रेस ने अपनी सरकार चलाई, उस दौरान उन्होंने गरीबी की बात तो की लेकिन गरीबी का उन्मूलन नहीं किया।

मोदी ने अपने 10 साल के कार्यकाल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया

रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 10 साल के कार्यकाल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है,जबकि कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि मैं दिल्ली से सौ रूपया भेजता हूं तो जनता तक सिर्फ 15 रुपए ही पहुंचता है। ऐसे में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने कार्यकाल में उन्होंने रुपए सौ भेजे तो रुपए सौ ही जनता को मिले।

लोकसभा चुनाव 2024 / छठे चरण में 25 को होगा मतदान, मतगणना 4 जून को

8 राज्यों की 58 सीटों पर 889 उम्मीदवार

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में दिल्ली, हरियाणा सहित आठ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर 25 मई को मतदान होगा। इस चरण में 889 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इसमें एक अनंतनाग-राजौरी सीट भी है, जहां तीसरे चरण के स्थान पर छठे चरण में मतदान होगा। चुनाव आयोग के मुताबिक दिल्ली, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड समेत सात राज्यों की 57 लोकसभा सीटों के लिए 1978 नामांकन प्राप्त हुए थे। छठे चरण में उत्तर प्रदेश की 14 सीटों के लिए सबसे अधिक 470 नामांकन प्राप्त हुए हैं। इसके बाद हरियाणा की 10 सीटों के लिए 370 नामांकन किए गए हैं। रांची लोकसभा सीटों के लिए 70 और नॉर्थ ईस्ट दिल्ली सीट के लिए 69 नामांकन प्राप्त हुए थे। इस चरण में औसतन 15 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्यवार आंकड़ों की बात करें तो बिहार की 8 सीटों के लिए 86, हरियाणा की 10 के लिए 223, जम्मू-कश्मीर की एक के लिए 20, झारखंड की चार सीटों के लिए 93, दिल्ली की 7 सीटों के लिए 162, ओडिशा की 6 सीटों के लिए 64, उत्तर प्रदेश की 14 सीटों के लिए 162 और पश्चिम बंगाल की 8 सीटों के लिए 69 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इसके बाद सातवें चरण की वोटिंग 1 जून व मतगणना 4 जून को है।

छठे चरण में 900 नामांकन वैध पाए गए

जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट पर मतदान छठे चरण में 25 मई को है। छठे चरण के लिए 6 मई नामांकन की अंतिम तारीख थी। सभी नामांकन की जांच के बाद 900 नामांकन वैध पाए गए। अनंतनाग सीट पर 28 नामांकन किए गए थे, जिसमें से 21 वैध पाए गए।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com